जबलपुर, गुरुवार
दिनांक 26 फरवरी 2026
वर्ष 31 अंक 244
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 3.00
www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

सुविचार
'रोटी, कपड़ा, मकान के अलावा अगर इंसान को किसी चीज की सबसे ज्यादा जरूरत होती है तो वो है सिर्फ शिक्षा'

2 पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय ...
5 कोयतुर पुलिस व फौजी भाई मिलन ...
7 ट्रम्प का दावा : मैं भारत-पाक युद्ध ...
11 प्रदेश की अर्थव्यवस्था सशक्त कर...

कक्षा 8 की किताब से हटेगा 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' वाला हिस्सा

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने व्यक्त की गंभीर नाराजगी, किताब की बिक्री पर रोक

नई दिल्ली

कक्षा 8 की एनसीईआरटी की सामाजिक विज्ञान की नई किताब में 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' से जुड़ा एक हिस्सा जोड़ा गया था, जिसे अब हटाया जाएगा। उच्च सरकारी सूत्रों ने बुधवार को बताया कि इस तरह की सामग्री को किताब में शामिल करना उचित नहीं था और बच्चों के लिए प्रेरणादायक बातें लिखी जानी चाहिए थी। सूत्रों के अनुसार, पूर्व मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई के बयान का किताब में उल्लेख करना भी सही नहीं था। यह भी बताया गया कि वर्तमान मुख्य न्यायाधीश ने इस पर नाराजगी जताई है। यह मामला तब और गंभीर हो गया जब सुप्रीम कोर्ट ने इस विषय पर गंभीर चिंता जताई। कोर्ट ने कहा कि इस संदर्भ से न्यायपालिका के सदस्य, खासकर हाईकोर्ट के जज आहत और चिंतित हैं। यह मामला तब उठा जब वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने अदालत में बताया कि कक्षा 8 के छात्रों को न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के बारे में पढ़ाया जा रहा है, जो चिंता का विषय है। उन्होंने यह भी कहा कि किताब में अन्य संस्थानों में भ्रष्टाचार का जिक्र क्यों नहीं है। वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने भी चयनात्मक रवैये पर सवाल उठाया। न्यायमूर्ति जॉयमाला बागची ने टिप्पणी की कि किताब की सामग्री संविधान की मूल संरचना के सिद्धांत के खिलाफ प्रतीत होती है। दरअसल, एनसीईआरटी की कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान की नई किताब के अध्याय में न्यायपालिका की भूमिका में न्याय व्यवस्था की चुनौतियों का जिक्र किया गया था। इसमें सुप्रीम कोर्ट में लगभग 81000, हाईकोर्ट में करीब 62 लाख 40 हजार और जिला व अधीनस्थ अदालतों में करीब 4 करोड़ 70 लाख लंबित मामलों का उल्लेख था। किताब में लिखा था कि न्यायाधीश आचार संहिता से बंधे होते हैं

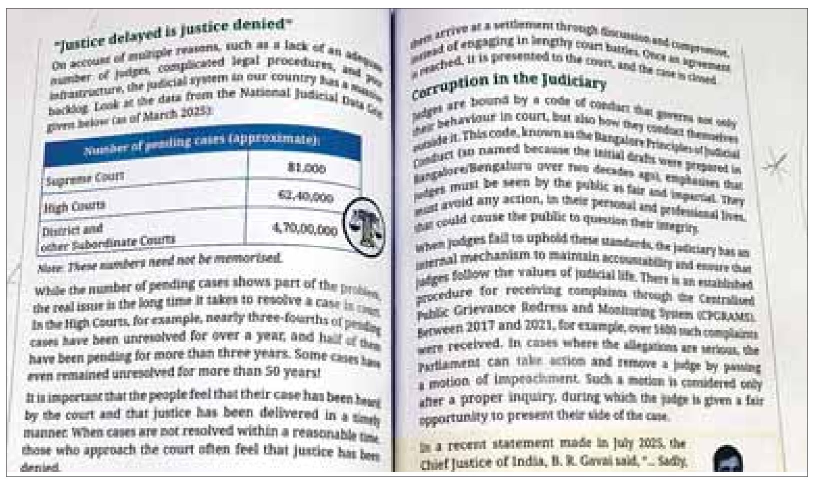

और शिकायतों के लिए केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली जैसी व्यवस्था मौजूद है। साथ ही, पारदर्शिता और तकनीक के जरिए सुधार की कोशिशों का भी जिक्र था।

यह केस खुद हैंडल करूंगा

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत की आपत्ति के बाद 'ज्यूडीशियल करप्शन' चैप्टर वाली एनसीईआरटी किताब की बिक्री पर रोक लगा दी गई है। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा- दुनिया में किसी को भी न्यायपालिका को बदनाम करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। यह एक सोची-समझी और गहरी साजिश लगती है। मुझे पता है इससे कैसे निपटना है। मैं यह केस खुद हैंडल करूंगा। उन्होंने कहा कि कानून अपना काम करेगा।

हटेगा विवादित हिस्सा

इसमें पूर्व मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई का जुलाई 2025 का बयान भी उद्धृत किया गया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि भ्रष्टाचार और कदाचार की घटनाएं जनता के विश्वास को प्रभावित करती हैं, लेकिन पारदर्शी और त्वरित कार्रवाई से भरोसा दोबारा बनाया जा सकता है। फिलहाल, सरकार ने संकेत दिया है कि किताब से इस हिस्से को हटाया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने भी साफ कर दिया है कि न्यायपालिका की गरिमा और प्रतिष्ठा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

बसपा विधायक के घर इनकम टैक्स की रेड

लखनऊ। लखनऊ के गोमतीनगर में बसपा के इकलौते विधायक उमाशंकर सिंह के आवास पर इनकम टैक्स ने छापेमारी की है। बलिया जिले की रसड़ा सीट से विधायक उमाशंकर के घर पहुंची आयकर विभाग की टीम रिकॉर्ड्स खंगाल रही है। सुबह करीब 7 बजे दर्जनों अधिकारियों की टीम भारी पुलिस बल के साथ विधायक के आवास पर पहुंची। टीम दस्तावेजों और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जांच कर रही है। इस अचानक हुई कार्रवाई से राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई है।

अनूपपुर : 13 दिन में 18 पटवारी सस्पेंड

अनूपपुर। अनूपपुर जिला प्रशासन ने अनाधिकृत अनुपस्थिति और फार्मर रजिस्ट्री में लापरवाही के आरोप में बुधवार को 9 और पटवारियों को निलंबित कर दिया है। इसके साथ ही, पिछले 13 दिनों से जारी पटवारियों की हड़ताल के दौरान अब तक कुल 18 पटवारियों को निलंबित किया जा चुका है। मध्यप्रदेश पटवारी संघ जिला इकाई अनूपपुर अपनी 10 सूत्रीय मांगों को लेकर कलमबंद हड़ताल पर है।

पन्ना में सरपंच रिश्वत लेते गिरफ्तार

पन्ना। पन्ना जिले में लोकायुक्त पुलिस सागर संभाग ने बुधवार, 25 फरवरी को ग्राम पंचायत चौपरा के सरपंच जगत आदिवासी को 5,000 की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई महानिदेशक लोकायुक्त योगेश देशमुख के निर्देश और उप पुलिस महानिरीक्षक मनोज सिंह के मार्गदर्शन में की गई। शिकायतकर्ता ग्राम चौपरा निवासी नंदलाल राठौर ने बताया कि जनपद पंचायत शाहनगर से उसे कपिलधारा योजना के तहत कुएं का निर्माण कराने की स्वीकृति मिल चुकी थी। सरपंच ने कार्य शुरू करने की अनुमति देने के बदले 11 हजार की रिश्वत मांगी थी।

माइनिंग अफसर के घर 4.27 करोड़ नकद मिले

कटक। ओडिशा विजिलेंस ने बुधवार को कटक सर्किल के डिप्टी डायरेक्टर (माइंस) देबब्रत मोहंती के घर से 4.27 करोड़ रुपए नकद जब्त किए। मोहंती को लाइसेंसी कोयला व्यापारी से 30 हजार की रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया। आरोप है कि वह कोयला डिपो को बिना रुकावट चलाने और काम आसान करने के बदले रिश्वत ले रहा था। यह ट्रैप ऑपरेशन ओडिशा विजिलेंस ने रिश्वत मांगने की शिकायत मिलने के बाद किया था।

दिल्ली पुलिस ने पकड़ा हिमाचल पुलिस ने छुड़ाया

एआई समिट में प्रदर्शन करने वाले 3 कांग्रेसियों की गिरफ्तारी का मामला

शिमला/सोलन

हिमाचल प्रदेश में बेहद सनसनीखेज मामला सामने आया है। दिल्ली और हिमाचल पुलिस आमने सामने आ गई। दरअसल दिल्ली पुलिस की 15 से 20 लोगों की टीम ने शिमला के रोहड़ू से तीन कांग्रेस कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया। इन पर एआई समिट के दौरान शर्टलेस होकर प्रदर्शन करने का आरोप है। दिल्ली पुलिस जब वापस जा रही थी तो हिमाचल पुलिस ने सोलन के धर्मपुर में नाका लगाकर उन्हें रोक लिया।

बताया जा रहा है इस दौरान दोनों पक्ष में काफी गहमागहमी भी हुई। हिमाचल पुलिस ने इस कार्रवाई नियमों को विरुद्ध बताया और दिल्ली पुलिस के लोगों को भी डिटेन कर लिया। हिमाचल पुलिस

तीनों युवकों व पुलिस को लेकर शिमला रवाना हो गई। हिमाचल ने दिल्ली पुलिस की कार्रवाई को अवैध बताया, क्योंकि प्रदेश पुलिस को तीन युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी की कोई सूचना नहीं दी गई। दिल्ली पुलिस ने तीन युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को बुधवार सुबह शिमला के रोहड़ू से गिरफ्तार किया। पुलिस इन्हें लेकर दिल्ली जा रही थी। इस दौरान हिमाचल पुलिस ने दिल्ली पुलिस को कंडाघाट के पास रोका और गिरफ्तार किए तीनों लड़कों को छुड़ा लिया। जिन तीन युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया था, वह हिमाचल के नहीं और दूसरे राज्यों के हैं। आरोप है कि तीनों प्रदर्शन में शामिल थे। बताया जा रहा है कि वह छुपने के लिए शिमला के रोहड़ू पहुंचे थे।

रोहड़ू में ठहरे थे कांग्रेस कार्यकर्ता

एआई समिट के दौरान शर्टलेस प्रदर्शन में शामिल युवा कांग्रेस कार्यकर्ता रोहड़ू के मेंदली में एक रेस्ट हाउस में ठहरे थे। सूत्र बताते हैं कि दिल्ली पुलिस रेस्ट हाउस से रजिस्टर साथ ले गई है और यह जांच की जा रही है कि रेस्ट हाउस किसके नाम से बुक हुए थे।

शाम को दिल्ली ले गई पुलिस

दोपहर से लेकर शाम तक शिमला पुलिस की टीम दिल्ली पुलिस के कर्मचारियों को लेकर चक्कर में जिला एवं सत्र न्यायालय में पहुंची लेकिन रात को 7.30 बजे दिल्ली पुलिस की टीम कांग्रेस के तीनों कार्यकर्ताओं को अपने साथ लेकर चली गई। जानकारी के अनुसार केंद्रीय गृह मंत्रालय की दखल के बाद दिल्ली पुलिस तीनों युवाओं को लेकर दिल्ली के लिए रवाना हो गई है।

तेल अवीव। इस्राइल दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उनके समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू और सारा नेतन्याहू ने बेन गुरियन हवाई अड्डे पर गर्मजोशी से स्वागत किया। मुलाकात के दौरान बेंजामिन नेतन्याहू ने अपनी पत्नी सारा और पीएम मोदी के कपड़ों के रंगों की ओर इशारा किया, जिसके बाद तीनों ठहाके लगाते नजर आए।

अनिल अंबानी के 3716 करोड़ के घर को ईडी ने किया जब्त

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय ने कथित बैंक धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी के मुंबई के पॉश इलाके में स्थित आलीशान घर एबोड को कुर्क कर लिया है। यह जब्ती धन शोधन निवारण अधिनियम के कड़े प्रावधानों के तहत एक अनंतिम आदेश जारी करके की गई है। एबोड नामक यह बेहद आलीशान घर 66 मीटर ऊंचा है और इसमें 17 मंजिलें हैं। इस एकल संपत्ति का मूल्य 3,716.83 करोड़ रुपये आंका गया है।

मॉपअप राउंड में सीट बदलना नियमों के खिलाफ: हाईकोर्ट

नीट पीजी काउंसलिंग में एनआरआई कोटे पर दिया फैसला

इंदौर

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने कहा है कि मेडिकल कॉलेजों में एनआरआई कोटे की सीटें खाली हों और उनके लिए आवेदन आए हों तो अगली सुनवाई से पहले उनका अलॉटमेंट कर दिया जाए। कोर्ट ने ये फैसला बुधवार को नीट पीजी मामले में लगाई गई याचिका पर दिया। अदालत ने दो सप्ताह में चिकित्सा शिक्षा विभाग से इस मामले में जवाब भी मांगा है। याचिकाकर्ता डॉ. अभि शर्मा की ओर से केस लड़ रहे एडवोकेट हेमेंद्र जैन ने कहा- हाईकोर्ट की इंदौर बेंच ने निर्देश दिया है कि प्रवेश के लिए एक या एक से अधिक कितने भी राउंड हों, लेकिन आखिरी मॉप-अप राउंड या स्टे वेकेंसी राउंड में एनआरआई सीटें आवेदकों को दी जानी चाहिए। जैन ने आगे कहा- हमारी दलील थी कि एमपी मेडिकल एजुकेशन रूल्स 2018-2019 के नियम 14 (क) (2) के अनुसार हर प्राइवेट मेडिकल कॉलेज में 15 प्रतिशत एनआरआई कोटा है। एनआरआई स्टूडेंट नहीं होने पर खाली सीटें जनरल स्टूडेंट को नहीं दी जा सकती। ऐसे स्टूडेंट को लास्ट राउंड तक फॉलो करना चाहिए।

जंगलों और आदिवासियों को उजाड़ना चाहती है बीजेपी : कांग्रेस

विधानसभा में निराश्रित गोवंश, अडानी कोल माइंस, मास्टर प्लान और टूटते पुलों पर सवालों की बौछार

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा में बजट सत्र का आठवां दिन निराश्रित गोवंश, अडानी कोल माइंस, मास्टर प्लान और टूटते पुलों को लेकर हंगामे के नाम रहा। कांग्रेस विधायकों ने कोल माइंस के लिए पेड़ कटाई को गैर जरूरी बताया तो भाजपा की तरफ से कहा गया कि पेड़ कटाई से कोई नुकसान नहीं होगा। कांग्रेस विधायक भंवर सिंह शेखावत ने कहा- ये बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण है कि मंत्री कह रहा है कि हमने मास्टर प्लान बना लिया, मुख्यमंत्री को दे दिया, अब मुख्यमंत्री के यहां रुका हुआ है। इन दोनों के झगड़े में इंदौर जैसे ऐतिहासिक शहर का मास्टर प्लान अटका हुआ है। सिंगरौली में अडानी समूह की कोल

माइंस के लिए पेड़ कटाई मुद्दे को उठाते हुए कांग्रेस विधायक सेना पटेल ने कहा कि बीजेपी जंगलों और आदिवासियों को उजाड़ना चाहती है। कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह बोले- भाजपा अडानी के पास गिरवी रखी हुई है। जब भी अडानी पर कांग्रेस के विधायक या नेता कोई आरोप लगाते हैं, तो भाजपा नेताओं को आपत्ति होने लगती है। वहीं, तराना विधायक महेश परमार बोले- जब से राकेश सिंह पीडब्ल्यूडी मंत्री बने हैं, तब से पुल टूटने के मामले में रिकॉर्ड बन रहा है। भोपाल में 90 डिग्री एंगल का ब्रिज बना दिया और मंत्री जी कह रहे हैं कि देश में ऐसे कई और पुल बने हुए हैं। यदि यह पुल सही बना था तो उन अधिकारियों को प्रोत्साहित क्यों नहीं किया? कांग्रेस विधायक अजय सिंह ने निराश्रित गोवंश से फसलें नष्ट होने और यातायात बाधित होने की स्थिति पर ध्यान आकर्षित किया।

लोनिवि के एसडीओ की कार कुर्क

गुना कोर्ट ने कम्प्यूटर, कुर्सियां और पंखे भी जब्त किए

गुना। मध्य प्रदेश के गुना में डिस्ट्रिक्ट कोर्ट की एक टीम ने लोक निर्माण विभाग ऑफिस में कुर्की की कार्रवाई की। लोनिवि ने क्लर्क कौशल किशोर राठौर को सैलरी नहीं दी थी। हाईकोर्ट के आदेश के बाद डिस्ट्रिक्ट कोर्ट की टीम ने एसडीओ की कार से लेकर ऑफिस के कम्प्यूटर, कुर्सियां और पंखे तक सब कुछ सीज कर दिया। लोनिवि से 30 दिसंबर 2025 को रिटायर हुए क्लर्क कौशल किशोर राठौर ने बताया कि विभाग ने उन्हें उनके पद के अनुरूप वेतन नहीं दिया था। इस खिलाफ उन्होंने लोअर कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। लोअर कोर्ट से पक्ष में फैसला आया। इसके खिलाफ विभाग ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई। हाईकोर्ट से भी क्लर्क कौशल किशोर को जीत मिली। लेकिन लोक निर्माण विभाग हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को सही ठहराया। विभाग ने 2013 तक के एरियर का भुगतान तो कर दिया था, लेकिन 2014 से रिटायरमेंट तक का लगभग 36.68 लाख का भुगतान लटकाए रखा। सुप्रीम कोर्ट के ऑर्डर के बाद भी सैलरी-एरियर नहीं दी। जिला नाजिर राकेश शर्मा ने बताया कि प्रथम व्यवहार न्यायाधीश (वरिष्ठ खंड) मधुलिका मुले के न्यायालय से 36.68 लाख रुपए की वसूली के आदेश हुए थे, जिसके पालन में यह कार्रवाई की गई है। जिला नाजिर ने बताया कि लोनिवि के एसडीओ की गाड़ी को भी कुर्क किया गया है। अगर इन सब से पैसा पूरा नहीं होता है, तो आगे कार्यालय की बिल्डिंग और जमीन को भी कुर्क किया जाएगा।

'अब कोई हिडन चार्ज नहीं'

आरबीआई ने बैकों को ऐप से फंसाने वाली ट्रिक्स हटाने के दिए आदेश

नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक ने डिजिटल बैंकिंग को अधिक पारदर्शी बनाने के क्रम में बैंकों को कड़ा आदेश दिया है. आरबीआई ने कहा है कि बैंक जुलाई 2026 तक अपनी वेबसाइटों और मोबाइल ऐप से सभी डार्क पैटर्न हटा दें, जो कि ग्राहकों को गुमराह करने या उन पर दबाव डालने के लिए डिजाइन की गई ट्रिक्स हैं. इसमें बैंकों द्वारा वित्तीय उत्पादों और किसी भी सेवा की पेशकश से पहले ग्राहक की स्पष्ट सहमति अनिवार्य रूप से लें. आरबीआई के इस कदम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ग्राहकों को उचित जानकारी के बिना उत्पाद खरीदने या शुल्क चुकाने के लिए गुमराह कतई न किया जाए. बैंकों को ग्राहक की स्पष्ट अनुमति के बिना वित्तीय उत्पादों को एक साथ बेचने पर भी रोक लगा दी जाएगी. डार्क पैटर्न डिजिटल प्लेटफॉर्म पर इस्तेमाल की जाने वाली ऐसी डिजाइन तकनीकें हैं, जिनका उद्देश्य यूजर के

व्यवहार को प्रभावित करना होता है, जिसे वे आसानी से पूरी तरह समझ न सकें. इनमें हिडन चार्ज, भ्रमित करने या प्रलोभन देने वाले विकल्प या फिर ग्राहकों को अतिरिक्त सेवाएं स्वीकार करने के लिए बार-बार प्रेरित करने वाले संकेत शामिल हो सकते हैं. बैंकों को इन ट्रिक्स पर रोक के संबंध में आरबीआई द्वारा दिए गए निर्देश, ये सुनिश्चित करने के लिए हैं, कि ग्राहकों को ठीक से पता हो कि वे किस चीज के लिए साइन-अप कर रहे हैं. यानी वे गुमराह न हों. बैंकों को जुलाई 2026 तक डार्क पैटर्न को पूरी तरह से हटाने और नए नियमों का पालन करने का समय दिया गया है. आरबीआई द्वारा मोबाइल बैंकिंग पर लोगों की बढ़ती निर्भरता को देखते हुए ये कदम उठाया गया है, जो डिजिटल वित्तीय सेवाओं को आसान, निष्पक्ष और अधिक भरोसेमंद बनाने के लिए है.

सर्वे में हुआ ये बड़ा खुलासा

एक सर्वे से पता चलता है कि इस तरह की ट्रिक्स का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाता है. आरबीआई का यह कदम इस सर्वे के परिणामों के बाद आया है. इसमें 388 जिलों के 1,61,000 से अधिक लोगों से प्रतिक्रियाओं को शामिल किया गया. निष्कर्षों से पता चला है कि इस तरह की गुमराह करने वालीं डार्क पैटर्न ट्रिक्स कई ऑनलाइन बैंकिंग प्लेटफार्मों पर आम बात हैं. सर्वे में शामिल यूजर्स ने बताया कि हिडन चार्ज के बारे में खुलासा शुरुआत में स्पष्ट रूप से नहीं किया जाता है और किसी भी प्रक्रिया के अंत में इन छिपे हुए शुल्कों का सामना ग्राहक को करना पड़ता है. इसके अलावा ग्राहकों को अतिरिक्त सेवाओं को एक्टिव करने के लिए बार-बार नोटिफिकेशन परेशान करने वाले होते हैं.

पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय में पंचम दीक्षांत समारोह का हुआ आयोजन

शहडोल (स्वतंत्रमत)

पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय के नवलपुर परिसर में पंचम दीक्षांत समारोह अकादमिक गरिमा, अनुशासन और बौद्धिक वातावरण के मध्य सम्पन्न हुआ। समारोह की शुरुआत मध्यप्रदेश के राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति मंगुभाई पटेल के संदेश शुभकामनाओ के साथ हुआ उनके आदेश पर कुल गुरु प्रो रामशंकर ने अध्यक्षता की सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल एवं पूर्व महानिदेशक, आर्म्ड फोर्सेज मेडिकल कोर अनुप बनर्जी दीक्षांत, उद्बोधन दिया कार्य परिषद विद्या परिषद विभागाध्यक्ष, संकायाध्यक्ष वैदिक मंत्रों के साथ शोभा यात्रा निकाली गई। समारोह का प्रारंभ कुलगुरु प्रो. रामशंकर के आगमन एवं पंडित शम्भूनाथ शुक्ला की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुआ। औपचारिक शोभायात्रा, में विश्वविद्यालय के राष्ट्रगीत वन्देमातरम राष्ट्रगान एवं दीप प्रज्वलन के उपरांत विधिवत् अकादमिक कार्यवाही आरंभ की गई। कुलगुरु प्रो रामशंकर ने अपने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक प्रगति, शोध उपलब्धियों एवं भावी योजनाओं का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा, च्विश्वविद्यालय का मूल ध्येय ज्ञान-सृजन, अनुसंधान-उत्कर्ष और समाजोपयोगी शिक्षा का समन्वय है। बीते वर्षों में हमारे शोधार्थियों ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय जर्नलों में उल्लेखनीय प्रकाशन किए हैं। नई शिक्षा नीति के अनुरूप पाठ्यक्रमों का पुनर्संरचन, कौशल-आधारित कार्यक्रमों का समावेश तथा अंतर्विषयी अध्ययन को विशेष प्रोत्साहन दिया गया है।ज्ज उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में शोध की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु शोध नैतिकता, प्लेगरिज़्म नियंत्रण और अकादमिक ऑडिट की प्रक्रियाएँ सुदृढ़ की गई हैं।ज्शिक्षा का उद्देश्य केवल व्यक्तिगत उन्नति नहीं, बल्कि क्षेत्रीय और राष्ट्रीय विकास में सक्रिय सहभागिता है। शहडोल अंचल के विद्यार्थियों ने यह सिद्ध किया है कि समर्पण और परिश्रम से किसी भी स्तर की उत्कृष्टता प्राप्त की जा सकती है।ज्प्रिय विद्यार्थियों, आज आप जिन उपाधियों को ग्रहण कर रहे हैं, वे केवल काग़ज़ के प्रमाणपत्र नहीं हैं, बल्कि यह आपके परिश्रम, अनुशासन, संस्कार और बौद्धिक साधना की साक्षी हैं। आपके मातादृपिता के त्याग, गुरुओं के मार्गदर्शन और इस विश्वविद्यालय की शैक्षणिक परंपरा ने आपको यहाँ तक पहुँचाया है। मैं आप सभी को हृदय से बधाई देता हूँ। भारत की पहचान केवल भौगोलिक सीमाओं से नहीं, बल्कि उसकी ज्ञान परंपरा से बनी है। वेद, उपनिषद, दर्शन, आयुर्वेद, गणित, खगोल, व्याकरण और योगकृये सभी हमारी उस विराट परंपरा के स्तंभ हैं, जिसने विश्व को च्वसुधैव कुटुम्बकम्ज्ज का संदेश दिया। शिक्षा हमारे यहाँ कभी केवल रोजगार का साधन नहीं रही, बल्कि वह जीवन को अर्थ देने की प्रक्रिया रही है। गुरुकुल परंपरा में शिक्षा का उद्देश्य चरित्र निर्माण, विवेक जागरण और लोकमंगल था। आज आवश्यकता है कि हम आधुनिक शिक्षा को उसी भारतीय बोध से जोड़ें। शहडोल जिला केवल एक प्रशासनिक इकाई नहीं है, बल्कि यह भारत की विराट धरा का अभिन्न अंग है। यह क्षेत्र आदिवासी संस्कृति, प्रकृति-पूजा, सामूहिक जीवन और सहज मानवीय मूल्यों का जीवंत उदाहरण है।आदिवासी समाज ने हमें सिखाया हैकृप्रकृति के साथ संतुलन,संसाधनों का संयमित उपयोग, सामूहिक उत्तरदायित्व। आज जब विश्व पर्यावरण संकट, उपभोक्तावाद और नैतिक विचलन से जूझ रहा है, तब आदिवासी जीवन दर्शन मानवता के लिए मार्गदर्शक बन सकता है। विश्वविद्यालयों का दायित्व है कि वे इस स्थानीय ज्ञान को शोध, अध्ययन और वैश्विक विमर्श से जोड़ें। दीक्षांत समारोह में उपाधि वितरण एवं स्वर्ण पदक प्रदान किये, दीक्षांत शपथ के उपरांत स्नातक, स्नातकोत्तर एवं शोध उपाधियाँ प्रदान की गईं। उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि हेतु मेधावी विद्यार्थियों को 'पंडित शंभूनाथ शुक्ल स्वर्ण पदक' से सम्मानित किया गया। समारोह में शैक्षणिक अनुशासन और मर्यादा का विशेष ध्यान रखा गया।जिसमे 70 स्वर्णपदक अलग अलग संकाय से से विद्यार्थियों को दिए गए।विज्ञान संकाय से 727 वाणिज्य संकाय से 492और सामाजिक विज्ञान से 1087 तथा भाषा संकाय से 257 उपाधियों की घोषणा की गई।, दीक्षांत उद्बोधन देते हुए दीक्षांत अतिथि अनूप बैजनर्जी ने उच्च शिक्षा के बदलते वैश्विक परिप्रेक्ष्य पर विचार रखते हुए कहा, च्21वीं सदी में ज्ञान का स्वरूप बहुआयामी और अंतर्विषयी हो गया है। विश्वविद्यालयों को केवल ज्ञान के संवाहक नहीं, बल्कि नवाचार के प्रेरक केंद्र बनना होगा। अनुसंधान, उद्यमिता और सामाजिक उत्तरदायित्वकृये तीनों उच्च शिक्षा के अनिवार्य आयाम हैं।ज्ज्उन्होंने विद्यार्थियों को आजीवन अधिगम की अवधारणा अपनाने की सलाह दी।, समारोह के अंत में संचालन कर रही कुलसचिव सरिता चौहान द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया तथा कुलगुरु की अनुमति से दीक्षांत समारोह की विधिवत् समाप्ति की घोषणा की गई। राष्ट्रगीत वन्देमातरम एवं राष्ट्रगान की बैंड धुन के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।, पंचम दीक्षांत समारोह ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक प्रतिबद्धता, शोधोन्मुख दृष्टि और संस्थागत अनुशासन को पुनः रेखांकित किया।

दो बाइक्स में आमने-सामने भिड़ंत 4 घायल, दो की हालत गंभीर

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

गाड़ासरई थाना क्षेत्र अंतर्गत सागर टोला गांव के पास जबलपुरङ्कअमरकंटक नेशनल हाईवे पर बुधवार को तेज रफ़्तार का कहर देखने को मिला, जहां दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। इस दर्दनाक सड़क हादसे में दोनों बाइकों पर सवार कुल चार लोग घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सागर टोला गांव के समीप नेशनल हाईवे पर तेज गति से चल रही दो मोटरसाइकिलें आपस में टकरा गईं। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार सड़क पर दूर जा गिरे। हादसे के बाद कुछ समय के लिए हाईवे पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जमा हो गए। वहीं हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था नहीं हो पा रही थी। इसी दौरान संयोगवश वहां से गुजर रहे बजाग एसडीएम रामबाबू देवांगन ने मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए अपना वाहन रोक दिया। उन्होंने बिना समय गंवाए घायलों को अपने शासकीय वाहन से अस्पताल भिजवाया, जिससे उन्हें समय पर प्राथमिक उपचार मिल सका। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार यदि घायलों को तुरंत अस्पताल नहीं पहुंचाया जाता तो स्थिति और गंभीर हो सकती थी। एसडीएम देवांगन की तत्परता की मौके पर मौजूद लोगों ने सराहना की। घटना की जानकारी मिलने पर गाड़ासरई थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और यातायात व्यवस्था को नियंत्रित किया। पुलिस द्वारा हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ़्तार और लापरवाही को हादसे का कारण माना जा रहा है। गौरतलब है कि जबलपुरङ्कअमरकंटक नेशनल हाईवे पर आए दिन तेज रफ़्तार और नियमों की अनदेखी के कारण सड़क हादसे हो रहे हैं। यह घटना एक बार फिर सड़क सुरक्षा को लेकर प्रशासन और वाहन चालकों दोनों के लिए चेतावनी है।

सीएम हेल्पलाइन निराकरण में लगातार ए ग्रेड में डिंडौरी

डिंडौरी (स्वतंत्र मत) कलेक्टर के कुशल मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में डिण्डौरी जिले ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। जनवरी 2026 की रैंकिंग में जिले ने 84.15 वेटेज स्कोर प्राप्त करते हुए लगातार आठ माह से च्एज्ज ग्रेड में अपना स्थान बनाए रखा है। जिले में सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त शिकायतों के त्वरित, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निराकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। कलेक्टर श्रीमती भदौरिया द्वारा नियमित समीक्षा, विभागवार मॉनिटरिंग तथा लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण हेतु दिए जा रहे स्पष्ट निर्देशों का सकारात्मक परिणाम सामने आ रहा है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में सामाजिक अंकेक्षण की स्थायी समिति की बैठक संपन्न

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

सामाजिक अंकेक्षण के अंतर्गत कलेक्टर की अध्यक्षता में स्थायी समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत किए गए कार्यों एवं उनके सामाजिक अंकेक्षण प्रतिवेदनों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। बैठक के दौरान जिला समन्वयक सामाजिक अंकेक्षण कृष्णकांत दुबे द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम अंतर्गत कराए गए कार्यों, भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार मंडल के तहत प्रदत्त अनुग्रह सहायता तथा आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों से संबंधित सामाजिक अंकेक्षण प्रतिवेदन समिति के समक्ष प्रस्तुत किए गए। कलेक्टर श्रीमती भदौरिया ने समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारियों, जनपद पंचायतों को निर्देशित किया कि सामाजिक अंकेक्षण में प्राप्त मुद्दों के निराकरण हेतु आगामी माह में विकासखंड स्तर पर जनसुनवाई का आयोजन किया जाए तथा निराकरण प्रतिवेदन समयसीमा में पोर्टल पर दर्ज किया जाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि वित्तीय वर्ष 2021-22 से 2025-26 तक मनरेगा अंतर्गत वित्तीय अनियमितता, वित्तीय विचलन एवं प्रक्रिया उल्लंघन से संबंधित प्रकरणों का 15 दिवस के भीतर परीक्षण कर नियमानुसार वसूली की कार्यवाही हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाए। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सर्वोपरि है और किसी भी प्रकार की अनियमितता पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, अपर कलेक्टर, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व डिण्डौरी सहित समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत एवं स्थायी समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी आशा जितेंद्र भंडारी द्वारा नगर में प्रगतिरत विकास कार्यों का किया निरीक्षण, शीघ्र पूर्णता के दिए निर्देश

शहडोल (स्वतंत्रमत)

नगर के विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा हेतु आज मुख्य नगर पालिका अधिकारी आशा जितेंद्र भंडारी द्वारा नगर क्षेत्र का व्यापक भ्रमण एवं स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों, उपयंत्रियों एवं ठेकेदारों को निर्माण कार्यों में उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए गए। निरीक्षण के अंतर्गत नवीन प्रस्तावित बस स्टैंड, कोटमा का अवलोकन किया गया। बस स्टैंड निर्माण की वर्तमान प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए कार्य में अपेक्षित तेजी लाने तथा सभी तकनीकी मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश प्रदान किए गए। यह परियोजना पूर्ण होने पर नगर की यातायात व्यवस्था को अधिक सुव्यवस्थित एवं सुविधाजनक बनाएगी। इसके पश्चात वार्ड क्रमांक 2 में प्रस्तावित सामुदायिक भवन स्थल का निरीक्षण किया गया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने कहा कि सामुदायिक भवन स्थानीय नागरिकों के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सार्वजनिक कार्यक्रमों के आयोजन हेतु महत्वपूर्ण आधारभूत सुविधा सिद्ध होगा। निर्माण कार्य में गुणवत्ता एवं पारदर्शिता बनाए रखने पर विशेष बल दिया गया। इसी क्रम में वार्ड क्रमांक 1 स्थित संजीवनी क्लीनिक का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता एवं आधारभूत संरचना की समीक्षा की गई। क्लीनिक के शीघ्र संचालन हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए, ताकि नागरिकों को सुलभ एवं बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। साथ ही पुराना नगर पालिका कार्यालय से पुलिस लाइन ग्राउंड के आगे तक सीसी रोड निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया गया। सड़क निर्माण कार्य में गुणवत्ता, समतलता एवं समयबद्ध प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित एजेंसी को दिए गए। अंत में सब्जी मंडी क्षेत्र का निरीक्षण कर स्वच्छता व्यवस्था, यातायात नियंत्रण एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया गया। कर्मचारियों को नियमित साफ-सफाई बनाए रखने तथा अव्यवस्थाओं को तत्काल दूर करने के निर्देश प्रदान किए गए। मुख्य नगर पालिका अधिकारी आशा जितेंद्र भंडारी ने स्पष्ट किया कि नगर के विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा सभी परियोजनाओं को समयबद्ध रूप से पूर्ण कर नागरिकों को अधिकतम लाभ पहुंचाया जाएगा।

जिले में राजस्व न्यायालयीन प्रकरणों के निराकरण में उल्लेखनीय प्रगति

डिंडौरी (स्वतंत्र मत) राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण हेतु जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे सतत प्रयासों के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। प्राप्त प्रगति प्रतिवेदन के अनुसार डिण्डोरी जिले में नामांतरण, सीमांकन एवं बटवारा प्रकरणों के निराकरण में उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की गई है। नामांतरण (अ-6) प्रकरणों में जिले में कुल 12,127 प्रकरण दर्ज हुए, जिनमें से 11,194 प्रकरणों का सफलतापूर्वक निराकरण किया जा चुका है। इस प्रकार 92.31 प्रतिशत निराकरण दर के साथ डिण्डोरी जिला राज्य स्तर पर प्रथम स्थान पर रहा है। सीमांकन (अ-12) प्रकरणों में कुल 4,982 प्रकरण दर्ज किए गए, जिनमें से 4,876 प्रकरणों का निराकरण कर 97.87 प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त की गई है। इसी प्रकार बटवारा (अ-27) प्रकरणों में कुल 2,572 प्रकरण दर्ज हुए, जिनमें से 2,308 प्रकरणों का निराकरण किया गया है, जो 89.74 प्रतिशत निराकरण दर को दर्शाता है। जिला प्रशासन द्वारा राजस्व न्यायालयीन प्रकरणों की नियमित समीक्षा की जा रही है तथा लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन का उद्देश्य आम नागरिकों को राजस्व संबंधी मामलों में त्वरित न्याय एवं पारदर्शी सेवा उपलब्ध कराना है।

ग्राम स्वराज अभियान अंतर्गत महिला जनप्रतिनिधियों का एक दिवसीय सम्मेलन आयोजित

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

कलेक्ट्रेट ऑडिटोरियम डिण्डौरी में आज राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान अंतर्गत महिला जनप्रतिनिधियों का एक दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर के निर्देशन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरी के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी पंकज जैन, महात्मा गांधी राज्य ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज संस्थान से संकाय सदस्य पंकज जैन, राज्य सलाहकार नवीन शिवा, प्रदान संस्था भोपाल की सुश्री अश्विनी देशमुख, राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के जिला कार्यक्रम प्रबंधक ईश्वर प्रसाद साहू तथा उपस्थित महिला जनप्रतिनिधियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। तत्पश्चात जिला कार्यक्रम प्रबंधक द्वारा अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी का स्वागत किया गया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने ग्राम पंचायत से लेकर जनपद एवं जिला स्तर तक महिला जनप्रतिनिधियों की बढ़ती सहभागिता एवं नेतृत्व की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से ग्रामीण विकास को नई दिशा मिल रही है। कार्यक्रम में प्रदान संस्था के मास्टर ट्रेनर द्वारा महिला सरपंच, उपसरपंच एवं पंचों के साथ सामूहिक संवाद किया गया। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य महिलाओं की सहभागिता एवं नेतृत्व क्षमता को सुदृढ़ करना तथा उनकी कार्यकुशलता में वृद्धि करना था। महिला जनप्रतिनिधियों ने अपने-अपने पंचायतों में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के अनुभव साझा किए तथा अन्य प्रतिभागियों को प्रेरित किया। मास्टर ट्रेनर्स द्वारा प्रश्नोत्तर, व्याख्यान एवं खेल आधारित गतिविधियों के माध्यम से महिलाओं की जानकारी एवं क्षमता वर्धन का प्रयास किया गया। साथ ही प्रभावी नेतृत्व, योजना निर्माण, वित्तीय प्रबंधन एवं पारदर्शिता संबंधी महत्वपूर्ण बिंदुओं पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया। कार्यक्रम में जिले के समस्त जनपदों से 350 से अधिक महिला जनप्रतिनिधियों ने सहभागिता की। इस अवसर पर जिला समन्वयक राकेश ठाकुर, ब्लॉक समन्वयक मनोज भांगरे, सीता देवी, गीतांजलि परते, प्रभुदयाल आर्मो, कृष्णा आर्मो सहित ग्राम स्वराज ऑपरेटर ज्योति पड़वार, ममता नेटी, भारती श्याम, अनीता यादव, सरिता अहिरवार, नीलेश यादव, नितेश भारद्वाज एवं देवेंद्र झरिया उपस्थित रहे।

ईको फ्रेंडली बैग्स को बढ़ावा देने एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर लिया हिस्सा

जयसिंहनगर (स्वतंत्रमत)

पंडित अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय महाविद्यालय जयसिंहनगर में पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन भोपाल के निर्देशानुसार एवं प्राचार्य डॉ. धर्मेंद्र कुमार द्विवेदी के निर्देशन में ईको क्लब के द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला मेकिंग ऑफ ईको फ्रेंडली बैग्स का आयोजन किया गया। जिसमें 70 से अधिक विद्यार्थियों ने सहभागिता की। सभी विद्यार्थियों को जूट से निर्मित किट प्रदान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा विद्या दायिनी मां सरस्वती के पूजन से किया गया। रागिनी गुप्ता एवं डॉ अर्चना जायसवाल ने विद्यार्थियों को ईको फ्रेंडली बैग, पेपर बैग एवं लिफाफा बनाना सिखाया। सभी विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सभी सामान बनाना सीखा और पेपर बैग्स भी बनाए।

पर्यावरण संरक्षण का लें संकल्प - प्राचार्य -प्राचार्य डॉ. धर्मेंद्र कुमार द्विवेदी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण को सुरक्षित रखने का संकल्प लें तथा अपने भविष्य में आने वाले संकट से बचने के लिए प्लास्टिक मुक्त रहने की सलाह दी। उन्होंने विद्यार्थियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक रहने तथा प्रकृति को बचाने का आव्हान किया। ईको क्लब प्रभारी प्रोफेसर उत्तम सिंह ने विद्यार्थियों को पर्यावरण को स्वच्छ रखने तथा दैनिक जीवन में काम आने वाली चीजों को पुनः कैसे उपयोग किया जा सकता है उसकी महत्ता बतायी। विद्यार्थियों को पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए जागरूक किया व अपने जीवन में सिंगल यूज़ प्लास्टिक के उपयोग को कम की सलाह दी।

प्लास्टिक व पालीथिन के स्थान पर उनके विकल्पों का करें उपयोग - प्रो. उत्तम सिंह -प्रोफेसर उत्तम सिंह ने छात्र-छात्राओं को ईको फ्रेंडली बैग्स निर्माण का उद्देश्य बताया जिसमें उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना एवं प्लास्टिक के हानिकारक प्रभावों के बारे में जानकारी देना है। इस कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थी जागरूक बनें और दैनिक जीवन में प्लास्टिक व पॉलिथीन के स्थान पर पर्यावरण हितैषी जीवन शैली अपनाएं। यह कार्यशाला रचनात्मकता और कौशल विकास को बढ़ावा देती है तथा युवाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करती है।

छात्र-छात्राओं को किया गया प्रोत्साहित - कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों द्वारा ईको क्लब की गतिविधियों में हुए कार्यक्रम में पोस्टर निर्माण एवं निबंध लेखन, पर्यावरण जागरूकता संबंधी मॉडल निर्माण प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र, ट्रॉफी एवं डायरी देकर पुरस्कृत किया गया साथ ही सभी प्रतिभागियों को भी प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। ईको क्लब की तरफ से सभी अतिथियों को जूट के थैले वितरित किए गए। अंत में सभी विद्यार्थियों को पर्यावरण जागरूकता हेतु मिशन लाइफ शपथ दिलवाई गई। कार्यक्रम का संचालन ईको क्लब प्रभारी प्रोफेसर उत्तम सिंह ने किया। कार्यक्रम में डॉ प्रमिला वास्केल, डॉ लवकुश दीपेंद्र, प्रो. गजेंद्र परते, शुभांगी गुप्ता, डॉक्टर यदुवीर प्रसाद मिश्रा, आदित्य शुक्ला, क्रीड़ा अधिकारी दिलीप शुक्ला, डॉ मुनौवर अली , डॉ. तबस्सुम शेख, डॉक्टर प्रीति रजक, राजेंद्र साकेत, एवं समस्त महाविद्यालय स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम में आभार भगवत राज

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं उदित नारायण नायक, पिता आर. एस. नायक, आयु 32 वर्ष, निवासी राहुल बाग, माई घाट, कटनी, मध्यप्रदेश का निवासी हूँ। यह सूचित किया जाता है कि मेरे जन्म प्रमाणपत्र, कक्षा 10वीं, कक्षा 12वीं एवं इंजीनियरिंग डिग्री में मेरा नाम उदित नारायण अंकित है, जबकि मेरे पैन कार्ड, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस एवं सर्विस बुक में मेरा नाम उदित नारायण नायक दर्ज है।मैं यह स्पष्ट रूप से घोषित करता हूँ कि उदित नारायण एवं उदित नारायण नायक दोनों नाम मेरे ही हैं तथा दोनों नामों से मेरी पहचान एक ही व्यक्ति के रूप में की जाए।

यह घोषणा मैंने अपने पूर्ण होश-हवास में, बिना किसी दबाव के सत्य एवं सही रूप में की है।

पीएम श्री विद्यालयों की प्रगति के विषय पर संयुक्त सचिव ने ली बैठक

विद्यार्थियों के विकास से लेकर साफ-सफाई पर रखा विशेष फोकस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जिले के समस्त पीएम श्री विद्यालयों की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने की। इस अवसर पर भारत सरकार की संयुक्त सचिव अमरप्रीत सिंह दुग्गल उपस्थित रहीं। बैठक के दौरान कलेक्टर राघवेंद्र सिंह द्वारा जिले में संचालित पीएम श्री विद्यालयों की प्रगति की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि जिले के कुल 27 विद्यालय पीएम श्री योजना में चयनित हैं, जिनमें 7 केंद्रीय विद्यालय, 1 नवोदय विद्यालय तथा राज्य शासन के 19 विद्यालय शामिल हैं।कलेक्टर द्वारा योजना के प्रमुख घटकों जैसे जादू नहीं विज्ञान, आकर्षक विद्यालय प्रवेश द्वार, बैगलेस डे, गणित एवं विज्ञान सर्किल, टीएलएम नवाचार, यूथ क्लब एवं इको क्लब आदि गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की गई तथा इनके प्रभावी क्रियान्वयन पर बल दिया गया।

जादू नहीं पिटारा किट का करें इस्तेमाल

बैठक को संबोधित करते हुए संयुक्त सचिव अमरप्रीत सिंह दुग्गल ने कहा कि पीएम श्री विद्यालय योजना केंद्र सरकार की एक महत्वपूर्ण एवं महत्वाकांक्षी पहल है, जिसकी मॉनिटरिंग प्रधानमंत्री द्वारा समय-समय पर की जाती है। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित अधिकारी एवं प्राचार्य इस राष्ट्रीय शिक्षा परिवर्तन अभियान का हिस्सा हैं। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी विद्यालयों में नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए तथा शौचालय, विशेषकर बालिका शौचालय, स्वच्छ एवं क्रियाशील अवस्था में रहें। इको क्लबों को मिशन से जोड़ते हुए आवश्यक जानकारी निर्धारित प्रारूप में प्रदर्शित की जाए। केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा प्राप्त राशि का उपयोग निर्धारित मदों में पारदर्शिता के साथ किया जाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि नर्सरी कक्षाओं हेतु जादू नहीं पिटारा किट एनसीईआरटी से प्राप्त कर उसका प्रभावी उपयोग किया जाए। विद्यालयों में मेंटल हेल्थ काउंसलर एवं करियर काउंसलर की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक गेहलोत, दिल्ली से शिक्षा विभाग की कंसल्टेंट रेनू रुहिल, जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी, उपायुक्त केंद्रीय विद्यालय संगठन दिगराज मीणा, डीपीसी योगेश शर्मा आदि उपस्थित रहे।

दो विद्यालयों का निरीक्षण

संयुक्त सचिव अमरप्रीत सिंह दुग्गल द्वारा जिले के पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, बरगी नगर तथा पीएम शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सालीवाड़ा का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान संचालित गतिविधियों का अवलोकन किया गया तथा पाई गई कमियों को शीघ्र दूर करने के निर्देश दिए गए।

सफाई व्यवस्था देखने तड़के ही फील्ड पर पहुंच गए निगमायुक्त

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

शहर की स्वच्छता और विकास कार्यों को गति देने के उद्देश्य से नगर निगम आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार बुधवार को सुबह तड़के ही रांझी संभाग के विभिन्न वार्डों में निरीक्षण किया। उन्होंने गोकुलपुर तालाब, साकेत नगर, शोभापुर और उदय नगर जैसे क्षेत्रों का सघन दौरा कर सफाई व्यवस्था और चल रहे विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान आयुक्त श्री अहिरवार ने सफाई मित्रों की उपस्थिति जांची और नालियों की सफाई व कचरा कलेक्शन के कार्य को बारीकी से देखा। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सार्वजनिक स्थानों और रिहायशी इलाकों में गंदगी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गोकुलपुर तालाब के आसपास की स्वच्छता को लेकर उन्होंने अधिकारियों को विशेष कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। सफाई के साथ-साथ आयुक्त ने क्षेत्र में हो रहे अधोसंरचना विकास कार्यों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने उदय नगर और साकेत नगर में निर्माणाधीन सड़कों और जल निकासी व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित गुणवत्ता मानकों के साथ समय सीमा में पूरे हों। क्षेत्र की प्रकाश व्यवस्था और पार्कों के रखरखाव पर तत्काल ध्यान दिया जाए।

विधानसभा में उठाया फायर सेफ्टी एक्ट लाने का मुद्दा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र विधानसभा के बजट सत्र के दौरान बुधवार को जबलपुर उत्तर मध्य विधानसभा के विधायक डॉ अभिलाष पाण्डेय ने लगातार बढ़ रही आगजनी की घटनाओं को लेकर ध्यानाकर्षण के माध्यम से फायर सेफ्टी एक्ट लाने और उसे व्यवस्थित रूप से लागू करने के लिए प्रश्न उठाया। डॉ पाण्डेय के द्वारा पूर्व में भी मध्य प्रदेश में फायर सेफ्टी एक्ट लागू किए जाने के संबंध में पूर्व में भी चार बार विधानसभा प्रश्नों के माध्यम से शासन का ध्यान इस और आकर्षित कराया जा चुका है।

विधायक डॉ अभिलाष पाण्डेय ने जबलपुर उत्तर मध्य विधानसभा का उदाहरण देते हुए बताया कि उत्तर मध्य विधानसभा में बड़ा फुहारा, कमानिया, लार्डगंज, गंजीपुरा, गढ़ाफटक, सराफा, मिलौनीगंज जैसे घने बसाहट वाले क्षेत्र हैं जहां फायर ब्रिगेड तो दूर की बात सामान्य रूप से कार भी जाना बड़ी मुश्किल हो जाता है, और विगत दिवस बहुत घटनाएं हुई हैं जहां हमने कोशिश की है कि लोगों को प्रशासन की ओर से हरसंभव सहायता मिले परंतु ये नाकाफी साबित होते हैं। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने डॉ अभिलाष पाण्डेय के प्रश्नों पर जवाब देते हुए बताया कि इस विषय पर 3 महीने पहले विभाग की बैठक की थी जिसमें तय किया गया था कि जिसमें नगर निगम के 74 वें संविधान संशोधन में नगर निगम को अधिकार दिए गए हैं एवं हमने तय किया है कि आने वाले समय में हम होम अफेयर मिनिस्ट्री के द्वारा जो मॉडल फायर सेफ्टी एक्ट आया है हम उसके ही मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश का भी फायर सेफ्टी एक्ट बना रहे हैं और आने वाले 2 से 3 महीने में हम फायर सेफ्टी एक्ट बनाकर प्रस्तुत कर देंगे।

शासकीय विज्ञान महाविद्यालय में साहित्यिक प्रतियोगिता का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

शासकीय विज्ञान महाविद्यालय जबलपुर में हिंदी विभाग में मनीषा साहित्य परिषद् के अन्तर्गत साहित्यिक प्रतियोगिता - तात्कालिक भाषण का आयोजन बुधवार को महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ सुनीता शर्मा के संरक्षण एवं हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ मनोज कुमार विश्वकर्मा के मार्गदर्शन में किया गया। इस प्रतियोगिता में पर्ची के माध्यम से विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों जैसे स्वामी विवेकानंद का जीवन दर्शन, भारत में जल प्रदूषण के मुख्य कारण ,सफल राजनीतिक भारतीय ज्ञान परंपरा ,पर्यावरण को सुरक्षित कैसे रखा जाए आदि विषयों में विद्यार्थियों ने तात्कालिक भाषण प्रस्तुत किए । इस प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में बॉटनी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ अर्चना वाजपेई और अंग्रेजी विभाग की प्राध्यापक डॉ राजश्री कपूर उपस्थित रहे । डॉ अर्चना बाजपेई ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को उनकी प्रतिभा और उनके तात्कालिक भाषण की सराहना की। डॉ राजश्री कपूर ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत किए गए विभिन्न विषयों को बहुत ही विस्तार से अवगत कराया। इस कार्यक्रम के संयोजक और हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ मनोज कुमार विश्वकर्मा ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए तात्कालिक भाषण की प्रस्तुति के संबंध में विस्तार से बतलाया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान भागीरथ वैष्णव, द्वितीय स्थान लेशना कटरे और तृतीय स्थान आश्रय मोदी ने प्राप्त किया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ प्रीति पांडे द्वारा एवं आभार प्रदर्शन डॉ रुक्मणी अहिरवार द्वारा किया गया । इस कार्यक्रम में अजय कुमार रजक और आकांक्षा चौरसिया का सेंयि सहयोग प्राप्त हुआ।

जबलपुर कॉरपोरेशन टीम ने जीता वॉलीबॉल टूर्नामेंट

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। सिहोरा ग्राम देवरी कन्हाई में 3 दिवसीय सिहोरा विधायक संतोष बरकड़े कप बॉलीबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया जिसमें ढीमरखेड़ा रामपुर कटनी सहित 16 टीमों ने भाग लिया जिसका फाइनल मैच मुकाबला जबलपुर डिंडोरी के बीच खेला गया जिसमें जबलपुर कॉरपोरेशन की टीम ने पांच सैटों के मुकाबले में तीन एक से मैच जीत कर टीम विजेता बनी पुरस्कार वितरण समारोह के प्रमुख अतिथि पूर्व जनपद पंचायत अध्यक्ष ढीमरखेड़ा प्रकाश सिंह पंडा बाबा खेल प्रकोष्ठ के जबलपुर जिला अध्यक्ष राजेश सोनी सरपंच रामकृष्ण पटेल सुशील पाल ने विजेता टीम को 21 हजार नगद एवं ट्रॉफी तथा उप विजेता टीम डिंडोरी को 11 हजार नगद एवं कप ट्रॉफी अतिथियों ने भेंट किया। टूर्नामेंट का मैन ऑफ द मैच अभिराज सिंह एवं टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी कॉरपोरेशन जबलपुर के राकेश को घोषित किया गया। आयोजक समिति में ग्राम देवरी कन्हाई के अध्यक्ष शिवम तिवारी, उपाध्यक्ष कमलेश तिवारी, अमित तिवारी, प्रकाश पटेल, सुभाष पटेल आदि उपस्थित रहे।

रोज़ा अफतार में पेश की भाईचारे की मिसाल

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। खितौला बाजार में पवित्र रमज़ान माह के अवसर पर अहले सुन्नत कमेटी द्वारा 50वां आम रोज़ा अफ्तार कार्यक्रम आयोजित किया गया। बड़ी संख्या में रोज़दारों ने शिरकत कर आपसी भाईचारे, मोहब्बत और एकता का संदेश दिया। मग़रिब की अज़ान के साथ खजूर और पानी से रोज़ा खोला गया, इसके बाद सामूहिक नमाज़ अदा कर देश की तरक्की, प्रदेश की खुशहाली और अमन-चैन के लिए दुआ मांगी गई। आयोजन स्थल पर साफ-सफाई, रोशनी और बैठने की बेहतर व्यवस्था की गई थी।

खजूर, फल, शरबत व अन्य खाद्य सामग्री की पर्याप्त व्यवस्था रही। इस्लामी मां-बहनों के लिए अलग से परदे और नमाज़ की विशेष व्यवस्था की गई, जिसकी सराहना हुई। कार्यक्रम में हाजी अलीमुद्दीन मंसूरी, इक़बाल खान, सैयद लियाकत अली, अनवर खान, रहमान मंसूरी, इमरान मंसूरी, कौशर, रज़ा बासित मंसूरी, सोहेल अंसारी, दानिश अंसारी, राशिद अंसारी सहित कई नागरिक मौजूद रहे। बच्चों और युवाओं में भी उत्साह दिखा।

बीच शहर जमी थी जुए की फड़

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। लार्डगंज थाना प्रभारी नवल सिंह आर्य ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि राईट टाउन में बने एक खंडहर मकान के पास स्ट्रीट लाइट के नीचे कुछ जुआड़ी ताश पत्तों पर रूपयों की हार जीत का दांव लगाकर जुआ मन्ना खेल रहे हैं। सूचना पर मुखबिर के बताये स्थान पर दबिश दी गई जहां जुआड़ीयान ताश पत्तों पर रूपयों की हार जीत का दांव लगाकर जुआ मन्ना खेलते दिखे जिन्हें घेराबंदी कर पकड़ा गया। आरोपियों ने अपने नाम सौरभ कोरी उम्र 32 वर्ष निवासी खेरमाई मंदिर के पास गुप्ता नगर गढ़ा, मनीष रंगारे उम्र 36 वर्ष निवासी धनवंतरी नगर परसवाड़ा कालोनी गढ़ा, सज्जू बेन उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम बिनेकी पाटन रोड़ भेड़ाघाट, ब्रजेश वंशकार उम्र 32 वर्ष निवासी स्टेट बैंक गढ़ा, सचिन जैन उम्र 31 वर्ष निवासी गुप्तानगर मेडिकल गढ़ा, शुभम साहू उम्र 32 वर्ष निवासी गढ़ा फाटक लार्डगंज, धर्मेन्द्र कोरी उम्र 27 वर्ष निवासी पावर हाउस के आगे मेडिकल गढ़ा, मधुर जैन उम्र 33 वर्ष निवासी विजयनगर कंचन विहार, राहुल जैन उम्र 33 वर्ष,करण साहू उम्र 34 वर्ष निवासी बजरंग नगर गढ़ा, रोहित कोरी उम्र 38 वर्ष निवासी शास्त्रीनगर कालोनी तिलवारा, पंकज जैन उम्र 43 वर्ष निवासी खोवा मंडी जैन मंदिर के पास कोतवाली, अभिषेक जैन उम्र 34 वर्ष विजयनगर घड़ी चौक के पास मथुरा बिहार कालोनी विजयनगर, आकाश सोनी उम्र 32 वर्ष निवासी साउथ सिविल लाइन बताया।

केंद्र के समान दिया जाए महंगाई भत्ता

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश मंत्री अजय विश्वकर्मा के नेतृत्व में मप्र राज्य कर्मचारी संघ द्वारा बुधवार को अनेक मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। प्रदर्शन में केन्द्र के समान महंगाई भत्ता प्रदान करने, संविदा कर्मचारियों को नियमित करने, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग में नेत्र सहायक का पदनाम आप्थैमिक आफिसर करने, कर्मचारियों को कैशलैस स्वास्थ्य बीमा का शीघ्र प्रारंभ करने सहित कुल 32 मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। इस दौरान संघ के रजनीश विश्वकर्मा, आलोक अग्निहोत्री, बृजेश मिश्रा, वीरेंद्र तिवारी, राजू मस्के, सुशील गर्ग, अंकित चौरसिया आदि उपस्थित रहे।

नवीन सराफ बने सराफा एसोसिएशन के कार्यकारी अध्यक्ष

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

सराफा एसोसिएशन में हुई कार्यकारिणी की बैठक में सर्वसम्मति से नवीन सराफ को सराफा एसोसिएशन का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। बतां दें कि स्वास्थ्य कारणों के चलते सराफा एसोसिएशन के वर्तमान अध्यक्ष अजय सराफ बख्तावर द्वाराअध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया गया था। जिसके बाद बुधवार, 25 फरवरी कार्यकारिणी की बैठक में उपाध्यक्ष रहे नवीन सराफ बंटी को सर्व सम्मति से कार्यकारी अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। उनकी इस नियुक्ति पर अनेक लोगों ने बधाइयां प्रेषित की है।

यथा स्थान पर रोटर सुधारकर इंजीनियरों ने पेश की तकनीकी दक्षता की मिसाल

संजय गांधी ताप विद्युत गृह के क्रेक टरबाइन के लो-प्रेशर रोटर ग्रुव्स में आई थी गंभीर दरारें

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

विशेषज्ञ एजेंसियों की सलाह अनुसार मप्र पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड की जिस यूनिट को वार्षिक रखरखाव के दौरान रोटर में क्रेक टरबाइन के लो-प्रेशर रोटर ग्रुव्स में गंभीर दरार होने और नए रोटर लगाने के लिए लगभग 48 माह लगते, उसी यूनिट को पावर जनरेटिंग कंपनी के इंजीनियरों ने इन-हाउस मरम्मत करके 100 दिन तक लगातार संचालित कर दिया। यहां जिस यूनिट का जिक्र किया जा रहा है वह संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर की 500 मेगावाट क्षमता यूनिट नंबर 5 है। इस यूनिट ने गत दिवस लगातार 100 दिन संचालित होने का रिकार्ड बनाया। यदि यह यूनिट विशेषज्ञ एजेंसियो की सलाह के आधार नए रोटर लगने तक लगभग चार वर्ष के लिए बंद रहती तो विद्युत उत्पादन का नुकसान होता। इसके अतिरिक्त नए रोटर की खरीद पर अतिरिक्त व्यय भी कंपनी को वहन करना पड़ता। यह स्थिति न केवल आर्थिक दृष्टि से चुनौतीपूर्ण थी, बल्कि राज्य की ऊर्जा आपूर्ति पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती थी।

पुनः विद्युत उत्पादन के लिए बनाया सक्षम

विशेषज्ञ एजेंसियों ने कहा रोटर को बदलना ही एकमात्र विकल्प-संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर की 500 मेगावाट क्षमता की यूनिट नंबर 5 को गत वर्ष 10 जुलाई को केपिटल ओवरहालिंग के लिए बंद किया गया था। रखरखाव के दौरान जानकारी मिली कि टरबाइन के लो-प्रेशर रोटर ग्रुव्स में गंभीर दरारें हैं। विस्तृत तकनीकी परीक्षण एवं मूल्यांकन के उपरांत एजेंसियो के विशेषज्ञों ने रोटर को भविष्य की सेवा के लिए अनुपयुक्त बताते हुए नया रोटर लगाने की अनुशंसा की। । मप्र पावर जनरेटिंग कंपनी ने खराब एलपी रोटर को इन-हाउस मरम्मत करने का साहसिक निर्णय लिया रोटर की मरम्मत करके यूनिट को पुनः विद्युत उत्पादन करने के लिए सक्षम बना दिया।

मुश्किल भरा था लक्ष्य

देश में पहली बार किसी टरबाइन रोटर की यथा स्थान पर इस तरह की मरम्मत की गई। इस जटिल व मुश्किल मरम्मत का सफल होना और उसके पश्चात् 100 दिनों से यूनिट का एक सा संचालन इस कामयाबी को खास और शानदार बनाता है। उल्लेखनीय है कि यूनिट ने इसके बाद लगभग 1592 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन करते हुए लगभग 97.97 प्रतिशत प्लांट लोड फेक्टर (पीएलएफ), 98 प्रतिशत प्लांट अवेलेबिलिटी फेक्टर (पीएएफ) और 5.48 प्रतिशत ऑक्जलरी खपत का मापदंड अर्जित किया। राष्ट्रीय पटल पर कंपनी मनवा रही अपना लोहा-मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक ने प्रबंध संचालक मनजीत सिंह ने कहा कंपनी के अभियंता न सिर्फ विद्युत गृहों के सुचारु संचालन से राष्ट्रीय पटल पर कंपनी का नाम रोशन कर रहे हैं, बल्कि अपने तकनीकी कौशल और काबिलियत से विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान सुदृढ़ कर रहे है।

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर

लोककर्म विभाग

-: निविदा आमंत्रण सूचना :-

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणली में पंजीकृत ठेकेदार/मान्यता प्राप्त फर्म से निम्नलिखित कार्यों के लिए ऑलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है।

क्रं.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का विवरण	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1.	2026_UAD_481650_1 PRO-915 दिनांक 25/02/2026	नगर पालिक निगम जबलपुर संभाग 10 रांझी में मेंटनेंस सुधार कार्य हेतु एवं सी.एम. हेल्प लाईन के निराकरण हेतु आवश्यक मेंटनेंस कार्य किये जाने के लिए निविदा आमंत्रण पत्र।	12 माह 846003	2,000/- 8460	12/03/2026

नोटः- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाईड https://mptenders.gov.in पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर (म.प्र.)

लोककर्म विभाग

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणली में पंजीकृत ठेकेदारों/मान्यता प्राप्त फार्म से निम्नलिखित कार्यों के लिए ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है।

क्रं.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
	2025_UAD_ 396854_1 Pro 917 दिनांक 25/2/2026	लाला लाजपतराय वार्ड-70 अंतर्गत मानेगांव तालाब के सामने सामुदायिक भवन की आवश्यक मरम्मत एवं पुताई का कार्य।	02 माह 4.24 लाख	2000/- 4240/-	13/3/2026
	2025_UAD_ 396854_2 Pro 917 दिनांक 25/2/2026	लाला लाजपत वार्ड क्र. 70 के अंतर्गत विभिन्न स्थलों पर सी.सी. सड़क निर्माण।	02 माह 5.09 लाख	2000/- 5090/-	13/3/2026
1.	2025_UAD_ 396854_3 Pro 917 दिनांक 25/2/2026	महर्षि सुदर्शन वार्ड क्र. 64 के अंतर्गत अमर नगर पुरानी बस्ती तलैया में नाले का निर्माण कार्य। (अध्यक्ष अनुशंसा) तृतीय निविदा	02 माह 24.71 लाख	2000/- 18533/-	13/3/2026

नोटः- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाईड https://www.mptenders.gov.in पर किया जावेगा. पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा ।

कार्यपालन यंत्री
नगर निगम, जबलपुर

शिक्षक और अधीक्षिका को बचाने में लगा पूरा ट्राईबल विभाग...!

आदिवासी छात्राओं के भविष्य से हो रहा खिलवाड़..!

उमरिया (स्वतंत्रमत)

मानपुर स्थित माता शबरी कन्या शिक्षा परिसर मे अदिवासी छात्राओ के भविष्य खिलवाड़ किया जा रहा है और शिक्षा के मंदिर को राजनीति का अखाड़ा बना दिया। आखिर एक माध्यमिक शिक्षक एक संस्था और शासन से बड़ा कैसे हो सकता हैं.? आदिवासी छात्राओ को मोहरा बनाकर स्तेमाल किया जा रहा है और इन दिनों बोर्ड की परीक्षाएं चल रही हैं लेकिन इससे किसी को कोई सरोकार नहीं है.! 19 फरवरी को स्वतंत्र मत द्वारा कन्या परिसर की अव्यवस्था को उजागर किया था जिसे लेकर एक माध्यमिक शिक्षक ने 20 फरवरी को बोर्ड परीक्षाओं के बीच ही सभी छात्राओ को कन्या परिसर से बाहर सड़क पर बैठा कर रोड ही जाम करवा दिया लेकिन एक सप्ताह बाद भी अब तक ये नही पता चला कि छात्राओ को बिना परमिशन के सब कैसे सड़क पर आई.! तब से लेकर आज तक शिक्षक और अधीक्षिका द्वारा कुछ स्थानीय यूट्यूब खबरों पर इंटरव्यू दे रही हैं और सत्य को असत्य करने पर तुली हुई है और छात्राओ को क्या बोलना है ये भी स्क्रिप्ट दी गई है, लेकिन सत्य तो सत्य ही होता हैं और उसे ज्यादा देर तक छिपाया नहीं जा सकता।

जाँच रिपोर्ट रुकी

20 फरवरी को छात्राओ के सड़क पर उतरने के वीडियो जब सोशल मीडिया में आई तब प्रशासन ने एक टीम मानपुर भेजी गई थी जिसपर जाँच टीम पर ही सवाल उठ गए थे क्योंकि टीम जिम्मेदार को ही क्लीन चिट देने में इतनी उतावली दिखी और ऐसा लगा कि एकतरफा कार्यवाही का जैसे मन बनाकर ही आई थी आखिर ये किसके इशारे पर हो रहा था अभी भी सवालों में बना हुआ था लेकिन सोशल मीडिया में जब इस सत्य को उजागर किया गया तो जांच रिपोर्ट रोक दी गई है.!

कठघरे में विभाग

मानपुर कन्या परिसर में प्राचार्य की अनुपस्थिति में बिना किसी आदेश के एक जूनियर माध्यमिक शिक्षक को प्राचार्य बना दिया गया था और सभी कागजो में प्राचार्य बनकर हस्ताक्षर करना और सभी निर्णय लेना एवं उसी शिक्षक को मानपुर से 15 किलोमीटर दूर बिजौरी के छात्रावास का अधीक्षक बनाना और बिना प्राचार्य के अनुमोदन के साक्षी को कन्या परिसर का अधीक्षिका बनाना जैसे निर्णय आखिर किसके कहने पर किया गया वही जाँच टीम में वर्ग -2 के शिक्षक को शामिल कर प्राचार्य की जाँच करना जैसे कई मामले है जो विभाग को कटघरे में ला रहे हैं..!

अधीक्षिका का छात्रावास से रात में अनाज चोरी का मामला

एक वीडियो में देखा जा सकता है कि रात में 9 से 10 के बीच कन्या परिसर के छात्रावास में जहाँ सैकड़ों की तादात में आदिवासी छात्राये रहती हैं उसमें 2 व्यक्ति छात्रावास के अंदर नियम विरुद्ध जाते हैं और 10 मिनट बाद एक भारी बोरी दोने ले कर बाहर आते हैं और बाइक में रखकर ले जाते हुए दिखाई देते हैं। लेकिन अब उसको को नकारा जा रहा है और रात में गेहू पिसवाने जैसे बहाने बनाये जा रहे हैं जो किसी को हजम नही हो रहा है आखिर मानपुर में ऐसी कौन सी चक्की है जो रात में खुली रहती है और शाम 5 के बाद जब छात्रावास में पुरूष का जाना प्रतिबंधित है तो 2 पुरूष कैसे अंदर गए अगर कोई अनहोनी होती तो इसका जिम्मेदार कौन होता लेकिन जोर जोर से इसको नकारा जा रहा है लेकिन सत्य को नकारा नहीं जा सकता है।

वही हॉस्टल में छात्राओ द्वारा मोबाइल रखने जैसे भी मामले सामने आए हैं जिसे प्रमाणित के लिए वहाँ लगे सीसीटीवी के फुटेज को कब्जे में लेकर जाँच की जा सकती हैं लेकिन शिक्षक और अधीक्षिका द्वारा छात्राओ के पढ़ाई से ध्यान हटाकर उनका कवच की तरह उपयोग किया जा रहा है क्या कहना है और क्या करना उसकी ट्रेनिंग दिन रात दी जा रही हैं उनके भविष्य से जैसे कोई सरोकार ही नहीं है। एक शिक्षक के अहम ने कन्या परिसर को महाभारत में तब्दील कर उसके संजय जैसे दूरदृष्टि से जो होना है उसकी स्क्रिप्ट लिख दी हैं..!

कन्या शिक्षा परिसर का मुख्य उद्देश्य

कन्या शिक्षा परिसर आदिवासी छात्राओं को सशक्त बनाने, शिक्षा प्रदान करने और उनके शारीरिक, मानसिक व सामाजिक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण आवासीय योजना है। इन परिसरों (जैसे सीहोर में सूर्या फाउंडेशन द्वारा संचालित) में 6वीं से 12वीं तक की छात्राएं, जो दूरदराज के इलाकों से आती हैं, उनके लिए रहने, पौष्टिक भोजन, और शिक्षा की विशेष व्यवस्था होती है। यह उनके लिए एक समावेशी और सुरक्षित शैक्षिक वातावरण सुनिश्चित करते हैं। अनुसूचित जनजाति की छात्राओं को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाना है, ताकि वे उच्च पेशेवर शिक्षा और सरकारी निजी क्षेत्र की नौकरियों का लाभ उठा सकें। परिसरों में छात्राओं को शिक्षा के साथ-साथ नि:शुल्क आवास, भोजन, स्वास्थ्य की सुविधा, और समग्र विकास के लिए पाठ्येतर गतिविधियां (जैसे योग, खेल) प्रदान की जाती हैं। ये केंद्र बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराइयों से लड़ने और उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करते हैं। कक्षा 6 से 12वीं तक विशेष ध्यान दिया जाता है, जो उनके शारीरिक, मानसिक, और सांस्कृतिक आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।

आदर्श कालेज में मानसिक स्वास्थ्य, ड्राइविंग लाइसेंस एवं विधिक साक्षरता पर हुई कार्यशालाएं

उमरिया (स्वतंत्रमत)। मध्य प्रदेश शासन के उच्चशिक्षा विभाग के अनुसार माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के परिपालन में शासकीय आदर्श महाविद्यालय उमरिया में विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण के संबंध में छात्र-छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने एवं आत्महत्याओं को रोकने के लिए और विधिक साक्षरता संबंधी कार्यशाला का आयोजन व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ एवं एन.एस.एस. इकाई द्वारा संयुक्त रूप से 24 फरवरी 2026 को किया गया। जहां महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सी.बी. सोदिया ने जीवन जीने के लिए अच्छी बातों को आत्मसात करने पर बल दिया तो वहीं जिला न्यायालय के न्यायधीश सरफराज खान ने कानूनों की सामान्य जानकारी रखते हुए साइबर क्राइम से बचने का आव्हान किया। कार्यक्रम संयोजक डॉ नियाज अहमद अंसारी ने मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम 2017 के महत्वपूर्ण प्रावधानों एवं प्रसन्नचित जीवन शैली को पीपीटी के माध्यम से अपनी बात कही। इसके साथ ही आरटीओ द्वारा आनलाइन ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने की जानकारी प्रदान की गई।राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी रेम सिंह हटीला द्वारा सभी महानुभावों का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में श्रीमती निशी कर्ण, डा. सतेन्द्र महोबिया, डा. जुगुल किशोर सहित सभी कक्षाओं के छात्र-छात्राओं की सक्रिय सहभागिता रही। डॉ. हरेन्द्र कुमार ने तकनीकी सहयोग प्रदान किया।

नवांकुर संस्था सील फाउंडेशन की सेक्टर बैठक संपन्न

उमरिया (स्वतंत्रमत) - मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड करकेली जिला उमरिया के जिला समन्वयक आदरणीय रवींद्र शुक्ल जी के निर्देशन में नवांकुर संस्था सील फाउंडेशन सेक्टर करकेली द्वारा प्रस्फुटन समिति, परामर्शदाता व सीएमसीएलडीपी छात्र छात्राओं के साथ सेक्टर बैठक का आयोजन करकेली में किया गया। बैठक में सील फाउंडेशन अध्यक्ष दीपक नामदेव द्वारा उपस्थित जनों को शासन द्वारा संचालित योजनाओं को जन जन तक पहुंचने व शासन की विभिन्न योजनाओं के साथ पात्र हितग्राहियों को जोड़ने व लाभांवित करने हेतु आवश्यक चर्चा की गई। साथ ही उपस्थित प्रस्फुटन समिति के कार्यों व दस्तावेजों की समीक्षा की गई, साथ ही आगामी कार्ययोजना व गतिविधियों के आयोजन हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में परामर्शदाता श्रीमती सुनीता सिंह, प्रस्फुटन समिति प्रमुख रवि सिंह, जगनू सिंह, शनि सिंह, खुशबू सिंह, सीएमसीएलडीपी छात्र छात्रा अनिलेश नामदेव, स्वेता कांत, ऊषा सिंह सहित अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे।

ताला जोन में टाइगर शो

एक साथ दिखे 6 बाघ, पर्यटकों की धड़कनें तेज

उमरिया (स्वतंत्रमत)।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के ताला जोन में ऐसा दृश्य दिखा, जिसे देखने वाले पर्यटक शायद ही कभी भूल पाएं। बधैनी पटपर इलाके में एक साथ 6 बाघ नजर आए और जंगल सफारी कर रहे लोगों में उत्साह की लहर दौड़ गई। जैसे ही जिप्सियों के सामने पगडंडी मार्ग पर हलचल हुई, कैमरे तैयार हो गए और कुछ ही क्षणों में अद्भुत नजारा सामने था। जानकारी के अनुसार, सिद्ध बाबा फिमेल अपने तीन शावकों के साथ दिखाई दी। शावक अब काफी फुर्तीले हो चुके हैं और मां के साथ आत्मविश्वास से जंगल की राह पार करते दिखे। दूसरी ओर चक्रधरा फिमेल के दो सब एडल्ट मेल शावक भी उसी क्षेत्र में नजर आए। एक ही फ्रेम में छह बाघों की मौजूदगी ने पर्यटकों को रोमांच से भर दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पहले झाड़ियों में हलचल दिखी, फिर एक-एक कर बाघ पगडंडी पार करते गए। गाइड और ड्राइवरों ने तुरंत वाहनों को रोका ताकि जानवरों को कोई बाधा न हो। कुछ मिनटों तक पूरा जंगल जैसे ठहर सा गया था। केवल कैमरों की क्लिक और धीमी फुसफुसाहट सुनाई दे रही थी। इस दुर्लभ दृश्य का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वन्यजीव प्रेमी इसे ताला जोन के बेहतरीन पलों में से एक बता रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि एक साथ इतने बाघों का दिखना क्षेत्र में स्वस्थ आबादी और अनुकूल आवास का संकेत है। पर्यटन सीजन के बीच इस तरह की साइटिंग ने ताला जोन की लोकप्रियता को और बढ़ा दिया है। हालांकि प्रबंधन की ओर से लगातार यह अपील की जाती है कि पर्यटक नियमों का पालन करें, शांति बनाए रखें और वन्यजीवों की प्राकृतिक गतिविधियों में हस्तक्षेप न करें।

संदेश नाट्य मंच पूरे सालभर नाट्य मंचन और नाट्य समारोह का करेगा आयोजन : पंकज दुबे

उमरिया (स्वतंत्रमत)।

सन्देश नाट्य मंच को फर्श से अर्श तक पहुंचाने वाले एनएसडी नई दिल्ली से पास आउट नाट्य कलाकार पंकज दुबे उमरिया पहुचे है और एक पत्रकार वार्ता को सम्बोधित किया।हाल ही में उन्होंने होम बाउंड जैसी फ़िल्म जो आस्कर तक पहुंची है उसमे काम कर चुके है। उनकी एकमात्र पंजीकृत एवं सक्रिय नाट्य संस्था, संदेश नाट्य मंच 1मार्च 2026 को अपने 30 वे वर्ष मे प्रवेश कर रही है जिसके बाद यह संस्था नगर में पूरे वर्ष नाट्य मंचन एवं नाट्य समारोहों का आयोजन करेगी । रंगकर्मी पंकज दुबे ने बताया कि यह नगर के रंग प्रेमियों एवं नवोदित कलाकारों के लिए बहुत ही हर्ष का विषय है। विदित हो कि संदेश नाट्य मंच (रंग मंडल) पिछले 30 वर्षों से लगातार सक्रिय है और संस्था ने नगर में एक बहुत बड़ा दर्शक वर्ग तैयार किया है जो हमेशा नाटकों का इंतजार करते हैं। उन्होंने बताया कि उमरिया नगर की आबोहवा में ही कुछ ऐसी खास बात है कि यहां कला, कलाकार और कलाप्रेमी हमेशा से रहे हैं। यहां ऐतिहासिक रामलीला और नौटंकी का बहुत लंबा इतिहास है। यहां पर रंगकर्म लंबे समय तक इस नगर में सक्रिय रही । पूरे विच्य में आधुनिक रंगमंच के जन्मदाता का श्रेय भी उमरिया रंगमंच को ही जाता है। इसी कड़ी में 1 मार्च 1997 को नगर के सक्रिय रंग प्रेमियों ने संदेश नाट्य मंच की स्थापना की यह संस्था ने लगातार अपना काम करते हुए रंगमंच के कई आयाम स्थापित किये। यह बहुत गर्व की बात है कि पूरे एशिया के एकमात्र ड्रामा स्कूल राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (नई दिल्ली) में उमरिया नगर से तीन कलाकारों को प्रवेश मिला, वहीं स्व. श्री आशीष स्वामी जिन्होंने शांति निकेतन से चित्रकला में प्रसिद्धि पाई यह इस नगर के लिए बहुत बड़े हर्ष एवं गर्व का विषय है। इसी मंच के एक कलाकार पंकज दुबे जोकि राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय नई दिल्लीसे स्नातक हैं और वहां के रंग मंडल में भी बतौर अभिनेता काम किया और अपने नगर से कभी अलग नही हुए। उन्होंने यहां पर संदेश नाट्य मंच की स्थापना की जो लगातार आज भी अपना रंगकर्म बदस्तूर जारी किए हुए है। पंकज दुबे वर्तमान में मुंबई में शिप्ट हैं और फिल्मी दुनिया में सक्रिय हैं। साथ ही वह रंगमंच से जुड़े हुए है और लगातार रंगमंच को सक्रियता प्रदान कर रहे है।

श्री दुबे ने कहा कि वह जीवन पर्यंत उमरिया नगर के रंगमंच को ऊंचा उठाने के लिए संदेश नाट्य मंच ने उमरिया नगर में तीन बड़े नाट्य समारोहों का आयोजन किया। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (नई दिल्ली) की तीन बडी नाट्य कार्यशालाओं का आयोजन किया जिसमें एक प्रदेश स्तर की थी।यहां के क्षेत्रीय कलाकारों के अलावा लोक कलाकारों को लेकर उन्होंने कई बड़े नाटकों का मंचन किया ।भोपाल के ही ट्राइबल म्यूजियम और भारत भवन में अपने नाटकों का मंचन किया।उमरिया नगर में कई बड़े-बड़े नाटकों जैसे अंधा युग, महाभोज, पंचलाइट, कफन,अच्छे आदमी, खबसूरत बहु, बंद गली का आखिरी मकान, टैक्स फ्री. पैसों का पेड़, सुदामा के चावल, मैकबेथ आधे आधे कहानियों का मंचन सहित कई नाटकों का मंचन किया। साथ ही बाल नाट्य कार्यशालाओं और बाल नाटकों का समारोह किया। आने वाले इस 1 मार्च 2026 को संदेश नाट्य मंच (रंग मंडल) अपने 30 में वर्ष में प्रवेश कर रहा है। यह अपने आप में बहुत बड़ी खुशखबरी है और इस उपलक्ष्य में संदेश नाट्य मंच (रंग मंडल) पूरे वर्ष अलग-अलग नाटकों के मंचन स्वयं के नाटकों के अलावा बाहर की टीमों के नाटकों का मंचन और कई नाट्य समारोहों का आयोजन भी करेगा।

सादेश नाट्य मंच इस बात के लिए प्रतिबद्ध है कि वह शहर के नवोदित कलाकारों और लोक कलाकारों को अपने संस्था में प्रवेश देकर उन्हें एक व्यावसायिक रंगकर्मी और कलाकार के रूप में अभिनेता और अभिनेत्री के रूप में तैयार करना चाहता है जिसके लिए संस्था प्रयासरत है। संदेश नाट्य मंच नगर के प्रबुद्ध जनों कला प्रेमियों का स्वागत करता है। संदेश नाट्य मंच ने नगर के वरिष्ठ कलाकारों का मंच पर हमेशा सम्मान किया है जिन्होंने रामलीला,नौटंकी और नाटकों में काम किया और हम जैसे रंग कर्मियों के लिए मार्ग प्रशस्त किया है।

नीट की तैयारी कर बिहार लौट रहे युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। हैदराबाद में नीट की तैयारी कर होली पर्व को लेकर वह हैदराबाद से घर बिहार जाने के लिए ट्रेन में बैठा युवक की ट्रेन के चपेट में आने से हो गई। यह हादसा गोंदिया से जबलपुर रेलवे लाइन पर स्थित समनापुर से 4 किलोमीटर की बताई जा रही हैं।संभवत है यह घटना 24 फरवरी को सुबह गोंदिया से जबलपुर की ओर जाने वाली ट्रेन से होने की संभावना की गई है। ग्रामीण पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रेन की चपेट में आने से युवक की क्षत-विक्षत लाश बरामद की। मृतक युवक का नाम आदित्य पिता हरिवंश राय यादव 24 वर्ष रजासन जिला वैशाली बिहार राज्य निवासी बताया गया है। शव बरामद कर जिला अस्पताल में फ्रीजर में रखा गया था, जिसके परिजन 25 फ़रवरी को बालाघाट

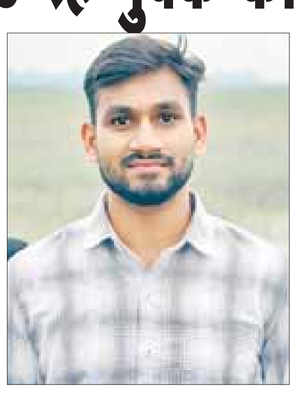

जिला अस्पताल पहुंचे और उनकी मौजूदगी में प्रातः 10 बजे क़रीब शव का पीएम कर शव परिजनों को सौंपा दिया गया।परिजनों ने बताया कि युवक आदित्य राय अपनी बहन हैदराबाद में रहकर नीट की तैयारी कर रहा था और होली पर्व की छुट्टी पर वह घर जाने के बोला तो 23 फरवरी को ट्रेन की टिकट कटाकर उसे चिल्लापलली रेलवे स्टेशन में ट्रेन में बिठा दिया और उसके बाद कॉल से बात हुई फिर कहा कि खाना खाने के बाद सोने वाला हूं। उसके बाद कॉल पर बात नहीं हुई। वहीं बालाघाट से पुलिस वालों ने कॉल कर जानकारी दी, उसके बाद यहां पहुंचे हैं।

संभावना व्यक्त की गई है कि 24 फरवरी को सुबह 4 बजे बालाघाट से होकर गुजरने वाली इतवारी रीवा एक्सप्रेस से यह घटना होने की संभावना है।

परसवाड़ा में दिव्यांग बच्चों के लिए उपकरण वितरण शिविर संपन्न

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। जिले के जनपद शिक्षा केंद्र परसवाड़ा में 25 फरवरी को दिव्यांग बच्चों के लिए उपकरण वितरण शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराकर उनके शैक्षणिक एवं दैनिक जीवन को सुगम बनाना रहा।इस शिविर में एलिमको जबलपुर की टीम द्वारा चिन्हांकित 60 बच्चों में से 52 दिव्यांग बच्चों को कुल 69 सहायक उपकरण वितरित किए गए। वितरित किए गए उपकरणों में हियरिंग एड, व्हीलचेयर, ट्राई साइकिल, सीपी चेयर, रोलेटर, सुगम्य केन, टीएलएम किट, ब्रेल किट एवं कैलिपर जैसे महत्वपूर्ण उपकरण शामिल रहे।

इन उपकरणों से बच्चों की गतिशीलता, श्रवण क्षमता और शैक्षणिक सहभागिता में सुधार होगा।शिविर में एपीसी आईईडी श्रीष थानथरटिं, एलिमको जबलपुर की टीम, बीआरसी अरुण कुमार बिठले, कार्यवाहक बीएसी रोहित कुमार काच्छी, जनशिक्षक सर्व एमआरसी महेन्द्र घुले, श्रीमती माधुरी सहारे, अवतार बिसेन एवं दिनेश राणा सहित अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सभी के सहयोग और समर्पण से यह शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

मजदूरों की मांगों को लेकर जन आक्रोश रैली : कलेक्ट्रेट में सौंपा ज्ञापन, दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। मजदूर वर्ग के विभिन्न संगठनों की वर्षो से कई मांगे लंबित है।जो अब तक पूरी नही हो पायी है।बार बार आवेदन, निवेदन, ज्ञापन ,धरना प्रदर्शन और आंदोलन के बावजूद भी उनकी प्रमुख मांगे पूरी ना होने से मजदूरों वर्ग के सभी संगठन केंद्र व राज्य सरकार से खासा नाराज हैं। जिसपर अपना एतराज जताते हुए, मजदूरों के विभिन्न संगठनों ने बुधवार 25 फरवरी को सामुहिक रूप से एक दिवसीय काम बंद हड़ताल की।जहा सभी संगठनों के द्वारा भारतीय मजदूर संघ के राष्ट्रीय आह्वान पर नगर के बस स्टैंड में एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी आंदोलन के तहत धरना प्रदर्शन किया गया।इस दौरान मजदूरों के विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने जहा अपने उद्बोधन में कार्य क्षेत्र के दौरान मजदूरों को होने वाली विभिन्न परेशानियों को बतलाया।तो वही अपनी विभिन्न मांगों को लेकर किए गए अब तक के प्रयास, और उसपर मिले आश्वासनो से अवगत कराया।जहा उन्होंने सरकार पर वादाखिलाफी और श्रमिको मजदूरों की सुनवाई ना करने,उनकी मांगों की उपेक्षा किए जाने का आरोप लगाते हुए,अपनी विभिन्न मांगों को लेकर जमकर नारेबाजी की।वही

नगर में एक आक्रोश रैली निकालकर कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौपा है।जिसमे उन्होंने उनकी विभिन्न मांगों को यथाशीघ्र पूरी किए जाने की गुहार लगाई है।जहां मांगे जल्द जल्द से पूरी ना होने पर भारतीय मजदूर संघ के बैनर तले राष्ट्रव्यापी उग्र आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है।भारतीय मजदूर संघ के आव्हान पर श्रमिक मजदूरों के विभिन्न संगठनों द्वारा किए गए इस एक दिवसीय कार्य बंद आंदोलन और धरना प्रदर्शन के बाद, बस स्टैंड से श्रमिकों एवं कर्मचारियों ने नगर में एक आक्रोश रैली निकाली यह रैली नगर के बस स्टैंड से रानी आवन्ति बाई चौक, वहां से काली पुतली चौक होते हुए, पीजी कालेज के सामने से होते हुए आंबेडकर चौक, वहां से एलआईसी कार्यलय के सामने से डॉ विश्वेश्वरैया चौक, और वहां से सीधे कलेक्टर कार्यलय पहुची।इस आक्रोश रैली के दौरान मजदूर श्रमिको के विभिन्न संगठनों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर जमकर नारेबाजी की तो वही अब तक मांगे पूरी ना होने पर अपना आक्रोश जताया। उधर रैली के माध्यम से ज्ञापन देने के लिए कलेक्टर कार्यालय पहुचने पर उन्हें कलेक्ट्रेट का मुख्य द्वार बंद मिला।जिसपर नाराजगी जताते हुए भारतीय मजदूर संघ के बैनर तले कलेक्ट्रेट गेट के समीप पुन: सांकेतिक धरना प्रदर्शन कर जमकर नारेबाजी की।जिसके उपरांत संगठन द्वारा प्रधानमंत्री, केंद्रीय श्रम मंत्री व मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया।इस दौरान भारतीय मजदूर संघ से जुड़े श्रमिको व मजदूरों के विभिन्न संगठनो के पदाधिकारियों सदस्यों व जिले के सरकारी एवं निजी विभागों में कार्यरत कर्मचारी और श्रमिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

ईपीएफओ अंशदान के लिए वेतन सीमा में वृद्धि की जाने, ईएसआईसी अंशदान की वेतन सीमा बढ़ाई जाने, ईपीएस-95 के अंतर्गत पेंशन राशि बढ़ाकर न्यूनतम 7500 रुपये प्रतिमाह किए जाने, पेंशन भोगियों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ देने, खदानों एवं अन्य संस्थानों में कार्यरत ठेका श्रमिकों को नियमित किए जाने,आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका, मिड-डे मील रसोईया, पेशा मोबिलाईजर, अतिथि शिक्षक, नगर पालिका के अनियमित कर्मचारी, आउटसोर्सिंग कर्मचारी एवं सफाई कर्मियों को स्थायी कर उन्हें कामगार का दर्जा देने, लोडिंग अनलोडिंग, के दाम बड़ाने, जो मजदूर बांस टाल, कवेलु कारखानों, पेट्रोल पंप, अनाज मंडी, वेयरहाउस और धान खरीदी केंद्रों में कार्यरत हैं उन्हें सामाजिक सुरक्षा के दायरे में शामिल करने,चालक एवं परिचालकों का श्रमिक पंजीयन, दुर्घटना एवं जीवन बीमा, पेंशन, वृद्धावस्था सहायता तथा स्वास्थ्य बीमा जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ देने सहित अन्य मांगों को धरना व ज्ञापन के माध्यम से पूरा करने की गुहार लगाई है।

कोयतुर पुलिस व फौजी भाई मिलन एवं सांस्कृतिक महोत्सव का हुआ आयोजन

उमड़ा जनसैलाब, शौर्य और संस्कृति का दिखा अद्भुत संगम

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

जिला मुख्यालय से लगी ग्राम आमानाला में आयोजित कोयतुर पुलिस व फौजी भाई मिलन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी मिशन (एसएसएस) शिक्षा, स्वास्थ्य और संस्कृति के प्रति जागरूकता के उद्देश्य से प्रथम सेशन कैरियर गाईडलाईन जिसमें विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा व स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के तैयारी के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रो में मार्गदर्शन तथा दूसरे सेशन में सांस्कृतिक कार्यक्रम व बुद्धीजिवियों के विचार आयोजित किए गए। कोयतूर संस्कृति से संबंधित सैला, करमा,रीना व ददरिया जैसे गीतो में गायन नाचा को प्रतियोगिताओं के तौर पर आयोजित करके समृद्ध कोयतुर संस्कृति को जीवंत बनाये रखने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष फरवरी माह में आयोजित किया जाता है। साथ ही समाज के उच्च सरकारी पदो पर अपनी सेवाएं देते हुए एवं सेवानिवृति के बाद भी सामाजिक सेवा का कार्य करते है ऐसे वरिष्ठजनों को अतिथि के रूप में आमंत्रित करके सामाजिक मार्गदर्शन व कार्य प्रेरणा लेते हैं जिसमें इस वर्ष छत्तीसगढ से मुख्यअतिथि के रूप में भारत सिंह(आईपीएस) ,श्री पुरूषोत्तम गौतम कुंजाम (आईपीएस), फूलसिंह नेताम अपर कलेक्टर (सभी सेवानिवृत) आमंत्रित थे कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत उपनिरीक्षक फत्ते सिंह धुर्वे सीआरपीएफ द्वारा किया गया। इस वर्ष प्रतियोगिता में प्रथम स्थान शैला टीम ग्राम सुड़गाव ब्लाक मोहगांव जिला मंडला, दितीय स्थान ग्राम पंचायत जंगला, बिरसा बालाघाट व तृतीय स्थान पर राजा शंकरशाह, रघुनाथशाह महाविद्यालय मेंहदवानी जिला डिंडौरी रहा। विजेता टीमों व प्रतियोगिता में शामिल सभी टीमों को प्रोत्साहन राशि व स्मृतिचिंह से सम्मानित किया गया व इस कार्यक्रम को ग्रुप के सभी सदस्यों का प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष सहयोग से सफलता पूर्वक सम्पन्न किया गया। पुलिस एवं फौजी भाईयो द्वारा इस प्रकार के आयोजन को लेकर क्षेत्रवासियों एवं दूर दराज के जिले व राज्यों के द्वारा काफी सराहा जा रहा है। क्षेत्रीय कोयतुर फौजी भाईयों द्वारा विगत 12 वर्षो से आयोजित किए जा रहे इस कार्यक्रम में सामाजिक समरसता देशभक्ति और आदिवासी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का सशक्त संदेश देते आया है। कार्यक्रम की शुरुआत माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ की गई। मंच पर उपस्थित अतिथियों का पारंपरिक आदिवासी वेशभूषा और महूआ से आत्मीय स्वागत किया गया इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य पुलिस और सेना में सेवाएं दे रहे। कोयतुर समाज के जवानों का सम्मान करना और युवाओं को राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करना था। मंच से वक्ताओं ने कहा कि सीमाओं पर तैनात सैनिकों और आंतरिक सुरक्षा में लगे पुलिसकर्मियों का त्याग समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है। पुलिस और सेना से सेवानिवृत्त अधिकारियों और पुलिस विभाग के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए युवाओं को अनुशासन परिश्रम और राष्ट्रभक्ति के मार्ग पर चलने का संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि शिक्षा और संस्कार ही समाज को मजबूत बनाते हैं। कार्यक्रम की सबसे बड़ी आकर्षण रही आदिवासी संस्कृति पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां। मंडला जिले के विभिन्न गांवों से आए कलाकार दलों ने पारंपरिक सेला, रीना, करमा और ददरिया गीतों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किए। रंग-बिरंगी वेशभूषा, ढोल-मांदर की थाप और समूह नृत्य की ताल ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विशेष रूप से बाल कलाकारों की प्रस्तुति ने खूब सराहना बटोरी। मंच के सामने बैठे दर्शक देर तक तालियां बजाते रहे। कार्यक्रम के अंतर्गत सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया जिसमें जिले के विभिन्न गांवों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

निर्णायक मंडल ने प्रदर्शन की गुणवत्ता तालमेल और सांस्कृतिक प्रस्तुति के आधार पर विजेताओं का चयन किया। प्रथम स्थान प्राप्त दल को 10,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि, द्वितीय स्थान को 6,000 रुपये तथा तृतीय स्थान को 5,000 रुपये की राशि प्रदान की गई। इसके अलावा अन्य प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया विजेताओं को मंच पर सम्मानित करते समय दर्शकों ने खड़े होकर उनका उत्साहवर्धन किया। आयोजकों ने स्पष्ट किया कि यह कार्यक्रम पूर्णत: गैर-राजनीतिक है और इसका उद्देश्य केवल सामाजिक समरसता शिक्षा और सांस्कृतिक संरक्षण को बढ़ावा देना है। हम नहीं करेंगे तो कौन करेगा के उद्घोष के साथ समाज के युवाओं को अपनी जड़ों से जुड़ने का आह्वान किया गया। वक्ताओं ने कहा कि आधुनिकता की दौड़ में कहीं न कहीं हमारी पारंपरिक संस्कृति पीछे छूटती जा रही है ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी विरासत से जोड़ने का माध्यम बनते हैं कोयतुर समाज की गौरवशाली परंपराओं और वीरता की गाथाओं को संरक्षित रखना हम सबकी जिम्मेदारी है।

कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षाविदों और समाजसेवियों ने युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, सेना और पुलिस भर्ती में भागीदारी तथा उच्च शिक्षा की ओर अग्रसर होने के लिए प्रेरित किया उन्होंने कहा कि लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर प्रयास करने से ही सफलता मिलती है कई वक्ताओं ने अपने जीवन संघर्ष की कहानी सुनाई जिससे युवाओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ मंच से यह संदेश दिया गया कि गांवों में रहकर भी बड़े सपने देखे जा सकते हैं और उन्हें साकार किया जा सकता है।

सांस्कृतिक संध्या पर नाट्य मंचन आयोजित

मण्डला (स्वतंत्रमत)।

सामुदायिक रेलवे भवन स्थित उमंग हॉल बांसुरी वादक चौक मे कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत इष्टदेव भगवान झूलेलाल के तैल्यचित्र पर दीप प्रज्वलन के साथ हुई जिसमें नगर के गणमान्य अतिथियों ने सहभागिता की कार्यक्रम में कृष्णा पंजवानी नगर पालिका अध्यक्ष, राजेश वाधवानी निदेशक सिंधी साहित्य अकादमी भोपाल, रोचीराम गुरवानी भारतीय सिंधु सभा भोपाल के वरिष्ठ पदाधिकारी, सरोज बंसतानानी प्रदेश भारतीय सिंधु सभा भोपाल महिला मोर्चा उपाध्यक्ष, चन्द्रकुमार नागपाल मुखी सिंधी पंचायत नैनपुर, अशोक नानकानी बिछिया, सुरेश मूलचंदानी, ओमकार गेमनानी पत्रकार परिषद अध्यक्ष नीरज अग्रवाल, रोहित बघेल, किशोर रजक सहित पूज्य सिंधी पंचायत बम्हनी बंजर एवं विभिन्न नगरों से पधारे अतिथि एवं स्थानीय पंचायत पदाधिकारी नागरिकों एवं मातृशक्ति की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण भोपाल से आए कलाकारों द्वारा स्वर्गीय सदाहया कृष्णा खटवानी की स्मृति में प्रस्तुत दो नाटकों का मंचन रहा ये दोनों नाटक निचोड़ो और पंहिजा परावा स्वयं कृष्णा खटवानी द्वारा लिखित थे तथा इन्हें राष्ट्रीय सिंधी साहित्य अकादमी द्वारा पुरस्कृत किया जा चुका है नाटकों का सशक्त निर्देशन प्रसिद्ध रंगकर्मी गुलराज पहिलयाजानी द्वारा किया गया जिन्होंने अपनी निर्देशन क्षमता से कथानक को जीवंत बना दिया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता हर्षा मूलचंदानी ने नाट्य लेखक स्व. कृष्णा खटवानी के जीवन परिचय पर प्रकाश डाला। उन्होंने उनके साहित्यिक योगदान, संघर्षपूर्ण जीवन और समाज के प्रति समर्पण को अत्यंत प्रेरणादायक शब्दों में प्रस्तुत किया नाट्य मंचन के दौरान उनके जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं को दर्शाया गया। विशेष बात यह रही कि प्रस्तुति के बीच-बीच में दर्शकों से प्रश्नोत्तर भी किया गया जिससे कार्यक्रम अधिक संवादात्मक और रोचक बन गया सही उत्तर देने वाले दर्शकों को संस्था द्वारा पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक संध्या साहित्य संस्कृति और सामुदायिक एकता का सुंदर संगम बनकर यादगार रही यह आयोजन न केवल स्व. कृष्णा खटवानी को भावभीनी श्रृद्धांजलि दी गई।

छात्राओं ने किया राज्य स्तरीय शैक्षणिक भ्रमण

मण्डला/मोहगांव (स्वतंत्रमत)।

विकासखण्ड मोहगांव में समग्र शिक्षा अभियान अंतर्गत हाईस्कूल हायर सेकेण्डरी स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थीयों के लिए राज्य उच्च शिक्षा से जुड़ी शैक्षणिक संस्थाओं में स्टडी ट्रिप जिला प्रशासन के निर्देशन एवं जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मुन्नी वरकडे, सहा संचाल एल एस मसराम, जिला नोडल अधिकारी मुकेश पाण्डे, विकासखण्ड मोहगांव नोडल प्राचार्य सुश्री नंदनी यादव, संकुल प्राचार्य दीपक कछवाहा, धीरज चौधरी, एसपी अग्रवाल एवं मैटर अखिलेश उपाध्याय के संयोजन में संपन्न हुआ।

विकासखण्ड मोहगांव से 200 छात्र छात्राओं को स्टेट इंस्टीट्यूट होटल मेनेजमेंट जबलपुर, डुमना एयरपोर्ट एवं डुमना नेचर पार्क जबलपुर का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया भ्रमण में छात्र-छात्राओं के लिए सुबह शाम का नाश्ता एवं भोजन की उचित व्यवस्था उपलब्ध करायी गई समस्त छात्र छात्रा को भ्रमण कार्यक्रम के माध्यम से करियर निर्माण हेतु उचित मार्गदर्शन प्रदान किये गये भ्रमण उपरांत समस्त विद्यार्थीयों से फीडबैंक प्राप्त किये गये जिले के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और उन्हें आधुनिक करियर विकल्पों से अवगत कराने के उद्देश्य से यह एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया भ्रमण का मुख्य केंद्र स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट जबलपुर रहा। यहां विद्यार्थियों ने होटल उद्योग में करियरकी संभावनाओं को समझा संस्थान के विशेषज्ञों ने छात्रों को हाउस कीपिंग, फूड प्रोडक्शन और फ्रंट ऑफिस मैनेजमेंट जैसे तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी।

संगठन जिलाध्यक्षों ने परामर्शदात्री बैठक का किया बहिष्कार

मण्डला (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर के निर्देश के कई सालों बाद जनजातीय कार्य विभाग मंडला में विभागीय परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में लगभग 12 संगठनों के जिलाध्यक्ष शामिल हुए लेकिन सहायक आयुक्त के अनुपस्थित रहने के कारण सभी संगठनों के जिलाध्यक्षों ने परामर्शदात्री समिति बैठक का बहिष्कार कर दिया। कर्मचारी अधिकारी संयुक्त मोर्चा के जिलाध्यक्ष के डी दुबे ने बैठक में उपस्थित सहायक आयुक्त कार्यालय के मंडल संयोजक विष्णु सिंगौर से आपत्ति दर्ज कराते हुए कहा कि बैठक के आदेश शनिवार को जारी हुए और सोमवार को बैठक रख दी गई जो बिल्कुल उचित नहीं है और इस बैठक में विभाग प्रमुख की अनुपस्थिति के कारण बैठक का कोई औचित्य नहीं है। बैठक में अपाक्स जिलाध्यक्ष संजीव सोनी ने आपत्ति दर्ज कराते हुए कहा कि सहायक आयुक्त कार्यालय से जारी परामर्शदात्री समिति की बैठक के आदेश में अपाक्स, अजाक्स, सपाक्स, वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स एसोसिएशन संघ जैसे मान्यता प्राप्त संगठनों का नाम नहीं था। अजाक्स जिलाध्यक्ष द्वारा सहायक आयुक्त को अवगत कराने के बाद अजाक्स और सपाक्स का नाम जोड़ा गया लेकिन फिर से उस संसोधित आदेश में अपाक्स का नाम शामिल नहीं किया गया। जिसके बाद पुन: आपत्ति उठाने के बाद अलग से जिलाध्यक्ष अपाक्स के नाम से पत्र जारी किया गया यह छोटी सी घटना पूरे कार्यालय की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा करती हैं। अपाक्स जिलाध्यक्ष ने विभाग पर शिक्षकों की समस्याओं को जानबूझकर लंबित रखने और इस परामर्शदात्री समिति की आयोजित बैठक को सिर्फ औपचारिकता पूरी करने की बात कही वरिष्ठ पेंशनर्स एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष बीके राय ने कहा कि बैठक में सहायक आयुक्त जो बैठक की अध्यक्षता कर रही हैं उनके बिना विभागीय परामर्शदात्री समिति की बैठक का कोई महत्व नहीं है इसलिए इस बैठक को आगामी दिनों में पुन: आयोजित किया जाए। यदि सहायक आयुक्त को किसी आवश्यक कार्य से बाहर जाना था तो बैठक को निरस्त करने की सूचना जारी करना चाहिए था। बैठक में संगठनों ने कोई ज्ञापन और मांग पत्र नहीं सौंपा और बैठक का बहिष्कार करते हुए कार्यालय के बाहर निकल गए बैठक में मप्र शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष विवेक शुक्ला, असीम गौतम, ट्राईबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन जिलाध्यक्ष दिलीप मरावी, मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ जिलाध्यक्ष सुभाष चंद्र चतुर्वेदी, सचिव संजीव कुशराम, बलवंत कुमार चौधरी, मध्य प्रदेश तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ जिला अध्यक्ष सतीश मिश्रा, संगठन मंत्री योगेश चौरसिया, मप्र शिक्षक संघ जिला सचिव रेवा शंकर पांडे, सेवानिवृत्ति प्रधानाध्यापक टीकाराम श्रीवास, अजाक्स महासचिव राजेंद्र कुमार परते, शिक्षक कांग्रेस कोषाध्यक्ष अनिल कुमार वर्मा, अपाक्स महासचिव अमर सिंह चंदेल, लोकसिंह पदम, शिक्षक कांग्रेस सचिव श्याम कुमार नागरे, लघु वेतन कर्मचारी संघ जिलाध्यक्ष मिश्रीलाल यादव, राजेश गौतम, कर्मचारी अधिकारी संयुक्त मोर्चा जिला अध्यक्ष केडी दुबे, अजाक्स जिला अध्यक्ष गजराज सिंह मरावी, वरिष्ठ पेंशनर्स एसोसिएशन जिलाध्यक्ष बीके राय, आयुष विभाग से जिलाध्यक्ष राधेलाल नरेती, अपाक्स जिलाध्यक्ष संजीव सोनी, मप्र लिपिक वर्गीय संघ जिलाध्यक्ष सतीश चंद्रौल, कोषाध्यक्ष राजेश कुमार खरे सहित अन्य संगठनों के पदाधिकारी शामिल हुए।

संस्कार को मिला सीईओ का दायित्व

मण्डला/नारायणगंज(स्वतंत्रमत)।

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी द्वारा प्रशासनिक कार्यों को सुचारू रूप से संपादित कराने के उद्देश्य से पूर्व में जारी आदेश में आंशिक संशोधन करते हुए अधिकारियों के कार्य विभाजन संबंधी संशोधित आदेश जारी किया गया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा जारी आदेश के अनुसार संयुक्त कलेक्टर हुनेन्द्र कुमार घोरमारे को कार्यपालिक दण्डाधिकारी की शक्तियों के साथ विभिन्न महत्वपूर्ण शाखाओं का प्रभार सौंपा गया है। इनमें पत्र एवं लेखन सामग्री शाखा, अभिलेख, जनसुनवाई, आवक शाखा, कार्यालय अधीक्षक, जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति, जनशिकायत एवं सतर्कता शाखा, मुख्यमंत्री मॉनिटरिंग, मानव अधिकार आयोग से संबंधित कार्य, राजस्व लेखा, रीडर शाखा कलेक्टर न्यायालय सहित अन्य प्रशासनिक दायित्व शामिल हैं डिप्टी कलेक्टर एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व घुघरी सचिन जैन को अपने क्षेत्र में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने, विभिन्न अधिनियमों के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के रूप में कार्य करने, निर्वाचन संबंधी कार्यों के निष्पादन, भू-अर्जन अधिकारी, राजमार्ग अधिनियम, लोक न्यायालय अधिनियम, वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण अधिनियम सहित अन्य वैधानिक दायित्व सौंपे गए हैं।

साथ ही उपखंड स्तर पर विभागीय समन्वय एवं पर्यवेक्षण की जिम्मेदारी भी दी गई है डिप्टी कलेक्टर संस्कार बावरिया को कार्यपालिक दण्डाधिकारी की शक्तियों के साथ मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत नारायणगंज का दायित्व सौंपा गया है। इसके अतिरिक्त लिंक ऑफिसर समन्वय अधिकारी भी निर्धारित किए गए हैं, ताकि किसी अधिकारी के अवकाश या प्रवास की स्थिति में कार्य प्रभावित न हो और आवश्यक प्रकरण समय पर निस्तारित किए जा सकें।

आज शिविर लगाया जायेगा

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत 26 फरवरी को मंडला जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत पटपरा रैयत, जनपद पंचायत नैनपुर के ग्राम पंचायत हीरापुर, घुघरी जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत भैंसवाही एवं निवास जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत पिपरिया में शिविर लगाया जायेगा।

नवांकुर संस्था की ग्राम स्तरीय बैठक

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद नवांकुर संस्था मैकल वैली एजुकेशनल सोसाइटी घुघरी के द्वारा जिला समंवयक राजेंद्र चौधरी के मार्गदर्शन व ब्लॉक समन्वयक नेमलाल धुर्वे के निर्देशन में घुघरी सेक्टर क्रमांक 01 के ग्राम सैलवारा में ग्राम स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में नवांकुर संस्था से अजय अग्रवाल ने जनअभियान परिषद के अभियानों के क्रियान्वयन और समिति सक्रियकरण किए जाने की बात कही और आगामी गतिविधियों के संचालन से होने वाले लाभ की जानकारी प्रदाय की। इस दौरान ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति सैलवारा के अध्यक्ष दुर्गेश कुमार सचिव दिवेश झारिया सहित 15 अन्य सदस्य और ग्रामवासी उपस्थित रहे।

शैक्षणिक भ्रमण में बालाघाट पहुंचे नैनपुर के 180 विद्यार्थी

सरदार पटेल और मुरझड़ कृषि विश्वविद्यालय का भ्रमण

नैनपुर (स्वतंत्र मत)।

समग्र शिक्षा अभियान अंतर्गत हाई हायर सेकेण्डरी स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। राज्य उच्च. शिक्षा से जुड़ी शैक्षणिक संस्थाओं में स्टडी ट्रिप जिला प्रशासन के निर्देशन एवं जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मुन्नी वरकड़े, सहा संचालक एल एस मसराम,जिला नोडल अधिकारी मुकेश पाण्डे, विकासखण्ड नैनपुर नोडल प्राचार्य दिलीप शरणागत एवं मेंटर अविनाश ठाकुर. संजय सिंगोर के संयोजन में संपन्न हुआ। विकासखण्ड नैनपुर से 200 छात्र/छात्राओं को सरदार पटेल विश्वविद्यालय बालाघाट, कृषि महाविद्यालय मुरझड़ बालाघाट का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। भ्रमण में छात्र/छात्राओं के लिए सुबह शाम का नाश्ता एवं भोजन की उचित व्यवस्था उपलब्ध करायी गई। समस्त छात्र/छात्रा को भ्रमण कार्यक्रम के माध्यम से केरियर निर्माण हेतु उचित मार्गदर्शन प्रदान किये गये। भ्रमण उपरांत समस्त विद्यार्थीयों से फीडबैंक प्राप्त किये गये।मंडला जिले के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और उन्हें आधुनिक केरियर विकल्पों से अवगत कराने के उद्देश्य से यह एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया था। मेंटर्स के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग. फॉर्मेषी,कृषि साइन्स लेब. कम्प्यूटर लेब. कृषि महाविद्यालय के मिट्टी परीक्षण लेब, मशरूम उत्पादन केन्द्र, उन्नत फसल उत्पादन फील्ड.का अवलोकन किया गया।

भ्रमण का मुख्य केंद्र सरदार पटेल यूनिवर्सिटी बालाघाट रहा। यहाँ विद्यार्थियों ने फार्मेसी. इंजिनियरिंग, कंप्यूटर साइंस में केरियर की संभावनाओं को समझा। संस्थान के विशेषज्ञों ने छात्रों को आज की महती आवश्यकता ए. आई. टेक्नोलॉजी.कंप्यूटर साइंस फ्रंट ऑफिस मैनेजमेंट जैसे तकनीकि पहलुओं की जानकारी दी। छात्रों ने जाना कि कैसे इस क्षेत्र में कौशल विकास के माध्यम से देश-विदेश में रोजगार के अवसर प्राप्त किए जा सकते हैं। तत्पश्चात कृषि महाविद्यालय मुरझड पहुंचे। यहाँ उन्होंने कृषि से सम्बंधित विभिन्न फसलों के उत्पादन एवं कृषि को आज की आधुनिक आवश्यकता के अनुरूप व्यावसायिकता से जोड़ कर अपना स्वयं का रोजगार प्राप्त किया जा सकता है की जानकारी से अवगत कराया गया।

कृषि वैज्ञानिको द्वारा मशरूम उत्पादन की बारीकियों को समझाकर किस प्रकार कम लागत मे घर पर ही इसे लाभ का व्यावसायिक रूप दिया जा सकता बताया गया! भ्रमण में शामिल शिक्षकों ने बताया कि इस प्रकार के आयोजनों से विद्यार्थियों के दृष्टिकोण में बदलाव आता है और उन्हें किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव भी मिलता है। छात्रों ने इस शैक्षणिक यात्रा को अत्यंत ज्ञानवर्धक बताया और भविष्य में ऐसे और भी शैक्षणिक भ्रमण की इच्छा जाहिर की । इस आयोजन में शिक्षक हरि शर्मा. नितिन दुबे,श्रीमति हंनवत. लालसिंह भलावी, उमा तिवारी.शुभम ठाकुर, भारती देशमुख, श्रीमति बर्मन, सूरज ठाकुर, राकेश विश्वकर्मा का विशेष सहयोग रहा।

कार्यालय नगर परिषद बम्हनी बंजर जिला मण्डला म.प्र.

क्र./न.प./2026/187 | बम्हनी बंजर दिनांक 24-02-2026

//ऑफर सूचना//

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि नगर परिषद बम्हनी बंजर स्वामित्व का सप्ताहिक बैठकी बाजार शुल्क / पशु पंजीयन शुल्क / अस्थाई दखल शुल्क / कॉजी हाउस शुल्क, ठेका वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिये बंद लिफाफे में आफर ठेके पर दिया जाना है। जिस हेतु दिनांक 24/02/2026 से दिनांक 12/03/2026 तक समय दोपहर 2.00 बजे तक बंद लिफाफे में अमानत राशि सहित जमा कर सकते है। प्राप्त बंद लिफाफे उसी दिन समय 3.00 बजे खोले जायेंगे। ऑफरकर्ता चाहे तो उपस्थित रह सकते हैं, आफर राशि पर जी.एस.टी. 18 प्रतिशत अलग से जमा करना अनिवार्य होगा।

क्रमांक	ठेके का नाम	अमानत राशि	सरकारी राशि	ठेका अवधि	सालवंशी
1	2	3	4	5	6
1	पशु पंजीयन शुल्क	50,000	46,0285	दिनांक 01.04.2026 से 31.03.2027 तक	5,00000
2	सप्ताहिक बैठकी बाजार	50,000	22,37481		5,00000
3	अस्थाई दखल	20,000	54,2980		5,000
4	कॉजी हाउस	2,500	20,490		

टीप- 1. नीलामी संबंधी अन्य विस्तृत विवरण कार्यालय कार्य दिवसो एवं समय पर राजस्व शाखा में देखा जा सकता है, एवं निविदा प्रपत्र राशि रू 300/- जमा कर प्राप्त कर सकते है।

2. नगर परिषद बम्हनी बंजर के किसी भी प्रकार के बकायादार को निविदा प्रपत्र प्रदान नही किया जावेगा।

3. निविदा प्रपत्र बोलीकर्ता को स्वंय प्रपत्र प्राप्त कर जमा करना होगा।

4. ठेका आफर स्वीकृत होने पर ठेकेदार को एक सप्ताह के अन्दर दिनांक 19/03/2026 तक स्वंय के व्यय से अनुबंद कराकर इस कार्यालय में जमा करना अनिवार्य होगा, अनुबंध नही कराने पर ठेकेदार को वसूली का अधिकार नही होगा, एवं ठेका निरस्त कर पुनः दिनांक 20/03/2026 को नीलामी की कार्यवाही की जावेगी।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद बम्हनी बंजर

संपादकीय

ट्रंप के निशाने पर भारत?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दुनियाभर के देशों के साथ व्यापार समझौता करने के लिए टैरिफ को हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रहे थे। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के एक हालिया फैसले ने न केवल ट्रंप की टैरिफ लगाने की शक्ति को कमजोर कर दिया है, बल्कि व्यापारिक समझौतों में उनकी सौदेबाजी की क्षमता को भी कम कर दिया है। लिहाजा ट्रंप इन दिनों गुस्से और तनाव में नजर आ रहे हैं। ट्रंप ने उन देशों को चेतावनी दी है जो देश कोर्ट के फैसले का फायदा उठाकर अमेरिका के साथ खेल खेलेंगे, उन्हें पहले से ज्यादा टैरिफ झेलना पड़ेगा। हालांकि अपने अस्थिर स्वभाव के लिए जाने जाने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति ने किसी देश का नाम नहीं लिया, लेकिन यह टिप्पणी उस समय आई जब एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए वॉशिंगटन की निर्धारित यात्रा टाल दी। ट्रंप का यह निशाना परोक्ष रूप से भारत की ओर हो सकता है, इसके पीछे दो मुख्य कारण हैं। पहला ये कि इस पोस्ट के कुछ ही घंटे पहले भारत ने अपने व्यापार प्रतिनिधिमंडल की वॉशिंगटन यात्रा स्थगित कर दी थी, जिसका उद्देश्य इस महीने की शुरुआत में ट्रंप द्वारा घोषित अंतरिम व्यापार समझौते की शर्तों को अंतिम रूप देना था।

दूसरा कारण ये है 'लूटा' शब्द का इस्तेमाल ट्रंप मुख्य रूप से भारत के खिलाफ करते रहे हैं, जिसे वे दिल्ली द्वारा व्यापारिक शोषण बताते हैं। पिछले हफ्ते सुप्रीम कोर्ट से झटका मिलने के दिन भी ट्रंप ने यही शब्द इस्तेमाल किया था। अपनी सामान्य आक्रामक शैली बरकरार रखते हुए ट्रंप ने कहा था कि भारत के लिए कुछ नहीं बदलेगा, यह संकेत देते हुए कि व्यापार समझौते के तहत तय 18 प्रतिशत टैरिफ लागू रहेगा। भारत टैरिफ देगा और हम टैरिफ नहीं देंगे। प्रधानमंत्री मोदी महान व्यक्ति हैं लेकिन वे हमें लूट रहे थे, इसलिए हमने थोड़ा पलटी मारी। हालांकि, भारत अकेला ऐसा देश नहीं है जिसने अमेरिका के साथ ट्रेड डील से ब्रेक लिया है। यूरोपियन यूनियन ने भी यूएस के साथ अपनी ट्रेड डील को मंजूरी देने पर रोक लगा दी है, जो उसने पिछले जुलाई में की थी। इसी बीच ट्रंप ने तेजी दिखाते हुए आयात पर 10 प्रतिशत का वैश्विक शुल्क घोषित किया। बाद में इसे बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया, लेकिन यह केवल 150 दिनों तक प्रभावी रहेगा। हालांकि, भारत के लिए 15 प्रतिशत टैरिफ निश्चित रूप से 18 प्रतिशत की दर से बेहतर है, जिस पर व्यापार समझौते के तहत सहमति बनी थी। इसे पिछले साल ट्रंप द्वारा लगाए गए 50 प्रतिशत के भारी टैरिफ से घटाया गया था, जो आंशिक रूप से भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद को लेकर लगाया गया था। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद 18 प्रतिशत पारस्परिक टैरिफ का कानूनी आधार कमजोर पड़ गया है। ऐसे में भारत के पास अमेरिका से अधिक अनुकूल शर्तें हासिल करने के लिए अतिरिक्त गुंजाइश है। अंतरिम व्यापार सौदे में एक छोटा सा क्लॉज है जो अब भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। इसके अनुसार, यदि कोई देश सहमत टैरिफ में बदलाव करता है, तो दूसरा देश भी अपनी प्रतिबद्धताओं को संशोधित कर सकता है। इससे भारत को फिर से मोलभाव करने की जगह मिल गई है। इससे भारत को अंतिम समझौते पर हस्ताक्षर से पहले अपनी प्रतिबद्धताओं की समीक्षा करने का अवसर मिल सकता है। इससे बातचीत की प्रक्रिया फिर से खुल सकती है और भारत को अधिक अनुकूल शर्तें हासिल करने का मौका मिल सकता है।

मुफ्त रेवड़ी संस्कृति जीवंत लोकतंत्र के लिये घातक

ललित गर्ग

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

भारतीय लोकतंत्र की विडंबना यह है कि चुनाव आते ही जनसेवा का स्वरूप बदलकर जनलुभावन राजनीति में परिवर्तित हो जाता है। राजनीतिक दलों ने मुफ्त की योजनाओं को चुनावी सफलता का शॉर्टकट बना लिया है। मतदाताओं को तात्कालिक आर्थिक लाभ देकर वोट हासिल करने की प्रवृत्ति लगातार मजबूत हो रही है। आगामी तीन-चार माह में विधानसभा चुनाव होने है, इसी संदर्भ में जब असम, पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हुईं, तब इस संस्कृति का प्रभाव और स्पष्ट दिखाई देने लगा। इसी पृष्ठभूमि में देश की शीर्ष अदालत, सर्वोच्च न्यायालय, ने मुफ्त की योजनाओं के अनियंत्रित विस्तार पर गंभीर टिप्पणी की। यह टिप्पणी केवल कानूनी दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा को लेकर एक चेतावनी है।

लोकतंत्र का मूल उद्देश्य जनकल्याण है। राज्य का दायित्व है कि वह गरीब, वंचित और कमजोर वर्गों को सहारा दे। सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधाएं, न्यूनतम जीवन स्तर की गारंटी-ये सब कल्याणकारी राज्य की पहचान हैं। लेकिन जब जनहित और चुनावी लाभ के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समस्या जन्म लेती है। लक्षित समर्थन और अतिरेक उदारता में अंतर है। एक ओर ऐसी योजनाएं हैं जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती हैं, दूसरी ओर ऐसी घोषणाएं हैं जो केवल मतदाता को तात्कालिक राहत देकर उसे निर्भरता की आदत सिखाती हैं। जब राजस्व घाटे से जूझ रहे राज्य मुफ्त बिजली, मुफ्त यात्रा या नकद वितरण की घोषणाएं करते हैं, तो प्रश्न उठता है कि यह संसाधन कहां से आएंगे और इसकी कीमत कौन चुकाएगा? राजकोषीय अनुशासन किसी भी राज्य की आर्थिक सेहत का आधार है। यदि राज्य अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिए खजाने को खाली करता है, तो दीर्घकालिक विकास प्रभावित होता है। जो धन बुनियादी ढांचे के निर्माण, अस्पतालों के सुदृढ़ीकरण, विद्यालयों की गुणवत्ता सुधार और रोजगार सृजन में लगना चाहिए, वह वोटों की फसल काटने में खर्च हो जाता है। यह प्रवृत्ति केवल आर्थिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि नैतिक दृष्टि से भी चिंताजनक है। लोकतंत्र में मतदाता की स्वतंत्रता सर्वोपरि मानी जाती है। यदि मतदाता को परोक्ष रूप से आर्थिक प्रलोभन देकर प्रभावित किया जाता है, तो यह स्वतंत्र निर्णय की भावना को कमजोर करता है।

सर्वोच्च न्यायालय ने तार्किक प्रश्न उठाया कि राज्य रोजगार सृजन और कौशल विकास पर अधिक ध्यान क्यों नहीं देते? वास्तव में रोजगार ही स्थायी सशक्तीकरण का माध्यम है। जब व्यक्ति अपने श्रम और कौशल से आय अर्जित करता है, तब उसमें आत्मसम्मान और आत्मविश्वास दोनों विकसित होते हैं। इसके विपरीत, निरंतर मुफ्त सुविधाएं व्यक्ति को निर्भर बनाती हैं। धीरे-धीरे परिश्रम की संस्कृति कमजोर पड़ती है और समाज में अकर्मण्यता की मानसिकता पनपने लगती है। यह स्थिति लोकतंत्र की सुदृढ़ता के लिए खतरनाक है, क्योंकि लोकतंत्र केवल

वोट डालने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि सक्रिय और जिम्मेदार नागरिकता का नाम है। चुनाव पूर्व घोषित योजनाओं की निष्पक्षता भी प्रश्नों के घेरे में है। जब आचार संहिता लागू रहने के दौरान बड़े पैमाने पर आर्थिक वितरण होता है, तो विपक्षी दल इसे असमान प्रतिस्पर्धा मानते हैं। ऐसे मामलों में निष्पक्ष निगरानी की जिम्मेदारी भारत का निर्वाचन आयोग पर आती है। निर्वाचन आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी दल मतदाताओं को अप्रत्यक्ष रिश्वत देकर चुनावी लाभ न ले। आचार संहिता का उल्लंघन केवल तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मर्यादा का हनन है। यदि इस पर कठोर कार्रवाई नहीं होती, तो भविष्य में यह प्रवृत्ति और गहरी जड़ें जमा सकती है। निस्संदेह, इस बारे में कोई दो राय नहीं हो सकती है कि राज्यों का यह प्राथमिक कर्तव्य है कि वे विशेष रूप से कमजोर वर्ग के लोगों की खास तौर से देखभाल करें। हालांकि, जब राजस्व घाटे वाले राज्य मुफ्त की योजनाओं पर बड़ी रकम खर्च करते हैं, तो सरकारी खजाने पर दबाव और अधिक बढ़ जाता है। विडंबना यह है कि जिस धनराशि का इस्तेमाल बुनियादी ढांचे में सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं को सक्षम बनाने और शिक्षा की सुविधा को समृद्ध करने के लिये किया जाना चाहिए, वो राशि अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिये खर्च कर दी जाती है। जरूरत इस बात की है कि कौशल विकास के जरिये लोगों को इस तरह सक्षम बनाया जाए जिससे उन्हें दीर्घकालिक व स्थायी लाभ मिल सकें।

यह भी समझना होगा कि मुफ्त योजनाओं का हर स्वरूप गलत नहीं है। आपातकालीन परिस्थितियों में राहत देना, महामारी या प्राकृतिक आपदा के समय सहायता पहुंचाना, सामाजिक न्याय के तहत वंचित वर्गों को अवसर देना-ये सब राज्य की जिम्मेदारी है। परंतु चुनावी मौसम में अचानक घोषणाओं की बाढ़ आ जाना और दीर्घकालिक वित्तीय परिणामों की अनदेखी करना लोकतांत्रिक परिपक्वता का संकेत नहीं है। यह राजनीतिक दलों के वैचारिक दिवालियेपन को दर्शाता है, जहां दूरदृष्टि की जगह तात्कालिक लाभ को प्राथमिकता दी जाती है। लोकतंत्र की मजबूती केवल संस्थाओं से नहीं, बल्कि नागरिकों की सजगता से भी आती है। यदि मतदाता केवल तात्कालिक लाभ देखकर मतदान करता है, तो वह अनजाने में ऐसी संस्कृति को प्रोत्साहित करता है जो अंततः उसी के भविष्य को प्रभावित करती है। परिपक्व मतदाता वही है जो घोषणाओं के पीछे की मंशा और आर्थिक व्यवहार्यता को समझे। वह यह पूछे कि पांच साल बाद राज्य की आर्थिक स्थिति क्या होगी, विकास की दिशा क्या होगी और रोजगार के अवसर कितने बढ़ेंगे। लोकतंत्र में वोट केवल अधिकार नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है।

आज भारत स्वयं को वैश्विक मंच पर एक सशक्त लोकतंत्र के रूप में स्थापित करना चाहता है। हम विश्वगुरु बनने का संकल्प लेते हैं, लेकिन यदि हमारी राजनीति लोकलुभावनवाद के जाल में उलझी रहेगी, तो यह संकल्प खोखला सिद्ध होगा। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने का गौरव तभी सार्थक है जब हमारी नीतियां दूरदर्शी, संतुलित और टिकाऊ हों। मुफ्त की संस्कृति से बाहर निकलकर उत्पादकता, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देना ही वास्तविक प्रगति का मार्ग है। यह समय आत्ममंथन का है। राजनीतिक दलों को समझना होगा कि जनता को सशक्त बनाना केवल धन बांटने से संभव नहीं है। शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य और रोजगार-ये चार स्तंभ किसी भी राष्ट्र की मजबूती तय करते हैं। यदि इन पर निवेश बढ़ेगा, तो नागरिक आत्मनिर्भर बनेंगे और राज्य पर बोझ कम होगा। वहीं, नागरिकों को भी यह ठानना होगा कि वे तात्कालिक प्रलोभनों के बजाय दीर्घकालिक विकास को प्राथमिकता देंगे। लोकतंत्र की सुदृढ़ता तभी सुनिश्चित होगी जब शासन और जनता दोनों अपने-अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करें।

निस्संदेह, चुनावी निष्पक्षता के लिये यह आवश्यक हो गया है कि चुनाव से पहले घोषित की गई या लागू की गई लोकलुभावनी नीतियों व योजनाओं की गहन पड़ताल की जाए। विपक्षी दलों द्वारा बिहार सरकार पर आरोप लगाया गया था कि पिछले साल अक्तूबर में आचार संहिता लागू रहने के दौरान मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत महिला लाभार्थियों को 15,600 करोड़ रुपये दिए गए थे। जो कि स्वस्थ लोकतांत्रिक प्रक्रिया के विरुद्ध कदम था। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि भारत के निर्वाचन आयोग की ओर से राजनीतिक दलों द्वारा मतदाताओं को अपरोक्ष रूप से रिश्वत देने के प्रयासों पर पैनी नजर रखी जाए। साथ ही इस दिशा में चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के रूप में कार्रवाई भी करनी चाहिए। निर्विवाद रूप से चुनाव प्रक्रिया में कोई भी पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाना हमारे जीवंत लोकतंत्र के लिये हानिकारक है। मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की प्रवृत्ति लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर करती है। यह कार्य करने की मानसिकता को बाधित करती है और समाज में सरकार-निर्भरता एवं अकर्मण्यता की संस्कृति को जन्म देती है। यदि इस प्रवृत्ति पर समय रहते नियंत्रण नहीं लगाया गया, तो आर्थिक असंतुलन और राजनीतिक अविश्वास दोनों बढ़ेंगे। इसलिए आवश्यक है कि नीतियों की पारदर्शिता, वित्तीय अनुशासन और चुनावी निष्पक्षता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। यही लोकतंत्र की वास्तविक रक्षा है, यही राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है।

प्रहार : अटूट संकल्प

आदित्य नारायण चौपड़ा

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

इस समय केवल भारत ही नहीं बल्कि समूचा विश्व मानव जनित त्रासदी यानि आतंकवाद से त्रस्त है। आतंकवाद मानवता, शांति, विकास और लोकतंत्र जैसे मूल्यों का शत्रु है। आतंकवाद एक ऐसी कट्टरपंथी सोच का परिणाम है जो खुद को सबसे श्रेष्ठ और दूसरों को काफिर मानती है। ऐसी ताकतें लगातार षड्यंत्र रचती रहती हैं। आतंकवाद ने भारत को कई बड़े जख्म दिए हैं। भारत दशकों से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का शिकार होता रहा है। आतंकवाद की कोख से क्रांति नहीं केवल घृणा और विनाश जन्म लेता है। पाकिस्तान में सत्ता और नॉन स्टेट एक्टर्स की संधि में कोई अंतर नहीं बचा। आतंकी ताकतों ने हमारे धर्मस्थलों को नहीं छोड़ा। लोकतंत्र के सर्वोच्च मंदिर संसद तक को निशाना बनाया गया। मुम्बई हमले में सैकड़ों निर्दोषों की जान चली गई। पुलवामा में हमारे जवानों को अपनी शहादत देनी पड़ी। पहलगाम हमले में बेगुनाहों को उनका धर्म पूछकर मारा गया। यह नैतिक और बर्बरता की प्रकाष्ठा थी। जैसे-जैसे देश के लिएखतरों का स्वरूप बदलता रहता है और नई चुनौतियां पेश करता है। उनका सामना करने के लिए देश को नई नीतियां बनानी पड़ती हैं। गृह मंत्रालय ने जल, थल, नभ खतरों की नई चुनौतियों का आंकलन करने के बाद देश की पहली आतंकवाद विरोधी नीति 'प्रहार' का दस्तावेज जारी किया जो जीरो टालरेंस और खुफिया जानकारी के आधार पर चमरपंथी हिंसा की रोकथाम और उसे बाधित करने पर आधारित एक बहुस्तरीय रणनीति है। यह नीति देश के भीतर और बाहर से उत्पन्न होने वाले आतंकी खतरों का मुकाबला करने के लिए सात प्रमुख स्तम्भों पर आधारित है।

प्रहार का तात्पर्य है भारतीय नागरिकों और हितों की रक्षा के लिए आतंकी हमलों की रोकथाम, खतरे के अनुरूप और त्वरित प्रतिक्रियाएं देना, समग्र सरकारी दृष्टिकोण में तालमेल हासिल करने के लिए आंतरिक क्षमताओं का एकीकरण, खतरों को कम करने के लिए मानवाधिकार और 'कानून के शासन' पर आधारित प्रक्रियाएं। आतंकवाद को बढ़ावा देने वाली स्थितियों को कम करना जिसमें कट्टरपंथ भी शामिल है। आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय प्रयासों को संरेखित और आकार देना। समाज के समग्र दृष्टिकोण के माध्यम से पुनर्प्राप्ति और लचीलापन। पाकिस्तान का नाम लिए बिना, दस्तावेज में कहा गया है कि भारत सीमा पार आतंकवाद से लगातार खतरों का सामना कर रहा है, जिसमें जिहादी संगठन और अलकायदा और आईएसआईएस जैसे वैश्विक समूह हमलों की योजना बनाने के लिए स्लीपर सेल का उपयोग कर रहे हैं। विदेशों से संचालित चरमपंथी उन्नत तकनीकों का उपयोग करते हैं, जिनमें ड्रोन भी शामिल हैं, विशेष रूप से पंजाब और जम्मू और कश्मीर में आतंकवादी हिंसा में हताहतों की प्रकृति को लेकर कोई संकोच नहीं होता। आतंकवादी सभी को साफ्ट टारगेट मानते हैं। छुट्टी पर आए सैनिक हों या निहत्थे पुलिसकर्मी। यहां तक कि बच्चों से भरी स्कूल बसें भी इनके निशाने पर हैं। किसी भी राष्ट्र की आतंकवादी विरोधी नीति अनिवार्य रूप से अतीत में ऐसे मामलों से निपटने के उसके अनुभव और वर्तमान स्थिति पर आधारित होती है। 80 के दशक में हमने पंजाब और जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद का भयंकर दौर देखा। मैं स्वयं उस परिवार से संबंध रखता हूं जिसने आतंकवाद की बहुत पीड़ा झेली है। पंजाब में धार्मिक अल्पसंख्यकों यानि हिन्दुओं को बसों और ट्रेनों से निकालकर बेरहमी से मार डाला गया तो जम्मू में कश्मीरी पंडितों पर जुल्म ढाए गए और 90 के दशक में घाटी कश्मीरी पंडितों से खाली हो गई। कश्मीरी पंडित अपने ही देश में शरणार्थी हो गए और उन्हें 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सत्ता में आने के बाद भारत की नीति में मूल परिवर्तन आया है। भारत अब केवल प्रतिक्रिया देने वाला देशनहीं रह गया। 2016 का सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 का बालाकोटा एयर स्ट्राइक और 2023 का ऑपरेशन सिंदूर यह सभी कदम नीति में परिवर्तन का प्रमाण हैं। भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि आतंकवादी कहीं भी हो उन्हें खत्म किया जाएगा और आतंकवाद के किसी भी स्वरूप को सहन नहीं किया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने बीते वर्षों में आतंक पर जीरो टॉलरेंस नीति एवं राष्ट्रहित पर कोई समझौता नहीं करने की रणनीति अपनाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने जीरो टॉलरेंस की नीति को सिर्फ नारा नहीं, बल्कि शासन का स्थायी सिद्धांत बना दिया है। चाहे सीमा पार से आने वाले आतंकी हमले हों या देश के भीतर की कट्टरवादी गतिविधियां मोदी सरकार ने हर स्तर पर यह साबित किया है कि भारत अब न तो चुप रहेगा और न झुकेगा। मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को एक ही झटके में खत्म कर आतंकवाद को खत्म करने के लिएबहुत बड़ा कदम उठाया। अब अलगाववादी हुर्रियत कान्फ्रेंस का नामोनिशान नहीं बचा है। आतंकवादी संगठन हाशिए पर हैं। आतंकवादी वारदातों की संख्या काफी कम हो गई है। आतंकवादी कमांडरों का जीवन बहुत कम रह गया है। हालांकि बचे-खुचे आतंकवादी टारगेट किलिंग में सफल हो रहे हैं लेकिन राज्य में बहुत बड़ा परिवर्तन यह आया है कि बाजार गुलजार हैं।

पहलगाम की घटना के बाद अब पर्यटन स्थल दोबारा से खुल चुके हैं। हाल ही के महीनों में खुफिया एजेंसियों ने कई राज्यों में रची जा रही 10 से ज्यादा बड़ी आतंकी साजिशों पर विराम लगाया है। जैश-ए-मोहम्मद, आईएसआईएस, टीटीपी और अन्य आतंकवादी संगठनों द्वारा देश में अंजाम दिए जाने वाले हमलों पर प्रभावी रोक लगी है। देश के भीतर नक्सलवाद अब आखिरी सांसें ले रहा है। लाल आतंक का गलियारा अब खत्म हो चुका है। नक्सली कमांडर या तो मारे जा चुके हैं और बाकी सभी ने आत्मसमर्पण कर दिया है। नक्सल मुक्त भारत का सपना साकार हो चुका है। गृहमंत्री अमित शाह ने अपना अटूट संकल्प पूरा कर दिखाया है। मोदी सरकार ने आतंकवादियों को न केवल सीमाओं पर जवाब दिया गया बल्कि उनकी फंडिंग, नेटवर्क और ठिकानों पर भी निर्णायक वार किया। इस सख्त नीति का परिणाम आंकड़ों में साफ झलकता है। जब सरकार की नीयत साफ हो और नेतृत्व निर्णायक हो, तब आतंक की जड़ें हिलती हैं। भारत ने पूरी दुनिया को दिखा दिया है कि दृढ़ राजनीतिक इच्छा शक्ति, आधुनिक तकनीक और सशक्त सुरक्षा नीति से आतंकवाद के फन को कुचला जा सकता है। हर भारतीय को राजनीति प्रथम और राष्ट्र प्रथम की मानसिकता रखने वाली सरकारों में अंतर नजर आ रहा है। नया भारत न खामोश बैठता है न झुकता है। आतंकवाद के विरुद्ध नई नीति 'प्रहार' निर्णायक कार्रवाई करने का अटूट संकल्प है।

बारी बरसी खटन गया सी...

विवेक रंजन श्रीवास्तव

व्यंग्य

बारी बरसी खटन गया सी...ये गीत पंजाब के उस मेहनतकश का लोक गीत है, जो बारह साल परदेस में कमाकर लौटा है। हर बार उसकी झोली में कुछ नया गिफ्ट होता है , कभी लोई, कभी सितारा, कभी गहना, कभी चूल्हा-ताला। ढोल बजता है। भांगड़ा चलता है और सारा गांव, साले-बिरादरी नाच उठते हैं क्योंकि मेहनत रंग लाई है। कुछ हाथ लगा है। अब इसी गीत की रस्म को कांग्रेस पार्टी ने राजनीति का नया मनोरंजक कायदा बना लिया है।

फर्क सिर्फ इतना है कि वहां बारह साल बाद सच में कुछ लेकर लौटा था। ये लोग रोज़ सुबह उठते हैं, खाली हाथ में थाल सजाते हैं, ऊपर से झूठे सबूत की चटनी परोसते हैं, और ढोल बजवा देते हैं. और अब डांस करेंगे सारे के सारे!

बारी बरसी खटन गया सी।

हर चुनाव, हर प्रेस कॉन्फ्रेंस, हर बजट सत्र, यही क्रम है। हाथ में कुछ ठोस नहीं मगर उल्लास ऐसा मानो पूरी दिल्ली जीत ली हो। राफेल डील, आई, देखी, डांस हुआ। सुप्रीम कोर्ट बैठा, सीबीआई बैठी, ईडी बैठी, सबने कहा, कुछ नहीं मगर इनकी थिरकन अभी थमी नहीं। अब राफेल आसमान में उड़ते हैं और ये ज़मीन पर वही स्टेप्स दोहराते हैं। असल ज़िंदगी में रीप्ले नहीं मिलता पर यहाँ तो हर साल रीमिक्स है। चौकीदार चोर है, क्या पंचलाइन थी! इतनी जोरदार कि पार्टी कार्यकर्ता झूम उठे। मगर सबूत? वो तो बाद में देखेंगे, पहले डांस। अब सात साल हो गए। अदालत ने कहा, सबूत नहीं मिला। जाँच एजेंसी ने कहा सबूत नहीं मिला। पर ये कहते हैं हमें तो अब भी यकीन है। ईवीएम और वोट चोरी, चुनाव हारो, तुरंत मशीन पर ठुमका लगाओ । कभी बैटरी बदली, कभी हैकिंग, कभी हनुमान चालीसा। मगर जब पूछो कि पंजाब, तेलंगाना, हिमाचल में तुम जीते कैसे? तब मशीन ठीक थी या उसमें भी भगवान का चमत्कार? सवाल सुनते ही डांस और तेज़ क्योंकि यह सवालों के जवाब का नहीं, जश्न का मौका है। संविधान की प्रति, लाल किताब हाथ में, आँखों में नमी, होंठों पर गांधी, मन में नेहरू, और जेब में... खैर। संविधान बचाओ, लोकतंत्र बचाओ, देश बचाओ। तीनों थाली में सजे, वही ठुमके पर संविधान पढ़ने का वक्त कहाँ? जब तक अनुच्छेद पढ़ोगे, तब तक कोई और डांस शुरू हो जाएगा।

नरवडे जी की अप्रकाशित पुस्तक, ये तो कमाल है। अप्रकाशित। यानी अभी छपी नहीं। किसी ने पढ़ी नहीं। उसमें है क्या, पता नहीं मगर प्रेस कॉन्फ्रेंस हो चुकी, आरोप लग चुके, डांस शुरू हो चुका। फेक कापी हवा में लहरा कर डांस किया जा चुका । साहित्य जगत में किताब छपने पर चर्चा होती है, यहाँ किताब छपने से पहले ही चर्चा, आरोप, और भांगड़ा, सब एक साथ।

अमेरिका से डील, अब ये तो सबसे ताज़ा एंट्री है। डील में हुआ क्या, पता नहीं। किसने की, कैसे की, कितने में की , बारीक अध्ययन, , विवेचन, जानकारी शून्य है मगर आरोप हवा में हैं, अडानी और अंबानी को उछाल कर, हवा हवाई डांस चल रहा है। इतनी ऊर्जा है, कि पावर परचेज के टाई-अप करना चाहिए।

अब सवाल यह नहीं कि इन मुद्दों में दम है या नहीं।

सवाल यह है कि जब हर बार थाल खाली निकलती है तो फिर भी ढोल क्यों बजता है? भेड़िया आया भेड़िया आया, आखिर कब तक? लकड़ी की हांडी कितनी बार चढ सकती है? क्योंकि अब आरोप कोई बहस नहीं, रस्म बन गए है और रस्में सबूतों की मोहताज नहीं होतीं।

राफेल झूठा, चौकीदार सच्चा, फिर भी नारा वही।

ईवीएम सही, वोट सुरक्षित, फिर भी चीख वही।

किताब अप्रकाशित, आरोप प्रकाशित, फिर भी थिरकन वही।

बारी बरसी खटन गया सी।

हर बार खाली हाथ, पर हर बार पूरा उल्लास। सारी दुनिया देख लई, माँ तेरे जेहा न कोई।

भारतीय डाक विभाग का सिंधिया ने कर दिया कायाकल्प, गांव से ग्लोबल तक पहुँच हुई और आसान

नीरज कुमार दुबे

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

भारतीय डाक अब सिर्फ चिट्ठी-पत्री पहुंचाने वाला विभाग नहीं रहा बल्कि यह तेज, तकनीक-सक्षम और बहुआयामी सेवा नेटवर्क में बदल चुका है। इस बदलाव के केंद्र में संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की स्पष्ट सोच, कड़े फैसले और आधुनिक दृष्टि दिखाई देती है। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में डाक विभाग ने अपने कामकाज को तीन बड़े स्तंभों पर खड़ा किया है। इसके तहत राजस्व बढ़ाने, कामकाज की गति को तेज और आसान बनाने तथा जमीनी स्तर पर कर्मचारियों को मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है।

वित्तीय आंकड़े इस बदलाव की गवाही देते हैं। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तीन तिमाहियों में डाक विभाग की कुल आय 10,211 करोड़ रुपये रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि से 8.8त्न अधिक है। खास बात यह है कि ष्टष्टस् (सिटिजन सेंट्रिक सर्विसेज) में लगभग 95त्न की जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज हुई। साथ ही पार्सल और अन्य सेवाओं में भी दो अंकों की वृद्धि हुई है।

'24 स्पीड पोस्ट पार्सल' सेवा के तहत अब बड़े शहरों के बीच अगले दिन डिलीवरी यानि 24 घंटे के भीतर सामान पहुँचाने का लक्ष्य रखा गया है। दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु और हैदराबाद जैसे शहरों में इसका पायलट चल रहा है और 95त्न से अधिक डिलीवरी सफलता दर हासिल की गई है। इस सेवा के तहत पैकेजिंग को नया रूप दिया गया है, पोस्टमैन बैग बदले गए हैं और ऋन्नद्बष्ठ व टेलीमैटिक्स जैसी तकनीक अपनाई जा रही है। स्पीड पोस्ट और रजिस्टर्ड पोस्ट को मिलाकर प्रक्रियाएं सरल भी की गई हैं। दूरदराज इलाकों में ड्रोन से डिलीवरी का पायलट चल रहा है, जबकि महानगरों में ई-वाहनों से लास्ट माइल डिलीवरी शुरू की गई है।

इसके अलावा, निर्यात और स्वास्थ्य को नई ताकत देने के लिए देशभर में 1000 से अधिक 'डाक निर्यात केंद्र' बनाए गए हैं। इनके माध्यम से 13 लाख कंसाइनमेंट

भेजे गए, जिनकी कुल निर्यात कीमत 303 करोड़ रुपये रही और 135 देशों तक सामान पहुंचाया गया। अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा के लिए विशेष पायलट भी चल रहा है।

डाकघर मल्टी-सर्विस सेंटर के रूप में भी तेजी से काम कर रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक, आधार नामांकन केंद्रों ने अब तक 14.45 करोड़ लेन-देन किए हैं। पासपोर्ट सेवा केंद्रों में 2.05 करोड़ ट्रांजैक्शन हुए। 13,000 से अधिक डाकघरों में सेवाएं दी जा रही हैं। साथ ही साथ समझौते कर डाकघरों को वित्तीय और डिजिटल सेवाओं का केंद्र बनाया गया है।

इसके अलावा, बीमा और बैंकिंग में भी विस्तार किया जा रहा है। अभी डाक जीवन बीमा की 1.24 करोड़ सक्रिय पॉलिसियां हैं और 2.27 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति प्रबंधन में है। विभाग ने 2028-29 तक 70त्न कामकाज ऑनलाइन करने का लक्ष्य रखा है। आंकड़ों के मुताबिक, डाक बचत बैंक में 37.36 करोड़ खाते हैं और इनमें 21.77 लाख करोड़ रुपये जमा हैं। इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक के 12.91 करोड़ खाते हो चुके हैं। ई-केवाईसी और वीडियो केवाईसी जैसी डिजिटल सुविधाएं भी तेजी से बढ़ रही हैं।

तकनीक और ढांचे में सुधार की बात करें तो डाकघरों का पुनर्गठन किया गया है। स्पीड पोस्ट और रजिस्टर्ड पोस्ट की प्रोसेसिंग को एक किया गया है। नए एर्गोनोमिक काउंटर, स्मार्ट बुकिंग मशीन और मोबाइल-वेब चैनल शुरू किए गए हैं। साथ ही ग्रामीण डाक सेवकों के सम्मान और संवाद के लिए देशभर में तष्ठस् सम्मेलन आयोजित किए गए, जिनमें 8,000 से अधिक कर्मचारियों ने भाग लिया। विभाग के सूत्रों का कहना है कि मार्च 2026 तक 100 एन-जन पोस्ट ऑफिस शैक्षणिक परिसरों में खोले जाएंगे, जहां वाई-फाई, कॉफी कॉर्नर और आधुनिक डिजाइन जैसी सुविधाएं होंगी। इसका लाभ यह होगा कि माता पिता अपने बच्चों को कोई सामान सीधे उनके शैक्षणिक संस्थान के भीतर स्थित डाक घर में भेज सकेंगे और छात्र भी कोई सामान उसी डाक घर से बाहर भेज सकेंगे।

देखा जाये तो केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया इन सुधारों के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस विजन को जमीन पर उतारते दिख रहे हैं, जिसमें सरकारी सेवाएं सस्ती, सुलभ और डिजिटल हों। 'डिजिटल इंडिया', 'आत्मनिर्भर भारत' और 'सबका साथ, सबका विकास' जैसे अभियानों की झलक डाक विभाग के इस कायाकल्प में स्पष्ट दिखाई देती है। गांव-गांव तक फैले डाक नेटवर्क को डिजिटल पहचान, बैंकिंग, बीमा, निर्यात और ई-कॉमर्स से जोड़कर आम नागरिक को उसके घर के पास ही आधुनिक सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। कम लागत में तेज सेवा, तकनीक आधारित पारदर्शिता और अंतिम पंक्ति तक पहुंच, यही वह मॉडल है, जिसके जरिए डाक विभाग को नए जमाने की जरूरतों के अनुरूप ढाला जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि भारतीय डाक विभाग कभी धीमी और परंपरागत व्यवस्था का प्रतीक माना जाता था। लेकिन आज तस्वीर बदल रही है। यह बदलाव अचानक नहीं आया, बल्कि ठोस रणनीति, तकनीकी निवेश और कड़े प्रशासनिक फैसलों का परिणाम है। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने डाक विभाग को सिर्फ सरकारी दफ्तर नहीं, बल्कि एक सेवा-आधारित, प्रतिस्पर्धी और आधुनिक संस्था बना दिया है। राजस्व के नए स्त्रोत खोलना, निजी क्षेत्र से साझेदारी करना, डिजिटल तकनीक अपनाना और कर्मचारियों को साथ लेकर चलना, आदि जैसे कदम इस बदलाव की रीढ़ हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि गांव से लेकर महानगर तक डाकघर अब बहु-सेवा केंद्र बनते जा रहे हैं। इसके अलावा, तकनीक के माध्यम से डाक विभाग कैसे सेवाएं आसान बना सकता है इसके लिए पहली बार सीटीओ की भी नियुक्ति की गयी है।

बहरहाल, अगर यही गति बनी रही, तो भारतीय डाक विभाग न केवल देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देगा, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी एक उदाहरण बन सकता है। यह परिवर्तन केवल नीतियों का नहीं, सोच का बदलाव है और यही इसकी सबसे बड़ी ताकत है।

ट्रम्प का दावा : मैं भारत-पाक युद्ध नहीं रुकवाता तो परमाणु युद्ध छिड़ गया होता

वॉशिंगटन, (वार्ता)

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने स्टेट ऑफ द यूनियन संबोधन में एक बार फिर दोहराया कि उनके हस्तक्षेप के कारण भारत और पाकिस्तान के बीच संभावित परमाणु युद्ध टल गया, जिससे करोड़ों लोगों की जान बचाई जा सकी।

श्री ट्रम्प ने कांग्रेस (संसद) को संबोधित करते हुए कहा कि आज अमेरिका जितना मजबूत है, उतना पहले कभी नहीं रहा। दूसरे कार्यकाल के पहले 10 महीनों में उन्होंने आठ युद्ध समाप्त रूकवाए हैं। दक्षिण एशिया का जिक्र करते हुए उन्होंने दावा किया कि अगर वह बीच में नहीं आते तो भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु युद्ध छिड़ गया होता। श्री ट्रम्प ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री (बगैर नाम लिए) के हवाले से कहा कि उनके दखल की वजह से 3.5 करोड़ लोगों को मरने से बचा लिया गया।

संभवतया उनका इशारा, भारत के ऑपरेशन सिंदूर के समय अपनाए गए कड़े रूख की ओर था। भारत ने लगातार इस बात से इंकार किया है कि इस ऑपरेशन को किसी तीसरी शक्ति के दबाव में रोका गया।

श्री ट्रम्प ने अपने संबोधन में उन देशों की लंबी सूची गिनाई, जहां उनके मुताबिक उन्होंने शांति स्थापित की है। उन्होंने कंबोडिया और थाईलैंड, कोसोवो और सर्बिया, इजरायल और ईरान, मिस्र और इथियोपिया, आर्मेनिया और अजरबैजान युद्ध का नाम गिनाया।

राष्ट्रपति ने गाजा में जारी संघर्ष पर कहा कि वहां अब स्थिति बहुत निचले स्तर पर आ गई है और युद्ध लगभग समाप्ति की ओर है। इस दौरान उन्होंने अपने विशेष दूतों और करीबियों स्टीव विटकॉफ और अपने दामाद जैरेड कुशनर का नाम लेते हुए इन कूटनीतिक मिशनों में उनकी मदद के लिए सार्वजनिक रूप से आभार व्यक्त किया। श्री ट्रम्प ने अपने भाषण का बड़ा हिस्सा आर्थिक उपलब्धियों पर केंद्रित रखा। उन्होंने कहा कि पिछले प्रशासन के समय की रिकॉर्ड महंगाई को घटाकर 1.7 प्रतिशत (दिसंबर 2025 तक) पर लाया गया है। पेट्रोल की कीमतें, जो 6 डॉलर प्रति गैलन तक पहुंच गई थीं, अब कई राज्यों में 2.30 डॉलर से नीचे और कुछ स्थानों पर 1.85 डॉलर तक आ गई हैं। श्री ट्रंप ने यह भी दावा किया कि उनके एक साल में 18 ट्रिलियन डॉलर का वैश्विक निवेश अमेरिका में आया है, जबकि पिछले प्रशासन के चार वर्षों में यह एक ट्रिलियन डॉलर से भी कम था। श्री ट्रम्प ने सीमा नीति पर अपनी बात रखते हुए कहा कि पिछले नौ महीनों में एक भी अवैध विदेशी को अमेरिका में प्रवेश नहीं दिया गया है। सीमा पार से होने वाली नशीली दवाओं (फेंटानिल) की तस्करी में 56 प्रतिशत की कमी आई है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने कई नयी सरकारी पहलों की घोषणा की और राजनीतिक तंज भी कसे।

श्री ट्रम्प ने अपने भाषण में यह भी कहा किअमेरिका अपनी आजादी की 250वीं वर्षगांठ (4 जुलाई 2026) की ओर बढ़ रहा है और यह देश कास्वर्ण युगहै।

ट्रम्प ने ईरान को लेकर सख्त रूख अपनाया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को उसके परमाणु कार्यक्रम को लेकर बेहद सख्त चेतावनी दी है। श्री ट्रम्प ने अपने दूसरे कार्यकाल के पहले स्टेट ऑफ द यूनियन संबोधन में स्पष्ट किया कि उनकी सरकार ईरान को किसी भी कीमत पर परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देगी। कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि दशकों से अमेरिका की यह नीति रही है कि ईरान को परमाणु शक्ति बनने से रोका जाए और वे इस पर अडिग हैं। उन्होंने ईरान पर आतंकवाद का नंबर एक प्रायोजक होने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह देश ऐसी मिसाइलें विकसित कर रहा है जो सीधे अमेरिका को निशाना बना सकती हैं। उन्होंने पिछले साल ईरान के परमाणु ठिकानों पर किए गए ऑपरेशन मिडनाइट हैमर का जिक्र करते हुए चेतावनी दी कि भविष्य में फिर से ऐसी सैन्य कार्रवाई की जा सकती है। श्री ट्रम्प ने हालांकि इस विवाद को कूटनीति से सुलझाने की इच्छा जताई, लेकिन इसके लिए एक शर्त रखी कि ईरान को स्पष्ट रूप से परमाणु हथियार कभी न बनाने की प्रतिबद्धता जतानी होगी। यह बयान ऐसे समय में आया है जब पश्चिम एशिया में अमेरिका अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ा रहा है।

न्यूज़ीलैंड में बड़ी हैकिंग, ज़िंदा मरीजों को मृत घोषित किया, नाम बदलकर चार्ली किर्क किया, जांच जारी

नई दिल्ली

न्यूजीलैंड के हेल्थ सेक्टर में एक बड़ा साइबर अटैक हुआ है। मेडिमैप नाम का प्लेटफॉर्म हैक हो गया। इस प्लेटफॉर्म पर मरीजों की दवाइयों का रीयल-टाइम रिकॉर्ड रखा जाता है। यह प्लेटफॉर्म बुजुर्गों की देखभाल, डिसेबिलिटी सर्विसेज, हॉस्पिस और कम्युनिटी हेल्थ में इस्तेमाल होता है।

हैकर्स ने कुछ जिंदा मरीजों को मृत दिखा दिया और कई मरीजों के नाम बदलकर अमेरिकी कंजर्वेटिव एक्टिविस्ट चार्ली कर्क कर दिए। गौरतलब है कि चार्ली की 2025 में अमेरिका में गोली मारकर हत्या हो गई थी। यह हैक इतना गंभीर था कि कई एज्ड केयर होम्स को दवाइयों का रिकॉर्ड पेपर पर वापस करना पड़ा।

मेडिमैप कंपनी ने हैक की बात मान ली है। कंपनी के डायरेक्टर ज्योफ्री सेयर ने कहा कि जांच में पता चला है कि मरीजों की डेमोग्राफिक जानकारी जैसे नाम, जन्मतिथि, डॉक्टर का नाम, केयर लोकेशन और रेजिडेंट स्टेटस प्रभावित हुई है। कंपनी ने तुरंत प्लेटफॉर्म को मेंटेनेंस मोड में डाल दिया और बाहर के साइबर एक्सपर्ट्स की मदद ली। उनका फोकस पहले मरीजों की सुरक्षित देखभाल जारी रखना है, फिर सिस्टम को ठीक करना और सुरक्षित तरीके से वापस लाना है।

जानकारी के मुताबिक, हैकर ने किसी वैध यूजर के लॉगिन क्रेडेंशियल्स चुराए और सिस्टम में घुसकर मरीजों के डेटा को बदल दिया। कुछ मरीजों की उम्र बदल दी गई, कुछ को अलग-अलग फैसिलिटी में शिफ्ट दिखाया गया। यह कोई रैनसम मनी मांगने वाला अटैक नहीं लगता, बल्कि जानबूझकर अफरा-तफरी मचाने जैसा काम था। कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया है कि अन्य पॉलिटिशियंस के नाम भी इस्तेमाल किए गए, जिससे हैक्टिविस्ट मोटिव की बात उठ रही है।

मेडिमैप की शुरुआत 2012 में क्राइस्टचर्च के फार्मासिस्ट ग्रेग गैरेट ने की थी, ताकि पेपर बेस्ड पुरानी सिस्टम को बदला जा सके। 2023 में यह ऑस्ट्रेलियाई कंपनी जेड सॉफ्टवेयर के साथ मर्ज हो गई थी।

नाबालिग बच्चों के मेडिकल में उनके साथ यौन उत्पीड़न की पुष्टि होने का दावा : आशुतोष ब्रह्मचारी

प्रयागराज, (वार्ता)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने वाले आशुतोष ब्रह्मचारी ने आज एक बड़ा खुलासा किया है। कहा नाबालिग बच्चों के मेडिकल में उनके साथ यौन उत्पीड़न की पुष्टि हो गई है, उन्होंने कहा पीड़ित नाबालिग बच्चों ने अपने बयान में एक अन्य आरोपी अरविन्द का भी नाम लिया है। आरोपी अरविंद स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का गुरु भाई है,आशुतोष ब्रह्मचारी ने कहा है कि अरविंद मुकुंदानंद का भी सहयोगी है।जब बच्चों को आश्रम में पेश किया जाता था तो वह उसमें भी सहयोग करता था।आशुतोष ब्रह्मचारी ने आज शाम तक इस मामले में कुछ नए नाम का खुलासा करने का भी ऐलान किया है उन्होंने कहा है कि उनके पास जिस तरह के ठोस साक्ष्य मौजूद हैं,उससे निश्चित तौर पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को कोर्ट में वह सजा दिलाएंगे।

आशुतोष ब्रह्मचारी ने कहा पुलिस की जांच से वह पूरी तरह संतुष्ट हैं, उन्होंने कहा है कि विवेचना सही दिशा में आगे बढ़ रही है, वह दिन दूर नहीं जब षड्यंत्र खत्म होगा और कलयुग का अंत होगा।

उन्होंने दावा किया है कि पीड़ितों की संख्या 20 के करीब है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती द्वारा यूपी पुलिस के जांच पर भरोसा न होने और जांच किसी बाहरी राज्य की पुलिस से कराए जाने की मांग पर कहा,वह चाहे कांग्रेस शासित प्रदेश की पुलिस से जांच करा लें,या फिर दुनिया की सर्वश्रेष्ठ मानी जाने वाली स्कॉटलैंड की पुलिस से जांच करा लें,लेकिन जिस तरह के साक्ष्य उनके खिलाफ मौजूद हैं उन्हें सजा होकर रहेगी।

वहीं आरोप लगाने वाले बच्चों के उनके आश्रम के न होने के सवाल पर आशुतोष ब्रह्मचारी ने कहा है कि वह झूठ बोल रहे हैं।

भारत-नेपाल सीमा पर 12 ग्राम स्मैक के साथ नेपाली युवक गिरफ्तार

बहराइच, (वार्ता)।

उत्तर प्रदेश के बहराइच जनपद में भारत-नेपाल सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने मोतीपुर थाना क्षेत्र से 12 ग्राम स्मैक के साथ एक नेपाली युवक को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने बुधवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान अनिल सुनार (18) , बांसगाढ़ी नगर पालिका, जिला बर्दिया (नेपाल) के रूप में हुई है। उसे 24/25 फरवरी की रात भारत-नेपाल सीमा पर पिलर संख्या 665/01 के पास बलईगांव क्षेत्र से पकड़ा गया।

थानाध्यक्ष आनंद कुमार चौरसिया ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध थाना मोतीपुर में मुकदमा अपराध संख्या 61/26 पंजीकृत कर एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार युवक को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई सीमा क्षेत्र में चलाए जा रहे सघन चेकिंग अभियान के तहत की गई। गिरफ्तारी टीम में थाना प्रभारी के साथ उपनिरीक्षक अनिल यादव, हेड कांस्टेबल गड्डू पाण्डेय, हेड कांस्टेबल विक्रांत बालियान, कांस्टेबल जयप्रकाश, कांस्टेबल सूरज कुमार तथा एसएसबी के जवान शामिल रहे।

रेखा गुप्ता ने पूर्वोत्तर की लड़कियों के साथ दुर्व्यवहार की निंदा की

नयी दिल्ली, (वार्ता)

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राजधानी के मालवीय नगर में पूर्वोत्तर की लड़कियों के साथ हुए दुर्व्यवहार की निंदा करते हुए कहा है कि दोषियों के ख़िलाफ़ कड़ी कार्रवाई होगी।

श्रीमती गुप्ता ने एक्स पर अपने वीडियो संदेश में आज कहा कि पूर्वोत्तर की हमारी बहनों के साथ हुई इस घटना की मैं कड़ी निंदा करती हूं और उनके साथ मजबूती से खड़ी हूं।

उन्होंने कहा कि देश के अलग अलग राज्यों से आने वालों का जितना हक दिल्ली पर है उतना ही अधिकार पूर्वोत्तर के लोगों का है। उनके साथ कोई भी दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और जिन्होंने ऐसा किया उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा यहां हर नागरिक की गरिमा, सम्मान और सुरक्षा सर्वोपरि है। मैं स्वयं उनसे मिलूंगी। पुलिस पूरी जिम्मेदारी से कानूनी कार्रवाई कर रही है और हम यह सुनिश्चित करेंगे कि दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई हो। किसी भी बेटी को तंग करना, भेदभाव करना या अपमानित करना किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हम सब एक हैं और हर बेटी की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च जिम्मेदारी है।उल्लेखनीय है कि दक्षिणी दिल्ली के मालवीय नगर में अरुणाचल प्रदेश की तीन लड़कियों के साथ उनके पड़ोस में रहने वाले एक दंपति ने मामूली विवाद में दुर्व्यवहार कर नस्लीय टिप्पणी की।

भीख मांगना गंभीर सामाजिक समस्या : न्यायमूर्ति सारंगी

नयी दिल्ली, (वार्ता)

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के सदस्य न्यायमूर्ति (डॉ.) बिद्युत रंजन सारंगी ने भीख मांगने की प्रथा को समाप्त करने की वकालत करते हुए कहा कि यह एक सामाजिक बुराई है और देश में यह एक गंभीर समस्या बनी हुई है। न्यायमूर्ति सारंगी ने भिक्षावृत्ति पर पुनर्विचार- नीति, व्यवहार और गरिमा के बीच की खाई को पाटना विषय पर हाइब्रिड मोड में खुली चर्चा की अध्यक्षता करते हुए कहा कि भीख मांगना एक सामाजिक बुराई है और देश में यह एक गंभीर समस्या बनी हुई है। उन्होंने कहा कि आज विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल भारत में भी भीख मांगने की समस्या का बने रहना एक गहरी संरचनात्मक और सामाजिक चुनौती को दर्शाता है, जिस पर तत्काल और निरंतर ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने भीख मांगने को केवल एक आर्थिक मुद्दा नहीं बल्कि एक सामाजिक बीमारी बताया जो समाज के कमजोर वर्गों की गरिमा और संवैधानिक अधिकारों को प्रभावित करती है।

उन्होंने जोर देते हुए कहा कि संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत कानून के समक्ष समानता के अधिकार का संवैधानिक वादा सभी नागरिकों के लिए सार्थक रूप से पूरा किया जाना चाहिए, जिसमें भीख मांगने वाले भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को सुरक्षित, संरक्षित और गरिमापूर्ण जीवन जीने का अधिकार है। उन्होंने बताया कि कई राज्यों ने भीख मांगने की समस्या से निपटने के लिए कानून बनाए हैं। हालांकि, केवल कानूनी प्रावधानों का होना ही पर्याप्त नहीं है।

न्यायमूर्ति सारंगी ने कहा कि यह जांच करना आवश्यक है कि भीख मांगने में संलग्न गरीब, अशिक्षित बच्चों, महिलाओं और दिव्यांगजनों के संरक्षण और पुनर्वास से संबंधित राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की सलाह (2024) और भारत सरकार की स्माइल-बी योजना (आजीविका और उद्यम के लिए हाशिए पर रहने वाले लोगों को सहायता) के इच्छित उद्देश्यों से सार्थक परिवर्तन हुआ है या नहीं। उन्होंने इन उपायों की प्रगति की समीक्षा करने और कार्यान्वयन में कमियों की पहचान करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भिक्षावृत्ति को कम करने और अंततः समाप्त करने के लिए समानता, गरिमा और सामाजिक सुरक्षा के संवैधानिक मूल्यों पर आधारित अधिकार-आधारित और पुनर्वास-उन्मुख रणनीति की जरूरत है।

एनएचआरसी की सदस्य विजया भारती सयानी ने भीख मांगने के संदर्भ में महिलाओं, बच्चों और श्रम से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए स्पष्ट समयसीमा और जवाबदेही तंत्र के साथ एक समन्वित राष्ट्रीय रणनीति की तत्काल जरूरत पर बल दिया। उन्होंने राष्ट्रीय पोर्टल विकसित करने और व्यापक डेटा सर्वेक्षण करने के महत्व पर बल देते हुए कहा कि विश्वसनीय डेटा के बिना प्रभावी नीति निर्माण संभव नहीं है। उन्होंने भीख माफियाओं और मानव तस्करी नेटवर्क के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आह्वान किया। साथ ही, इस बात पर जोर दिया कि अल्पकालिक, अस्थायी उपायों के बजाय दीर्घकालिक पुनर्वास को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

आयोग के महासचिव भरत लाल ने इस बात पर जोर दिया कि भारत अपने सुदृढ़ कानूनी ढांचे और संवैधानिक मूल्यों के लिए जाना जाता है, जो सभी नागरिकों के सम्मान और अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करते हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि सरकारी अधिकारी अकेले इस उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर सकते और उन्हें गैर-सरकारी संगठनों और नागरिक समाज संगठनों के साथ मिलकर काम करना होगा।

नीतीश कुमार आधुनिक बिहार के महानायक :नवल शर्मा

पटना, (वार्ता)। बिहार जनता दल यूनाईटेड (जदयू) के प्रवक्ता नवल शर्मा ने बुधवार को कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आधुनिक बिहार के महानायक हैं। श्री शर्मा ने आज बयान जारी कर कहा कि आजादी के बाद यूं तो बिहार की राजनीति में कई बड़े नेताओं ने योगदान दिया, लेकिन प्रशासनिक सुधार, आर्थिक विकास और सामाजिक संतुलन को एक साथ साधने और आगे बढ़ाने का काम यदि किसी एक नेता ने किया, तो वह नीतीश कुमार हैं। इन अर्थों में नीतीश कुमार आजादी के बाद बिहार के सबसे बड़े महानायक हैं। जदयू नेता ने कहा कि श्री कुमार केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि परिवर्तन की परिभाषा हैं।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

78 वर्ष के हुये डैनी

बॉलीवुड के जाने-माने चरित्र अभिनेता डैनी आज 78 वर्ष के हो गये। 25 फरवरी 1948 को जन्में डैनी बचपन के दिनों में सेना मे काम करना चाहते थे। डैनी ने पश्चिम बंगाल से सर्वश्रेष्ठ कैडेट का पुरस्कार जीता और गणतंत्र दिवस के मौके पर परेड में भाग भी लिया। बाद में देश के प्रतिष्ठित आर्म फोर्सेज मेडिकल कॉलेज पुणे में उनका चयन भी हो गया लेकिन उन दिनों उनका मन चिकित्सक बनने की बजाय किसी अभिनेता बनने की ओर हो गया और उन्होने पुणे फिल्म इंस्टीच्यूट में अभिनय के प्रशिक्षण के लिये दाखिला ले लिया।अभिनय का प्रशिक्षण लेने के बाद डैनी ने अपने सिने कैरियर की शुरूआत नेपाली फिल्म सलिनो से की जो टिकट खिड़की पर सुपरहिट साबित हुई। इस बीच उन्होंने नेपाली फिल्मों के लिए पार्श्वगायन भी किया। सत्तर के दशक में अभिनेता बनने का सपना लिए डैनी मुंबई आ गए। अपने वजूद को तलाशते वह लगभग तीन वर्ष तक संघर्ष करते रहे।इस बीच उन्होंने रॉखी और हथकड़ी, मिलाप, जरूरत, नया नशा, नई दुनिया नए लोग, चालाक और खून-खून जैसी कई बी ग्रेड फिल्मों में काम किया लेकिन ये सभी टिकट खिड़की पर असफल साबित हुई। इस बीच उन्हें गुलजार की सुपरहिट फिल्म मेरे अपने में छोटी सी भूमिका निभाने का अवसर मिला।वर्ष 1973 में प्रदर्शित फिल्म धुंध बतौर अभिनेता डैनी के सिने करियर की महत्वपूर्ण फिल्म साबित हुई। इस फिल्म में उन्होंने एक ऐसे दबंग अपाहिज व्यक्ति का किरदार निभाया, जो अपनी पत्नी पर जुल्म करता है और उसे शक की नजर से देखता है। ठाकुर रंजीत सिंह के किरदार को सधे हुए अंदाज के साथ पेश कर वह दर्शकों का दिल जीतने में सफल रहे।

फिल्म धुंध की सफलता के बाद डैनी को बतौर खलनायक अच्छी फिल्मों के प्रस्ताव मिलने शुरू हो गए। इन फिल्मों में खोटे सिक्के, 36 घंटे, काला सोना, लैला मजनू, कालीचरण और फकीरा जैसी बड़े बजट की फिल्में शामिल थीं। इन फिल्मों में अपने दमदार अभिनय से डैनी ने दर्शको का दिल जीत लिया और फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने में कामयाब हो गए।इस बीच डैनी को जे.पी.सिप्पी की फिल्म शोले में गब्बर सिंह की भूमिका निभाने का प्रस्ताव मिला। लेकिन डैनी उन दिनों फिल्म धर्मात्मा की शूटिंग में व्यस्त थे और समय नहीं रहने के कारण उन्होंने फिल्म में काम करने से इन्कार कर दिया। वर्ष 1990 डैनी को मुकुल एस.आनंद की फिल्म अग्निपथ में काम करने का मौका मिला। इस फिल्म में उनके अभिनय के नए आयाम देखने को मिले। फिल्म में उन्हें महानायक अमिताभ बच्चन के साथ काम करने का मौका मिला। इसमें उन्होंने कांचा चीना नामक अंडर वर्ल्ड डॉन की भूमिका निभाई। फिल्म मे अभिनय की दुनिया के इन दोनों महारथियों का टकराव देखने लायक था। फिल्म टिकट खिड़की पर सुपरहिट साबित हुई।नब्बे के दशक में डैनी ने अपने अभिनय को एकरूपता से बचाने और स्वयं को चरित्र अभिनेता के रूप में स्थापित करने के लिए अपनी भूमिकाओं में परिवर्तन भी किया।

इस क्रम में वर्ष 1991 में प्रदर्शित सावन कुमार की सुपरहिट फिल्म सनम वेवफा में उन्होंने सलमान खान के पिता की रोबदार भूमिका निभाई।सनम बेवफा में डैनी का सामना सदी के खलनायक प्राण से हुआ लेकिन डैनी अपने सशक्त अभिनय से प्राण को कड़ी टक्कर देने में सफल रहे। अपने दमदार अभिनय के लिए डैनी अपने सिने कैरियर में पहली बार सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता के फिल्म फेयर पुरस्कार से भी समानित किए गए।वर्ष 1992 में डैनी के सिने करियर की एक और महत्वपूर्ण फिल्म खुदा गवाह प्रदर्शित हुई। मुकुल आंनद निर्देशित इस फिल्म में उन्होंने अमिताभ बच्चन के मित्र खुदाबश की भूमिका निभाई और अपने दमदार अभिनय के लिए अपने दूसरी बार सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता के फिल्म फेयर पुरस्कार से सम्मानित किए गए।

पांच दशक लंबे फिल्मी कैरियर में खलनायक, नायक, चरित्र अभिनेता के रूप में अपनी अनूठी अभिनय शैली से दर्शकों का मनोरंजन करने वाले डैनी को घोड़े और घुड़सवारी करने का भी शौक है। इसके अलावा वह लेखन, चित्रकला और मूर्तिकला में भी विशेष रुचि रखते है। डैनी ने कई नेपाली फिल्मों में गाने भी गाए हैं। डैनी को वर्ष 2003 में देश के चौथे सबसे बड़े नागरिक समान पदमश्री से अलंकृत किया गया। डैनी आज भी जोशो खरोश के साथ फिल्म इंडस्ट्री में सक्रिय हैं।

अड़ीवी शेष ने दो अलग-अलग किरदारों को साथ निभाने पर की बात

अड़ीवी शेष इस समय दो बिल्कुल अलग दुनिया वाली फिल्मों – डकैत और जी 2 – में काम कर रहे हैं।

इन दोनों प्रोजेक्ट्स के ज़रिए अड़ीवी शेष अपने अभिनय की अलग-अलग झलक दिखा रहे हैं।डकैत में वह एक देसी, ग्रामीण और भावनाओं से भरे किरदार में नज़र आएंगे। यह फिल्म कच्ची, धूल-भरी और कठोर दुनिया को दिखाती है, जहां उनका किरदार हालात और जज़्बात के बीच जीने की लड़ाई लड़ता है। यह कहानी भावनाओं और इंसानी संघर्ष पर आधारित है।वहीं जी 2 में उनका अंदाज़ बिल्कुल अलग है। इसमें वह एक स्मार्ट, स्टाइलिश और ग्लोबल इंटेलिजेंस स्पाई के रूप में नज़र आएंगे। यह किरदार दिमाग, रणनीति और बड़े स्तर की कहानी पर आधारित है। अड़ीवी शेष ने इन दोनों अलग किरदारों को एक साथ निभाने पर कहा,मुझे सबसे ज़्यादा जो चीज़ उत्साहित करती है, वह है इन दोनों दुनियाओं का अलग होना। डकैत में सब कुछ भावनात्मक, सहज और पूरी तरह देसी है।यह जीने की जंग, दर्द और इंसानी फैसलों की कहानी है। वहीं जी2 में तरीका बिल्कुल अलग है। यह ज़्यादा रणनीतिक, नियंत्रित और इंटेलिजेंस पर आधारित है, जो एक स्टाइलिश और ग्लोबल दुनिया में सेट है। इन दोनों मानसिकताओं के बीच बदलाव करना रचनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण है, लेकिन यही मेरे लिए इस दौर को खास और संतोषजनक बनाता है। एक तरफ मिट्टी और संघर्ष से जुड़ी कहानी, तो दूसरी तरफ इंटेलिजेंस और रणनीति की तेज दुनिया।

45 वर्ष के हुए शाहिद कपूर

बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता शाहिद कपूर आज 45 वर्ष के हो गये। 25 फरवरी 1981 को दिल्ली में जन्में शाहिद कपूर को अभिनय की कला विरासत में मिली।शाहिद कपूर के पिता पंकज कपूर जाने-माने अभिनेता है।शाहिद कपूर ने अपने करियर की शुरूआत विज्ञापन फिल्मों से की।बतौर अभिनेता शाहिद कपूर ने अपने करियर की शुरूआत वर्ष 2003 में प्रदर्शित फिल्म इश्क विश्क से की। फिल्म को टिकट खिड़की पर औसत सफलता मिली।इस फिल्म के लिये शाहिद कपूर फिल्म फेयर की ओर से सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के डेब्यू पुरस्कार से सम्मानित किये गये।इश्क विश्क के बाद शाहिद कपूर ने फिदा,दिल मांगे मोर,दीवाने हुये पागल,वाह लाइफ हो तो ऐसी,शिखर,36 चाइना टाउन,चुप चुप के जैसी कुछ फिल्मों में काम किया लेकिन सभी फिल्में टिकट खिड़की पर ढ़ेर हो गयी। वर्ष 2006 में शाहिद कपूर को सूरज बड़जात्या की फिल्म विवाह में काम करने का अवसर मिला।इस फिल्में में शाहिद कपूर ने संजीदा अभिनय निभाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। फिल्म टिकट खिड़की पर सुपरहिट साबित हुयी।इसके साथ हीं शाहिद फिल्म इंडस्ट्री में अपनी खोई हुयी पहचान बनाने में कामयाब हो गये।वर्ष 2007 में प्रदर्शित फिल्म जब वी मेट शाहिद कपूर के करियर की उल्लेखनीय फिल्मों में शुमार की जाती है।इम्तियाज अली के निर्देशन में बनी इस फिल्म में शाहिद कपूर और करीना कपूर की जोड़ी को दर्शकों ने बेहद पसंद किया।जब वी मेट टिकट खिड़की पर सुपरहिट साबित हुयी।इस फिल्म के लिये शाहिद कपूर सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के फिल्म फेयर पुरस्कार से नामांकित किये गये। वर्ष 2013 में शाहिद कपूर की फटा पोस्टर निकला हीरो और आर.राजकुमार प्रदर्शित हुयी।प्रभुदेवा के निर्देशन में बनी फिल्म आर.राजकुमार को टिकट खिड़की पर औसत सफलता मिली है।इस फिल्म में शाहिद कपूर ने अपने जबरदस्त एक्शन दृश्य के जरिये दर्शकों का दिल जीत लिया।शाहिद कपूर की वर्ष 2014 में फिल्म हैदर प्रदर्शित हुयी ।विशाल भारद्वाज के निर्देशन में बनी फिल्म हैदर में अपने दमदार अभिनय के लिये शाहिद कपूर सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के फिल्म फेयर पुरस्कार से सम्मानित किये गये। वर्ष 2015 में शाहिद ने मीरा राजपूत के साथ शादी कर ली। इसके बाद शाहिद की उड़ता पंजाब, रंगून, पद्मावत, कबीर सिंह,जर्सी,तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया और देवा जैसी फिल्में प्रदर्शित हुयी।

म.प्र. राज्य कर्मचारी संघ ने जिला प्रशासन के माध्यम से प्रांतीय आव्हान पर 30 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

म.प्र. राज्य कर्मचारी संघ के प्रांतीय आव्हान पर मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव के नाम जिला प्रशासन नरसिंहपुर के माध्यम से 30 सूत्रीय ज्ञापन मांग पत्र जिला शाखा नरसिंहपुर द्वारा सौपा गया। मांग पत्र में प्रमुख रूप से केन्द्र के समान मंहगाई भत्ता, अध्यापक संवर्ग के सेवा अवधि के गणना नियुक्त दिनांक से ग्रेज्युटी अर्जित अवकाश पेंशन निर्धारण करने, कर्मचारी एवं पेंशनरों केशलेश स्वास्थ्य बीमा का लाभ प्रदान करने, संवर्ग की वेतन विसंगति ग्रेड पे पदनाम परिवर्तन के लिए वेतन आयोग का गणन करने, प्रदेश के कर्मचारियों को तीसरी संतान होने के फलस्वरूप हो रही कार्य को तत्तकाल रोकने, दो वर्ष की परीवीक्षा अवधि करने, नवीन

पेंशन योजना के स्थान पर पूर्व पेंशन योजना देने, शीघ्र पदोन्नति प्रारंभ करने, कर्मचारी समूह बीमा में वृद्धि कर 20/30/40 लाख करने, संविदा कर्मचारियों को 100 प्रतिशत नियमित पदानुसार वेतन देने, स्वास्थ्य विभाग के नियमित संविदा कुष्ट कर्मचारियों एन.एम.ए.एन.एम.एस. लिपिकों को विभाग में रिक्त पद में समायोजित करने, मैदानी लिपिक संवर्ग को मंत्रालयीन लिपिकों की भाती समयमान वेतनमान देने, कृषि विस्तार अधिकारियों को सर्वेयर के समान वेतन देने, शिक्षक संवर्ग को चतुर्थ समयमान का आदेश करने, रोजगार सहायक को नियमित करने, पटवारी संवर्ग का वेतन कैडर रिव्यू करने, आदि प्रमुख सभी 30 सूत्रीय प्रमुख मांगों हेतु ज्ञापन सौपते समय संघ के जिला जिला संरक्षक गजेन्द्र नायक, जिला अध्यक्ष संजय लमानिया, जिला कोषाध्यक्ष आर.आर. अवस्थी, तहसील अध्यक्ष दिनेशकुमार परतेती, सचिव जगतसिंह ठाकुर, भोजराज उपाध्याय, अरूण दीक्षित, अनुरोध दुबे जिलाध्यक्ष तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ, नारायणसिंह पटेल जिलाध्यक्ष लघु वेतन कर्मचारी संघ, मुकेश दुबे, रामकुमार उईके, रवि ठाकुर, प्रणव सोनकिया, सौरभ उपाध्याय, अरूण नेमा, प्रदीप ओझा, आदिती चौकसे, तरूण शर्मा, गिरिराज यादव, यशवंत गौरे, उमेश मालवीय, आर.एन.एस. रघुवंशी, जे.पी. श्रीवास्तव, नीलेश नामदेव, मनीष तिवारी, अखिलेश रघुवंशी, शुभम डांगी, पिंटू मेहरा, सहित सभी राज्य कर्मचारी संघ के पदाधिकारी उपस्थित थे।

जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती का आगमन, भक्तों ने लिया आशीर्वाद

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी सच्चिदानंद सरस्वती जी महाराज का ग्राम सूखा खैरी में चल रहे एक धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने के उपरांत गाडरवारा के कौड़ियां मार्ग स्थित पांडे भवन श्री सिद्धि विनायक पैलेस में आगमन हुआ।इस अवसर पर भक्तों और धर्मप्रेमियों द्वारा पुष्प वर्षा और जयघोष के साथ उनका भव्य स्वागत किया।तत्पश्चात भक्तजनों ने उनकी पूजा वंदना कर आशीर्वाद ग्रहण किया। उन्होंने अपने प्रेरणादायक प्रवचनों भक्त जनों को लाभान्वित किया। जगद्गुरु शंकराचार्य के आगमन से एक धार्मिक और आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ। करीब आधा घंटा रुकने के पश्चात जगद्गुरु शंकराचार्य कार द्वारा सिवनी के लिए रवाना हो गए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में शिष्यगण एवं श्रद्धालु उपस्थित थे।

7 साल के गुलामे गौस ने रखा पहला रोज़ा परिवार व समाज ने किया उत्साहवर्धन

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

रमजान के पवित्र महीने में मुस्लिम समुदाय के लोग रोज़ा रखकर अल्लाह की इबादत में मशगूल हैं। नगर की मस्जिदों में रोज़ा इफ्तार के समय का नज़ारा काफी खुशनुमा दिखाई दे रहा है। रोजेदार पूरे दिन रोज़ा रखकर शाम को इफ्तार करते हैं और नमाज़ अदा कर अल्लाह से दुआ मांगते हैं। रमजान के इस मुबारक महीने में जहां बुजुर्ग और युवा इबादत में लीन हैं, वहीं बच्चों में भी खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

चावड़ी वार्ड निवासी सप्पू खान के सात वर्षीय बेटे गुलामे गौस ने पूरे जज़्बे और शिद्दत के साथ अपना पहला रोज़ा रखा। कम उम्र में रोज़ा रखने की उनकी लगन और उत्साह को देखकर परिवारजन व समाज के लोगों ने उनकी हौसला अफजाई की और मुबारकबाद देते हुए उनका इस्तकबाल किया। इस अवसर पर परिजनों ने अल्लाह से दुआ की कि गुलामे गौस आगे भी इसी तरह दीन की राह पर चलते रहें। रमजान का यह पवित्र महीना आपसी भाईचारे, सब्र और इबादत का संदेश देता है, जिसमें छोटे बच्चे भी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं।

विजयवर्गीय पर कार्यवाही की मांग

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

मध्य प्रदेश आदिवासी विकास परिषद जिला शाखा नरसिंहपुर द्वारा राज्यपाल भोपाल को संबोधित ज्ञापन कलेक्टर नरसिंहपुर के माध्यम से भेजा जा रहा है परिषद इसमें निम्न बिंदुओं पर मांग करती है दिनांक 19 फरवरी 2026 को विधानसभा सत्र में राज्यपाल के अभी भाषण पर चर्चा के दौरान प्रतिपक्ष श्री उमंग सिंघार द्वारा प्रदेश में संसाधनों के आवंटन में पक्षपात के मुद्दे को उठाया जा रहा था इस पर प्रतिक्रिया देते हुए संसदीय कार्य मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गी द्वारा औकात में रहना जैसे शब्दों का प्रयोग किया गया जो न केवल अत्यंत आपत्तिजनक है बल्कि पूर्णता असंसदीय एवं अपमानजनक असंवैधानिक भी है संगठन मांग करता है .श्री कैलाश विजयवर्गी तत्काल मंत्री पद से इस्तीफा देना चाहिए इस संसदीय

एवं अपमानजनक टिप्पणी के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगी जानी चाहिए एवं भविष्य में ऐसी पुनरावृति रोकने के लिए ठोस कार्रवाई की जाना चाहिए अत: आपसे निवेदन है ज्ञापन पर आवश्यक कार्रवाई करने की कृपा करें धन्यवाद ज्ञापन देने वालों में सर्वश्री राजकुमार पन्द्रे जिला अध्यक्ष मध्य प्रदेश आदिवासी विकास परिषद नरसिंहपुर अध्यक्ष एवं युवा प्रभाग अध्यक्ष कमलेश कुमार उईके अध्यक्ष महिला प्रभाग श्रीमती भगवती तेकाम पूर्व जिला अध्यक्ष कढोरीलाल ठाकुर सुरेश तेकाम संजय भलावी जिला अध्यक्ष भारत आदिवासी पार्टी दौलत मस्कोले ईश्वर ठाकुर विजय मरकाम राजेंद्र कुर्वेति एवं बहुत संख्या में आदिवासी लोग उपस्थित रहे।

जिले के 9 हजार 317 किसानों ने ई-टोकन के माध्यम से उर्वरक का किया क्रय

जिले के किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने किए जा रहे लगातार प्रयास

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। उप संचालक कृषि श्री मोरिस नाथ ने बताया कि ई- विकास प्रणाली (ई-टोकन उर्वरक वितरण) अंतर्गत जिले में 24 फरवरी तक की स्थिति में 27 हजार 469 किसानों के द्वारा रजिस्ट्रेशन कराया गया, जिसमें से 14 हजार 107 किसानों द्वारा ई-टोकन जनरेट किये गये और 9 हजार 317 किसानों द्वारा ई-टोकन के माध्यम से उर्वरक क्रय किया गया है। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के मार्गदर्शन में जिले के किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। जिले में किसानों के लिए उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जा रही है और जिले में उर्वरकों की रैक प्राप्त हो रही है। इसी क्रम में नरसिंहपुर रैक प्वाइंट पर इफको कम्पनी की यूरिया रैक प्राप्त हुआ। उप संचालक कृषि ने रैक प्वाइंट पर जाकर उर्वरक का निरीक्षण किया। जिले में रेक आने के 2 दिवस के अंदर पोर्टल पर ई- टोकन बुक करने के लिए प्रात: 11 बजे स्टॉक अपडेट किया जायेगा, जिसका वितरण शीघ्र ही ई-विकास प्रणाली से किसानों को किया जायेगा। किसान ई-टोकन बुक एवं वितरण केन्द्र चयन करते समय यदि सेवा सहकारी समिति में तकनीकी समस्या आती है, तो जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक नरसिंहपुर से संपर्क करें। मार्कफेड वितरण केन्द्र चयन करते समय यदि तकनीकी समस्या आती है, तो जिला विपणन अधिकारी नरसिंहपुर से संपर्क करें। निजी/ प्राईवेट वितरण केन्द्र चयन करते समय यदि तकनीकी समस्या आती है, तो उप संचालक कृषि नरसिंहपुर के कार्यालय में संपर्क कर सकते है।

विकसित भारत युवा संसद 2026 आपातकाल के 50 वर्ष विषय पर 27 को नरसिंहपुर में जिला स्तरीय आयोजन

मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी करेंगे युवाओं को संबोधित

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। युवा एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार तथा राष्ट्रीय सेवा योजना (ह्रस्) के संयुक्त तत्वावधान में चविकसित भारत युवा संसद 2026च के अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 27 फरवरी 2026 को प्रात: 11ः00 बजे से स्थानीय प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नरसिंहपुर के ऑडिटोरियम हॉल में किया जाएगा। इस गरिमामयी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व राज्यसभा सांसद माननीय श्री कैलाश सोनी जी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम का मुख्य विषय आपातकाल के 50 वर्ष भारतीय लोकतंत्र के लिए सबक निर्धारित किया गया है। महाविद्यालय के प्राचार्य एवं आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. आर. बी. सिंह ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य युवाओं को लोकतांत्रिक मूल्यों, संवैधानिक परंपराओं और संसदीय प्रणाली की कार्यप्रणाली से व्यावहारिक रूप से परिचित कराना है।

1975-77 के आपातकाल के ऐतिहासिक संदर्भों पर चर्चा के माध्यम से विद्यार्थी लोकतंत्र की मजबूती और नागरिक अधिकारों के महत्व को समझ सकेंगे। जिला स्तरीय इस प्रतियोगिता में नरसिंहपुर जिले के वे सभी विद्यार्थी सहभागिता कर सकेंगे जिनकी आयु 18 से 25 वर्ष के बीच है तथा जिन्होंने माय भारत पोर्टल पर अपना पंजीयन पूर्व में कराया है। प्रतिभागी संसदीय प्रक्रिया की तर्ज पर तर्कपूर्ण ढंग से अपने विचार प्रस्तुत करेंगे।इस प्रतियोगिता के माध्यम से जिले के शीर्ष 10 वक्ताओं का चयन किया जाएगा, जिन्हें आगामी राज्य स्तरीय युवा संसद में जिले का प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्राप्त होगा। आयोजन का उद्देश्य युवाओं में नेतृत्व क्षमता, तार्किक सोच और प्रखर अभिव्यक्ति कौशल का विकास करना है।प्राचार्य डॉ. आर. बी. सिंह एवं आयोजन समिति ने जिले के सभी युवाओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस जिला स्तरीय युवा संसद में सम्मिलित होकर इसे सफल बनाएं। यह आयोजन युवाओं के लिए न केवल एक प्रतियोगिता है, बल्कि प्रबुद्ध वक्ताओं के सानिध्य में लोकतांत्रिक मूल्यों को आत्मसात करने का एक स्वर्णिम अवसर भी है।

बसुरिया सेक्टर में समितियों का भ्रमण कर किया पौधरोपण

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

मप्र जनअभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री जयनारायण शर्मा ने विकासखंड चीचली के सेक्टर क्रमांक 2 बसुरिया में ग्राम प्रस्फुटन समितियों का भ्रमण कर शासन की विभिन्न गतिविधियों की समीक्षा की। इस दौरान एनसीआई हाई स्कूल परिसर में पौधरोपण किया।

उन्होंने ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों की बैठक दो अलग-अलग स्थानों पर आयोजित कर कार्यों, दायित्वों, शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन आदि के संबंध में चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान शाला के शिक्षक, नवांकुर संस्था हरदौल जन सेवा समिति बसुरिया के अध्यक्ष, सचिव, परामर्शदाता, समिति के सदस्य व ग्रामवासी मौजूद थे।

अवैध मादक पदार्थ - 152 किलोग्राम गांजा जप्त, एक अंतर्राज्यीय तस्कर पुलिस गिरफ्त में

अवैध गांजा तस्करी में प्रयुक्त पिकअप वाहन पुलिस ने किया जप्त

लगभग 50 लाख मूल्य का मशरूका जप्त किया गया

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। पुलिस द्वारा पुलिस अधीक्षक डॉ. ॠषिकेश मीना के निर्देशन में अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध किया जा रहा है। अभियान के तहत लगातार बड़ी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ जप्त किए जा रहे है। इसी क्रम में एक विश्वसनीय मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक पिकअप वाहन द्वारा भारी मात्रा में अवैध गांजा राष्ट्रीय राजमार्ग-44 मार्ग से झांसी (उत्तर प्रदेश) की ओर परिवहन किया जा रहा है। सूचना पर पुलिस अधीक्षक डॉ. ॠषिकेश मीना के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संदीप भूरिया के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी नरसिंहपुर श्री मनोज गुप्ता के नेतृत्व में थाना कोतवाली की विशेष टीम गठित की गई। टीम द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर नाकेबंदी कर घेराबंदी करते हुए आरोपी को मय माल गिरफ्तार करने के निर्देश दिए गए। पुलिस टीम द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर प्रभावी नाकेबंदी की गई। इसी दौरान मुखबिर की सूचना के अनुसार तेज गति से आ रहे पिकअप वाहन को चिन्हित कर पीछा किया गया तथा घेराबंदी कर कपूरी तिराहे के आगे पिकअप वाहन क्रमांक ष्ट्व 06 रू0931 को रोका गया।

खाली कैरेटों के बीच छिपाकर की जा रही थी गांजा तस्करी-पुलिस टीम द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग पर रोके गए पिकअप वाहन की तलाशी ली गयी तलाश के दौरान वाहन में खाली कैरेट भरे हुए पाए गए जिनकी और गहनता से तलाशी ली गयी जिस तस्कर द्वारा बड़ी चालाकी से कैरेटों के बीच बोरियों में भारी मात्रा में भरा हुआ गांजा बरामद हुआ।

छत्तीसगढ़ से उत्तर प्रदेश ले जाया जा रहा था भारी मात्रा में गांजा -वाहन चालक से पूछताछ करने पर उसने अपना नाम रोहित सिंह निवम, निवासी ग्वालियर बताया। गहन पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि वह उक्त अवैध गांजा राजनांदगांव (छत्तीसगढ़) से झांसी (उत्तर प्रदेश) लेकर जा रहा था जो वाहन स्वामी बंटी सोनी के कहने पर लाना बताया गया है। गिरफ्तार आरोपी रोहित सिंह निवम निवासी गवालियर, म.प्र.से लगभग 152 किलोग्राम अवैध गांजा एवं एक पिकअप वाहन (जप्त मशरूका की कीमत लगभग 50 लाख रूपये) किया गया। धारा 8/20 (ख), 29 एन.डी.पी.एस. एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज किया।

उक्त कार्यवाही में थाना कोतवाली से थाना प्रभारी, निरीक्षक गौरव चांटे, सउनि भीम बाक्सर, आरक्षक सौरभ पटेल, आरक्षक अभय तिवारी, आरक्षक नीलेश दुबे, आरक्षक उमेश्वर पाठक, आरक्षक कुलदीप साहू, आरक्षक राहुल दुबे, आरक्षक अनुराग दुबे एवं आरक्षक श्रेय अवस्थी की मुख्य भूमिका रही है।

एक आरोपी से 60 लीटर कच्ची महुआ शराब जप्त

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। पुलिस द्वारा पुलिस अधीक्षक डॉ. ॠषिकेश मीना के निर्देशन में अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध आपरेशन ईगल क्ला किया जा रहा है। अभियान के तहत जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में प्रभावी कार्यवाही करते हुए अवैध शराब की सप्लाई में संलिप्त व्यक्तियों को गिरफ्तार कर, बड़ी मात्रा में अवैध शराब जप्त की जा रही है । इसी क्रम में थाना कोतवाली अंतर्गत एक विश्वसनीय मुखबिर से प्राप्त सूचना हुई कि सींगरी नदी रिप्टा पुल के पास एक व्यक्ति भारी मात्रा में अवैध शराब रखे हुए है। सूचना पर त्वरित कार्यवाही की गई जिसके परिणाम स्वरूप एक स्कूटी चालक से भारी मात्रा में शराब जप्त की जाकर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है आरोपी शिवम नामदोव उर्फ चुर्री निवासी मगरधा, थाना स्टेशनगंज, जिला नरसिंहपुर से लगभग 60 लीटर कच्ची महुआ शराब एवं अवैध शराब की तस्करी में प्रयुक्त एक स्कूटी को जप्त किया गया। धारा 34 (2) आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है।

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय बोहानी की विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक सम्पन्न

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

सीईओ जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश की अध्यक्षता में पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय बोहानी की विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक बुधवार को सम्पन्न हुई। बैठक में विद्यालय की समस्त शैक्षणिक, खेलकूद, गीत संगीत, नृत्यकला, आईसीटी, रोबोटिक्स, आत्मरक्षा आदि उपलब्धियों और गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में आधारभूत ढांचे और निर्माण संबंधी कार्यों के साथ- साथ जल एवं विद्युत आपूर्ति से संबंधित प्रगति से अवगत कराया। सीईओ जिला पंचायत ने विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों पर प्रसन्नता व्यक्त की।

उन्होंने कहा कि जवाहर नवोदय विद्यालय देश के सर्वश्रेष्ठ विद्यालयों में से एक विद्यालय है। उन्होंने निर्माणाधीन स्किल लैब, गणित गार्डन, भूगोल गार्डन का भी अवलोकन किया। इस दौरान विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्रीमती सीमा डोंगरे, अभियंता लोक निर्माण विभाग गाडरवारा श्री सागर पटेल, शासकीय राघव कृषि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बोहानी के प्राचार्य श्री अजय शर्मा, चिकित्सा अधिकारी डॉ. जगदीश वर्मा, विद्यालय के उप प्राचार्य श्री सुरेश कुमार अग्रवाल, समिति के अन्य सदस्य और विद्यालय का स्टॉफ मौजूद था।

वनरक्षक रमेश-ललित को शीघ्र कार्यालय में उपस्थित होने के निर्देश

बालाघाट(स्वतंत्र मत)।

उत्तर सामान्य वनमंडल के वन मण्डलाधिकारी श्री रेंशम सिंह धुर्वे ने पश्चिम बैहर सामान्य परिक्षेत्र के वन रक्षक रमेश कुमार बाहेश्वर एवं ललित मेश्राम को शीघ्र उत्तर वनमंडल कार्यालय बालाघाट में उपस्थित होने के निर्देश दिये है। यदि वे कार्यालय में उपस्थित नही होते है तो उनके विरूद्ध सेवा समाप्ति की कार्यवाही की जाएगी। पश्चिम बैहर सामान्य परिक्षेत्र में पदस्थ वनरक्षक रमेश कुमार बाहेश्वर 01 जनवरी 2025 से अनाधिकृत रुप से बिना किसी सूचना के अपने कर्तव्य से अनुपस्थित है। इसी प्रकार वनरक्षक ललित मेश्राम 01 जून 2024 से 30 नवम्बर 2024 तक स्वास्थ्य खराब होने की सूचना प्रस्तुत कर एवं 01 दिसम्बर 2024 से बिना सूचना एवं आवेदन के अपने कर्तव्य से अनुपस्थित है। जिसके कारण इन दोनो वनरक्षक के विरूद्ध विभागीय जांच संस्थित कर उप वनमंडल अधिकारी उकवा सामान्य को जांचकर्ता अधिकारी नियुक्त किया गया है।

स्वयंसेवकों का मुक्त इकाई के सात दिवसीय

नेतृत्व प्रशिक्षण विशेष शिविर के लिए हुआ चयन

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

राष्ट्रीय सेवा योजना मुक्त इकाई रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय , जबलपुर के द्वारा सात दिवसीय नेतृत्व प्रशिक्षण विशेष शिविर का आयोजन 24 फरवरी से 2 मार्च 2026 को ग्राम बिलखरवा , भेड़ाघाट जबलपुर में किया जा रहा है जिसमें नरसिंहपुर जिले के प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना छात्रा एवं छात्र इकाई से शालिनी चढार, आसना यादव , साक्षी रजक , शिखा साहू , हर्षित चौरसिया, विवेक मेहरा , दिव्यांश ताम्रकार, एवं इतेन्द्र का चयन हुआ है।

सभी स्वयंसेवकों को मुक्त इकाई के शिविर में चयनित होने पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.आर.बी.सिंह एवं राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रानी कुमारी , डॉ.अमित ताम्रकार सहप्रभारी प्रो.प्रीति कौरव , श्रीमती कल्पना साहू , दलनायिका मनीषा राजपूत, सह दलनायिका गरिमा पांडे , दलनायक दिनेश अग्रवाल , सहदलनायक विवेक साहू एवं मीडिया प्रभारी श्रुति गुप्ता , राशिका चौरसिया एवं सभी स्वयंसेवकों के द्वारा शुभकामनाएं प्रेषित की गई ।

लाखों के मोबाइल चोरी करने वाले आरोपी चढ़े कोतवाली पुलिस के हत्थे

कब्जे से 3.50 लाख रुपये के मोबाइल बरामद

कटनी (स्वतंत्र मत)।

20-21 फरवरी की दरमियानी रात थाना कोतवाली कटनी अंतर्गत सब्जी मंडी पलाश होटल के पीछे स्थित मोबाईल युग स्टोर दुकान में शटर तोड़कर लाखों रूपये के मोबाईल फोन चोरी करने वाले अंतर्राज्जीय गिरोह के 03 सदस्यों को गिरफ्तार करने में कोतवाली पुलिस को बड़ी सफ्लता प्राप्त हुई है। 21 फरवरी को फरियादी गांधी हिन्दुजा पिता विशनदास हिन्दुजा उम्र 26 वर्ष नि. शास्त्री कालोनी गली नं. 02 कटनी का थाना कोतवाली कटनी में रिपोर्ट लेख कराया कि इसकी सब्जी मंडी कटनी में मोबाईल युग के नाम से मोबाईल फोन की दुकान है। 21 फरवरी को सूचना मिली की कोई अज्ञात चोर दुकान का शटर तोड़कर दुकान में रखे ओप्पो, वीवो, रीयलमी कंपनी के करीब 20 मोबाईल फोन चोरी कर ले गया है। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली कटनी में अप.क्र. 204/2025 धारा 331 (4), 305 (ए) बीएनएस का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

घटना के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन, अति. पुलिस अधीक्षक एवं नगर पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोतवाली निरी. राखी पाण्डेय को टीम बनाकर आरोपियों की पता तलाश कर माल मशरूका बरामद किए जाने हेतु निर्देशित किया गया।

थाना प्रभारी कोतवाली व उनकी टीम द्वारा घटनास्थल पर लगे सीसीटीव्ही फुटेज का बारीकी से निरीक्षण किया गया। जिसमें 03 संदिग्ध लड़के दुकान में चोरी की घटना घटित करते हुए दिखे। संदिग्ध व्यक्तियों की पता तलाश हेतु मुखबिर मामूर किए गए एवं सीसीटीव्ही फुटेज विभिन्न व्हाट्स एप ग्रुप में प्रसारित कर दस्तयावी के प्रयास किए गए। साथ ही सायबर सेल कटनी से तकनीकी सहायता प्राप्त की गई।

विवेचना के क्रम में घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीव्ही फुटेज का अवलोकन करने पर संदेही मेन रेल्वे स्टेशन कटनी से सतना जाने वाली ट्रेन में जाते हुए दिखाई दिए। जो तत्काल 02 टीमों को मैहर, सतना, रीवा की ओर खाना किया गया। टीमों के द्वारा कई स्थानों पर लगे सीसीटीव्ही कैमरों का गहन अध्ययन करने पर तीनों संदेही पुनः सतना रेल्वे स्टेशन से भोपाल तरफ जाने वाली ट्रेन में जाते दिखे। जिसके आधार पर एवं सायबर सेल की मदद से संदेही व्यक्तियों की पता तलाश भोपाल, इटारसी, जबलपुर तरफ की गई। जो संदेही व्यक्तियों को महाराज ढ़ाबा सिहोरा बायपास सिहोरा के पास पकड़ा गया। पूछताछ पर तीनों व्यक्तियों ने कटनी की सब्जी मंडी स्थित मोबाईल दुकान में चोरी की घटना कारित करना स्वीकार किया।

आरोपियों के कब्जे से दुकान से चोरी किए गए 20 नग मोबाईल फोन बरामद किए गए। बाला उर्फ अक्षय पिता हेमराज कोबाड़ उम्र 26 वर्ष नि. हिगना थाना हिगना जिला नागपुर महाराष्ट्र, सद्दाम उर्फ निसार पिता नासिर खान उम्र 21 वर्ष नि. इरशाद कॉलोनी खजराना थाना खजराना इंदौर, ताहिर पिता मजीद खान उम्र 23 वर्ष नि. खजुरी कला थाना पिपलानी भोपाल, बरामद मशरूका- अलग-अलग कंपनीयों के 20 नग मोबाईल फोन कीमती 03 लाख 50 हजार रू- गिरफ्तार हुए आरोपी भोपाल, इंदौर व नागपुर अलग-अलग स्थानों के रहने वाले है जो घूम-घूम कर रैकी करने के उपरांत चोरी की घटनाओं को अंजाम देते है। जिन्होनें पूर्व में नासिक, जलगांव व अन्य स्थानों में चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया गया किन्तु पकड़े नहीं गए। गिरफ्तार आरोपियों के विरूद्ध पूर्व से दूसरे राज्यों में भी अपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध होना पाए गए है। उक्त आरोपी अपनी पहचान छिपाकर फर्जी आधार कार्ड/पेन कार्ड का उपयोग करके होटल में रूकते थे और फिर शहर में घूमकर रैकी कर चोरी की घटनाओं को अंजाम देकर अपने-अपने शहरों में भाग जाते है।

आरोपियान से अन्य घटनाओं के संबंध में पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में अति. पुलिस अधीक्षक डॉ. संतोष डेहरिया, नगर पुलिस अधीक्षक नेहा पच्चीसिया के मार्गदर्शन में, थाना प्रभारी कोतवाली निरी. राखी पाण्डेय, चौकी प्रभारी खिरहनी उनि. किशोर द्विवेदी, उनि. कुलदीप सिंह, सउनि. रमेश शरण मिश्रा, विजय गिरी, प्र.आर. रामपाल बागरी, अनिल सेंगर, वीरेन्द्र सिंह, पुष्पराज सिंह, आर. विवेक मिश्रा, प्रवीण सिंह, मंसूर हुसैन, मोहन मण्डलोई, दिनेश सेन, अजीत सिंह, सायबर सेल कटनी से आर. अजय साकेत, चंदन, अमित एवं सीसीटीव्ही कंट्रोल रूम से आर. देवराज सिंह, रोहित शर्मा की अहम भूमिका रही।

बम्हनगवा स्कूल के जर्जर शौचालय की दीवार गिरने के मामले पर प्रशासन सख्त

कलेक्टर ने शाला प्रभारी को किया निलंबित

कटनी (स्वतंत्र मत)।

विकासखण्ड विजयराघवगढ़ के शासकीय माध्यमिक शाला बम्हनगवां में जर्जर शौचालय की दीवार गिरने से घटित हुई दुर्घटना के मामले में कलेक्टर आशीष तिवारी ने सख्त रूख अपनाते हुये शाला प्रभारी एवं माध्यमिक शिक्षक राधा पाण्डेय को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इसी मामले में अभी कुछ दिन पहले ही कलेक्टर ने संविदा उपयंत्री को कार्य से विरत किया था। इस घटना के संबंध में जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र कटनी के द्वारा शाला प्रभारी पाण्डेय को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया था। जिसके बाद पाण्डेय द्वारा लिखित प्रतिवाद प्रस्तुत किया गया। जिसमें उन्होंने शासकीय माध्यमिक शाला बम्हनगवां के निरसन हेतु प्रस्ताव कार्यालय में प्रस्तुत करने एवं विद्यालय समय में प्रसाधनों में ताले नहीं लगाने का उल्लेख किया था। जिसमें पाया गया कि वरिष्ठ कार्यालय द्वारा कई बार निर्देशित किये जाने पर भी भवनों की सुरक्षा एवं जर्जर दिवारों पर ध्यान नहीं दिया गया एवं तत्संबंधी जानकारी वरिष्ठ कार्यालय को न दिया जाकर घोर लापरवाही की गई है। इस कृत्य से विभाग की छवि धूमिल हुई है, जो कि म.प्र. सिविल सेवा आचरण नियम 1965 में निहित उपनियमों के विपरीत होकर कदाचरण की श्रेणी में आता है। इसके बाद कलेक्टर ने शासकीय माध्यमिक शाला बम्हनगवां की शाला प्रभारी राधा पाण्डेय को मप्र सिविल सेवा वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील नियम 1966 के उपनियम 09 के अंतर्गत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में पाण्डेय का मुख्यालय कार्यालय विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कटनी नियत किया गया है एवं इस दौरान उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी। उल्लेखनीय है कि इसके पूर्व प्रारंभिक जांच में जनपद शिक्षा केन्द्र विजयराघवगढ़ के संविदा उपयंत्री मनोज स्वर्णकार की लापरवाही मानते हुये कलेक्टर आशीष तिवारी ने, उपयंत्री को शासकीय कार्यों से विरत करते हुये जांच संस्थित कर जाँच अधिकारी नियुक्त कर दिया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शैक्षणिक संस्थानों में विद्यार्थियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा इस प्रकार की लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

विधायक संजय पाठक ने उठाई उबरा से धवैया तक सड़क निर्माण की मांग

कटनी (स्वतंत्रमत)। विधानसभा के बजट सत्र के दौरान विधायक संजय पाठक ने विधानसभा में याचिका के माध्यम से विजयराघवगढ़ विधानसभा के ग्राम पंचायत उबरा, मनघटा और धवैया को सड़क मार्ग से एक दूसरे से सीधे जोड़ने की मांग उठाई और विधानसभा अध्यक्ष के माध्यम से शासन को सूचित करते हुए जनहित को देखते हुए इस मांग पर जल्द से जल्द विचार करते हुए सड़क निर्माण की स्वीकृति प्रदान करने हेतु अनुरोध किया। विजयराघवगढ़ के बरही तहसील अंतर्गत आने वाले ग्राम मनघटा और धवैया सहित अन्य आसपास के निवासियों को गैरतलाई क्षेत्र की ओर आवागमन के लिए बरही नगर घूमते हुए 20 से 30 किलोमीटर दूरी आने जाने में 50 किलोमीटर चक्कर लगाना होता है जबकि यदि उबरा से मनघटा होते धवैया तक सड़क निर्माण हो जाए तो यह दूरी 15 किलोमीटर रह जानी है जिससे गरीबों किसानों के काम आने वाले ट्रैक्टर, थ्रेसर हार्वेस्टर के साथ ही तरह तरह का छोटा व्यापार करने वाले व्यापारियों को भी इस सीधी सड़क के निर्माण से फायदा होगा। इस सड़क के निर्माण की बात को विधायक संजय पाठक ने याचिका प्रस्तुत करते हुए शासन के समक्ष रखा है।

संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा में गूंजा कृष्ण जन्मोत्सव का उल्लास

कटनी (स्वतंत्रमत)।

विजयराघवगढ़ ग्राम गौरहा मे आयोजित संगीतमय श्रीमद्भागवत महापुराण कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। 18 फरवरी से प्रारंभ हुई यह पावन कथा 25 फरवरी 2026 तक चलेगी जिसमें प्रतिदिन प्रातः 7 बजे से 11 बजे तक मूल पाठ एवं दोपहर 3 बजे से प्रभु इच्छा तक कथा प्रवचन हो रहा है। पूजनीय दादीजी की पुण्य स्मृति में आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान में भगवान भोलेनाथ एवं पूर्वजों के आशीर्वाद से संपूर्ण वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। कथा के क्रम में विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से श्रद्धालु श्रीमद्भागवत की अमृत वर्षा का रसपान कर रहे हैं। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की झांकी सजाई गई भजन कीर्तन के साथ नंदोत्सव मनाया गया और श्रद्धालुओं ने नंद के आनंद भयो जय कन्हैया लाल की के जयकारों से वातावरण गुंजायमान कर दिया। महिलाओं एवं बच्चों ने आकर्षक वेशभूषा में भाग लेकर उत्सव की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर छेत्र के प्रतिष्ठित उद्योगपति शिव भक्त बाबू ग्रोवर भी कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कथा व्यास आचार्य कृष्ण कुमार तिवारी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया और आयोजन की भव्यता एवं आध्यात्मिक वातावरण की सराहना की। कथा व्यास आचार्य कृष्ण कुमार तिवारी महाराज के ओजस्वी एवं मधुर वचनों से श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। उन्होंने श्रीकृष्ण जन्म की महिमा का वर्णन करते हुए बताया कि जब-जब अधर्म बढ़ता है तब-तब भगवान धर्म की स्थापना हेतु अवतार लेते हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। अंत में सभी ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। आयोजक द्वारा 26 फरवरी को उपनयन संस्कार एवं भंडारा प्रसाद वितरण का कार्यक्रम भी रखा गया है जिसमें सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की गई है।

आदित्य बने सेवादल कांग्रेस के युवा अध्यक्ष

कटनी (स्वतंत्रमत)।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी और कांग्रेस सेवादल के प्रदेशाध्यक्ष अवनीश भार्गव की सहमति से जिला कांग्रेस अध्यक्ष अमित शुक्ला एवं ग्रामीण अध्यक्ष सौरभ सिंह की अनुशंसा पर आदित्य जैन को सेवादल कांग्रेस कटनी का युवा अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। नियुक्ति पर कांग्रेसजनों ने बधाई दी है। आदित्य जैन ने नियुक्ति के बाद कहा कि सेवादल में युवाओं को जोड़कर संगठन को मजबूत बनाने के लिए कार्य करेंगे। कांग्रेस पार्टी की विचारधारा जन जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे।

अब 100 नंबर के होंगे कई विषयों के पेपर

उच्च शिक्षा विभाग ने परीक्षा पैटर्न में किया बड़ा बदलाव

कटनी (स्वतंत्र मत)। उच्च शिक्षा विभाग ने नई शिक्षा नीति के तहत स्नातक बीए, बीकॉम, बीएससी प्रथम वर्ष की परीक्षा प्रणाली में बड़ा बदलाव किया है। नई स्कीम सभी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को भेज दी है। अब तक फाउंडेशन कोर्स के हिंदी और अंग्रेजी पेपर ओएमआर शीट पर होते थे लेकिन इस बार से यह व्यवस्था खत्म कर दी है। अब दोनों विषयों की परीक्षा कॉपी पेन मोड पर होगी। नई स्कीम के तहत फाउंडेशन कोर्स हिंदी और अंग्रेजी का अब अलग-अलग 100-100 नंबर का एग्जाम होगा। यह परीक्षा कॉपी पेन मोड पर ही आयोजित की जाएगी। प्रश्न पत्र में अब 50 ऑब्जेक्टिव नहीं पूछे जाएंगे। लघु और दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे। यानी पहले की तरह पुराना सिस्टम लागू किया जाएगा। उच्च शिक्षा विभाग ने फाउंडेशन कोर्स से योग और पर्यावरण अब हटा दिया है। पहले यह सेकंड पेपर के तौर पर होता था।

अब यूजी फर्स्ट ईयर में यदि स्टूडेंट्स के 20 की जगह 14 क्रेडिट आते हैं तो भी सेकंड ईयर में प्रमोट हो जाएंगे। अब तक सीसीई और थ्योरी दोनों में मिलाकर 35 फीसदी अंक लाने पर पास हो जाते थे। लेकिन अब सीसीई और थ्योरी में अलग-अलग 35 फीसदी अंक लाना होगा तभी पास माना जाएगा। इससे जिले के दस सरकारी समेत निजी कॉलेजों के मिलकर 10 से 12 हजार छात्र व छात्राओं पर इसका असर पड़ेगा।

100-100 नंबर की होगी परीक्षा - नई शिक्षा नीति के तहत इस साल से यूजी फर्स्ट ईयर में योग और पर्यावरण विषय नहीं पढ़ाए जाएंगे। पहले ये दोनों विषय फाउंडेशन कोर्स के तहत सेकंड पेपर के रूप में अनिवार्य थे। लेकिन उच्च शिक्षा विभाग ने अब इन्हें कोर्स से हटा दिया है। इस बदलाव का असर यह होगा कि छात्रों को फाउंडेशन कोर्स में केवल हिंदी और अंग्रेजी ही पढ़नी और परीक्षा देनी होगी। दोनों ही विषय अब अलग-अलग 100 अंकों के होंगे और परीक्षा कॉपी पेन मोड में होगी।

ये होगा होगा परीक्षा पास करने का पैमाना - अब 20 की जगह 14 क्रेडिट आए तो भी प्रमोट होंगे। यूजी फर्स्ट ईयर में मेजर के पहले दो पेपर होते थे और माइनर का एक पेपर होता था। इलेक्टिव का एक पेपर होता था। प्रत्येक पेपर 6-6 क्रेडिट का होता था। पहले फाउंडेशन के दो पेपर होते थे। जो चार-चार क्रेडिट के होते थे। पहले वोकेशनल सब्जेक्ट का पेपर क्रेडिट का होता था और प्रोजेक्ट भी 4 क्रेडिट का होता था। इस तरह 40 क्रेडिट का कुल एग्जाम होता था। अब जो नई स्कीम आई है। उसमें मेजर सब्जेक्ट के अब तीन पेपर होंगे। सभी 6-6 क्रेडिट के होंगे। माइनर के दो पेपर होंगे। जो 4-4 क्रेडिट के होंगे। मल्टी डिसीप्लीनरी सब्जेक्ट 3 क्रेडिट का होगा। फाउंडेशन कोर्स के अब दो पेपर होंगे, जो दो-दो क्रेडिट के होंगे।

होली पर ठहाकों से गूंजेगा गर्ग चौराहा

देश के ख्यातिलब्ध हास्य-व्यंग्य कवियों का समागम 5 मार्च को

कटनी (स्वतंत्र मत)। आपसी सदभाव के सतरंगी पर्व होली पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी एक शाम शहीदों के नाम होली हास्य हंगामा अखिल भारतीय विराट कविसम्मेलन का ऐतिहासिक कार्यक्रम किया जा रहा है। जिसकी समस्त तैयारियां जोरशोर से चल रही है। कविस्मेलन में महिलाओं के बैठने की विशेष व्यवस्था की जायेगी। कवि सम्मेलन की तैयारियों के लिये गत दिवस संतनगर स्थित सरावगी सदन में एक आवश्यक बैठक आयोजित की गयी जिसमें कार्यक्रम को सफल बनाने समिति गठित कर सदस्यों को अलग अलग जिम्मेदारी सौंपी गयी। एक शाम शहीदों के नाम होली हास्य हंगामा नगर के ख्यातिलब्ध हास्य व्यंग्य कवि मनोहर मनोज के सानिध्य एवं कटनी टेंट लाईट एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय सरावगी के संयोजन में आयोजित किया जा रहा है। कटनी टेंट लाईट एसोसिएशन एवं मुक्तिधाम विकास समिति ओमप्रकाश सरावगी निशुल्क विद्यालय के तत्वावधान में आयोजित कविसम्मेलन में देश के ख्यातिलब्ध कवियों का समागम होगा। होली के पावन पर्व पर 5 मार्च को गर्ग चौराहे में सायं 7 बजे से हास्य व्यंग्य श्रृंगार रस ओज के कवियों की महफिल सजेगी। अखिल भारतीय विराट कविस्मेलन में हास्य व्यंग्य के ख्याति लब्ध कवि लाफ्टर शो में अपनी अद्वितीय प्रस्तुति से अपनी अनूठी छवि निरूपित करने वाले सुरेश अलबेला, केके अग्निहोत्री, अतुल ज्वाला, शायर सूरज राय, डॉक्टर प्रेरणा ठाकरे, काव्या मिश्रा, ईश्वर दास पुरवार, मुकेश त्रिपाठी, वैभव अवस्थी, रामखेलावन गर्ग द्वारा कविस्मेलन को गरिममामयी बनाया जायेगा।

मुक्ति धाम विकास समिति एवं कटनी टेंट लाईट एसोसिएशन ने होली पर आयोजित कविसम्मेलन में नगर के साहित्यप्रेमियों से आग्रह किया है अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाये लुत्फ उठाये।

रीठी रोड पर मार्शल और पिकअप में सीधी भिंड़त

कई घायल, दोनों वाहनों के चालकों की हालत गंभीर

कटनी (स्वतंत्र मत)।

कटनी-रीठी मुख्य मार्ग पर बुधवार दोपहर एक हृदयविदारक सड़क हादसा हो गया। गल्ला मंडी के पास एक मार्शल गाड़ी और तेज रफ्तार पिकअप वाहन के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। इस भीषण दुर्घटना में दोनों वाहनों के ड्राइवरों सहित कुल 8 लोग घायल हुए हैं। जानकारी के अनुसार, हादसा दोपहर करीब 12 बजे हुआ। मार्शल गाड़ी क्रमांक एमपी 21 जेडएच 3719 रीठी से कटनी की ओर जा रही थी, तभी सामने से आ रहे एक अनियंत्रित पिकअप वाहन ने उसे सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहनों के अगले हिस्से पूरी तरह चकनाचूर हो गए। भिड़ंत के बाद मार्शल में सवार कई लोग मलबे में फंस गए थे। स्थानीय ग्रामीणों और राहगीरों ने तुरंत सक्रियता दिखाते हुए घायलों को बाहर निकाला। सूचना मिलते ही 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को तत्काल जिला चिकित्सालय कटनी भेजा गया। डॉक्टरों के अनुसार, दोनों वाहनों के चालकों की स्थिति अत्यंत नाजुक बनी हुई है। मार्शल में सवार दो अन्य यात्रियों को भी गंभीर चोटें आई हैं।

दुर्घटना के बाद क्षतिग्रस्त वाहन सड़क के बीचों-बीच फंस गए, जिससे कटनी-रीठी मार्ग पर कई घंटों तक लंबा जाम लगा रहा। मौके पर पहुंची पुलिस ने क्रेन की सहायता से वाहनों को हटाकर यातायात सुचारू कराया।

समृद्ध, संपन्न और विकसित मध्यप्रदेश की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा बजट : बृजेन्द्र प्रताप सिंह

भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में बोले पूर्व मंत्री तथा पन्ना विधायक

कटनी (स्वतंत्र मत)।

मध्यप्रदेश विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट प्रस्तुत किए जाने के बाद भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय कटनी में पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री एवं पन्ना विधायक बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में तथा उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा प्रस्तुत यह बजट समृद्ध, संपन्न, सुखद और विकसित मध्यप्रदेश की परिकल्पना को साकार करने वाला दूरदर्शी दस्तावेज है। जिला अध्यक्ष दीपक टंडन ने बजट का स्वागत करते हुए इसे सर्वसमाज के समग्र विकास, महिला सशक्तिकरण, किसान हित और युवा उन्नति पर केंद्रित बताया। पत्रकार वार्ता में पूर्व जिलाध्यक्ष रामरतन पायल, पूर्व मंत्री अलका जैन, पूर्व महापौर शशांक श्रीवास्तव, जिला महामंत्री सुखदेव चौधरी, कार्यालय मंत्री अम्बरीष वर्मा तथा सोशल मीडिया जिला संयोजक सचिन तिवारी मंचासीन रहे। पत्रकारवार्ता का संचालन जिला मीडिया प्रभारी आशुतोष शुक्ला ने किया।

विकास को गति देने वाला रोलिंग बजट

बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि इस वर्ष का बजट पिछले वर्ष की तुलना में लगभग साढ़े चार प्रतिशत अधिक प्रावधान के साथ प्रस्तुत किया गया है। यह प्रदेश का पहला रोलिंग बजट है, जो आगामी तीन वर्षों के लिए स्पष्ट रोडमैप तैयार करता है। बजट को डिजिटल, पारदर्शी और जनता-केंद्रित बताया गया है। विशेष बात यह है कि लगातार तीसरी बार कोई नया कर नहीं बढ़ाया गया है, जिससे आमजन को राहत मिलेगी।

किसान कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता

उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष घोषित किया गया है। किसानों के लिए 25,000 करोड़ रुपये के कृषि ऋण वितरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। एक लाख सोलर पंप वितरण की योजना से किसानों को बिना अतिरिक्त बिजली लागत के सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। किसान कल्याण योजना हेतु 5,500 करोड़ रुपये का

प्रावधान किया गया है, जिसमें फसल बीमा, ब्याज-मुक्त ऋण एवं अन्य सहायता शामिल हैं। इसके अतिरिक्त फसल बीमा योजना के लिए 1,299 करोड़ रुपये का अलग से प्रावधान रखा गया है।

युवाओं के लिए रोजगार, महिलाओं के लिए सशक्तिकरण

बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि बजट युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध कराने वाला है। महिलाओं और गरीब वर्ग के लिए समर्पित योजनाओं में लाड़ली बहना जैसी योजनाओं को मजबूती दी गई है। स्वास्थ्य, सुरक्षा और शिक्षा के क्षेत्र में भी विशेष प्रावधान किए गए हैं। ग्रामीण एवं कृषि-आधारित अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए व्यापक निवेश प्रस्तावित है।

शिक्षा और स्वास्थ्य में बड़े प्रावधान

बजट में 200 नए संदीपनी स्कूल खोलने का प्रावधान किया गया है, जिससे विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध हो सकेगी। मेडिकल कॉलेजों में कैंसर एवं हृदय रोगों के सुपर स्पेशियलिटी विभाग स्थापित किए जाएंगे, जिससे गंभीर रोगों के उपचार के लिए प्रदेशवासियों को बाहर न जाना पड़े। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में स्टेडियम निर्माण तथा महिला श्रमिकों की सुरक्षा के लिए भी पर्याप्त बजट रखा गया है।

प्रधानमंत्री के विजन का प्रतिबिंब

अपने संबोधन में बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि यह बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन और राज्य सरकार की दूरदर्शी नीतियों का प्रतिबिंब है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह बजट सर्वसमाज के लिए सर्वव्यापी और सर्वस्पर्शी है तथा प्रदेश को आत्मनिर्भर और अग्रणी राज्य बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

भारत के लिए करो या मरो का मुकाबला

चेन्नई (वार्ता)।

खिताब के प्रबल दावेदार के रूप में उतरा गत चैम्पियन भारत करो या मरो के मुकाबले में फंस गया है और सेमीफाइनल की अपनी उम्मीदों के लिए उसे गुरुवार को जिम्बाब्वे को हराना होगा। सुपर 8 में बने रहने की लड़ाई नाम, आंकड़ों या टूर्नामेंट से पहले की हाइप से तय नहीं होती; यह हिम्मत, मेहनत और दबाव में हर रन और हर विकेट के लिए लड़ने की इच्छा से तय होती है। गुरुवार को एमए चिदंबरम स्टेडियम में उमस भरी शाम को, भारत और जिम्बाब्वे दोनों यह जानते हुए मुकाबले में उतरेंगे कि एक और हार न सिर्फ उनके कैंपेन को नुकसान पहुंचाएगी, बल्कि उनके सेमीफ़ाइनल के सपने भी खत्म कर देगी।

यह स्टाइलिश दबदबे का मुकाबला नहीं

यह स्टाइलिश दबदबे का मुकाबला नहीं है; यह लड़ने वालों का मुकाबला है। भारत पर उम्मीदों का बोझ है, लेकिन सिर्फ उम्मीद से स्कोरबोर्ड पर दबाव नहीं पड़ता। उनके बल्लेबाजों को अपनी ताकत दिखाने से पहले सब्र के साथ पारी बनानी होगी। शुरुआती ओवरों में टॉप ऑर्डर को डिसिप्लिन दिखाना होगा, नई गेंद की चुनौती को समझना होगा और फिर कंट्रोल में अटैक करना होगा।

बहुत कुछ सूर्यकुमार यादव पर निर्भर करेगा

बीच के ओवर जंग का मैदान बन जाते हैं जहां या तो मोमेंटम बचाना होता है या खोना होता है। बहुत कुछ सूर्यकुमार यादव के निडर स्ट्रोक प्ले पर निर्भर करेगा, जो एक ऐसे बैट्समैन हैं जो तेज और अहम शॉट सिलेक्शन से गेम की लय बदल सकते हैं। उनका साथ हार्दिक पंड्या की जबरदस्त फिनिशिंग काबिलियत देगी, जिनसे उम्मीद की जाएगी कि वे क्लासिक लेट-इनिंग्स रोल-एब्जॉर्ब प्रेशर निभाएंगे, फिर जब बॉलर थक जाएं और फील्ड फैल जाए तो स्ट्राइक करेंगे।

भारत की बॉलिंग कंट्रोल और पेनेट्रेशन पर बनी है। जसप्रीत बुमराह का अनुभव और सटीकता पावरप्ले और डेथ ओवर्स दोनों में जरूरी होगी, जबकि वरुण चक्रवर्ती का स्पिन कंट्रोल पिच के धीमा होने पर अहम हो सकता है। चेपॉक में पारंपरिक रूप से उन बॉलर्स को इनाम मिलता है जो रॉ पेस के बजाय लेंथ, सब्र और टैक्टिकल इंटेलिजेंस बनाए रखते हैं।

रेप्यूटेशन बनाने के लिए खेल रहा हैं ज़िम्बाब्वे

ज़िम्बाब्वे एक ऐसी टीम के जोश के साथ आएगा जो गेम के हर फेज में मुकाबला करने में यकीन रखती है। वे अपनी रेप्यूटेशन बचाने के लिए नहीं खेल रहे हैं; वे एक रेप्यूटेशन बनाने के लिए खेल रहे हैं। उनके कैप्टन सिकंदर रज़ा बैटिंग ऑर्डर को स्टेबल करने और स्मार्ट स्पिन और टाइट लाइन्स से बीच के ओवर्स को कंट्रोल करने की जिम्मेदारी उठाते हैं।

पिच ज्यादा देर तक आसान रन नहीं देगी

चेपॉक की पिच ज्यादा देर तक आसान रन नहीं देगी। शुरुआत में स्ट्रोक प्ले मुमकिन होगा, लेकिन जब स्पिनर्स मुकाबले में आएंगे तो टिके रहने के लिए हिम्मत चाहिए होगी। पहले बैटिंग करने वाली टीमें आराम से 180-190 तक पहुंचना चाहेंगी, जबकि पीछा करने वाली टीमों को विकेट हाथ में रखने होंगे और बिना सोचे-समझे हिट करने के बजाय सोचे-समझे अटैक पर भरोसा करना होगा।

मुकाबला कड़ा होने पर कौन हार नहीं मानता

इस तरह के मैचों में, स्किल सिर्फ़ आधी कहानी होती है। बाकी आधी कहानी टेम्परामेंट की होती है - जब वर्ल्ड कप के सपने हाथ से निकलते दिखें तो डटे रहने की काबिलियत। आज रात की लड़ाई इस बारे में कम है कि कौन सबसे ज्यादा शॉट खेलता है, बल्कि इस बारे में ज्यादा है कि चेन्नई की भारी शाम की हवा में मुकाबला कड़ा होने पर कौन हार नहीं मानता।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत: सूर्यकुमार यादव, अक्षर पटेल, संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, ईशान किशन, शिवम दुबे, वाशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, रिंकू सिंह, मोहम्मद सिराज।

जिम्बाब्वे: सिकंदर रजा, ब्रायन बेनेट, रयान बर्ल, ग्रीम क्रेमर, ब्रैड इवांस, क्लाइव मडांडे, टिनोटेंडा मापोसा, तदिवानाशे मारुमानी, वेलिंगटन मसकाद्जा, टोनी मुनयोंगा, ताशिंगा मुसेकिवा, ब्लेसिंग मुजरबानी, डियोन मायर्स, रिचर्ड नगारवा, बेन करेन।

अभिषेक और वरुण टी-20 रैंकिंग में शीर्ष पर कायम

दुबई (वार्ता)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की बुधवार को जारी ताजा टी-20 रैंकिंग में भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और स्पिन गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती शीर्ष पर बने हुए हैं। आईसीसी की आज जारी रैंकिंग के अनुसार भारत और श्रीलंका की मेजबानी में चल रहे टी-20 विश्वकप में अभिषेक शर्मा खराब फॉर्म के बावजूद टी-20 बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर है। वहीं दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ महंगे प्रदर्शन के बावजूद स्पिनर वरुण चक्रवर्ती भी गेंदबाजी रैंकिंग में भी शीर्ष पर बने हुए है। इसके अलावा इशान आईसीसी पुरुष टी-20 रैंकिंग में तीन पायदान की छलांग के साथ पांचवें स्थान पर पहुंच गये है जबकि भारत के शिवम दुबे दो स्थान ऊपर चढ़कर सातवें पर पहुंच गये है। जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा ने टी-20 विश्वकप में अपने शानदार प्रदर्शन की बदौलत ऑलराउंडर्स रैंकिंग में फिर से नंबर वन स्थान हासिल कर लिया है। रजा ने जिम्बाब्वे को सुपर आठ में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई, कोलंबो में श्रीलंका के खिलाफ 45 और मुंबई में वेस्टइंडीज के खिलाफ 27 रन बनाए, जिससे वह ताजा रैंकिंग अपडेट में ऑल-राउंडर्स की लिस्ट में पाकिस्तान के सैम अयूब को पीछे छोड़कर शीर्ष पर पहुंच गए। अफगानिस्तान के अनुभवी मोहम्मद नबी तीन स्थान ऊपर चढ़कर आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं। बल्लेबाजी रैंकिंग में इंग्लैंड के फिल साल्ट दूसरे नंबर पर बने हुए हैं, जबकि पाकिस्तान के ओपनर साहिबजादा फरहान दो पायदान ऊपर चढ़कर तीसरे नंबर पर आ गए हैं। टूर्नामेंट में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बनने के बाद उन्होंने अपने करियर की सबसे अच्छी रेटिंग हासिल की है। दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस 10 पायदान ऊपर चढ़कर नौवें नंबर पर आ गए हैं।अफगानिस्तान के इब्राहिम जदरान (13वें), वेस्टइंडीज़ के कप्तान शाई होप (14वें) और इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक (18वें) को भी फायदा हुआ है।

दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कॉर्बिन बॉश ने सबसे बड़ा सुधार किया है। वे यूएई के खिलाफ तीन विकेट लेने और भारत के खिलाफ 12 रन देकर दो विकेट के शानदार प्रदर्शन के बाद 21 पायदान ऊपर चढ़कर तीसरे नंबर पर आ गए हैं। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज मैथ्यू फोर्ड 23 पायदान चढ़कर सातवें नंबर पर आ गए हैं, जबकि भारत के जसप्रीत बुमराह सात पायदान चढ़कर आठवें नंबर पर आ गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के मार्को यानसन, वेस्टइंडीज के स्पिनर गुडाकेश मोती और इंग्लैंड के लियाम डॉसन ने भी ताजा रैंकिंग में काफी तरक्की की है।

ऑस्ट्रेलिया को शूटआउट में 3-1 से हराकर भारत ने हार का सिलसिला तोड़ा

होबार्ट (वार्ता)। भारतीय हॉकी टीम ने एफआईएच प्रो लीग में शूटआउट में हारने का सिलसिला तोड़ते हुए बुधवार को ऑस्ट्रेलिया को शूटआउट में 3-1 से हरा दिया। निर्धारित समय तक दोनों टीमें 1-1से बराबर थी। आज यहां खेले गये मुकाबले में कूकाबुरास को शुरुआती क्वार्टर में बेहतर मौके मिले, लेकिन भारतीय गोलकीपर मोहित होनेनहल्ली शशिकुमा ने चुनौती का सामना किया, और पक्का किया कि पहले ब्रेक तक मैच स्कोरलेस रहे। दूसरे क्वार्टर में भी शुरू से आखिर तक एक्शन जारी रहा, लेकिन ज्यादातर मौके आधे-अधूरे मौकों तक ही सीमित थे, इसलिए कोई भी टीम ब्रेकथ्रू नहीं पा सकी और टीमें हाफ-टाइम तक 0-0 से बराबर रहीं। तीसरे क्वार्टर में कई मौके बाल-बाल बचे।

भारत की एक शानदार टीम कोशिश आखिरी शॉट के साथ खत्म हुई जो गोल से थोड़ा बाहर चला गया। और ऑस्ट्रेलिया का सबसे अच्छा मौका सर्कल में एक टर्नओवर से आया जिसमें कैम्बेल गेडेस ने डाइविंग कर रहे टिम ब्रांड को पास दिया, जो जरूरी टच नहीं पा सके। भारत की कुछ खराब डिसिप्लिन के बाद, कप्तान जेरेमी हेवर्ड ने आखिरकार 49वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से ऑस्ट्रेलिया टीम को ब्रेकथ्रू दिलाया। लेकिन भारत ने मात्र तीन मिनट बाद ही वापसी की जब शिलानंद लाकड़ा को गोल के सामने एक शानदार बॉल मिली और उन्होंने टर्न पर उसे गोल में डालकर बराबरी कर ली। इससे मैच में जान आ गई, और दोनों ओर आक्रामक प्रदर्शन देखने को मिला। घड़ी में सिर्फ तीन सेकंड बचे थे, ऑस्ट्रेलिया को पेनल्टी कॉर्नर से जीत हासिल करने का एक आखिरी मौका मिला, लेकिन वे बॉल को ट्रैप नहीं कर पाए, और मैच शूटआउट में चला गया, जिसे भारत ने जीतकर एक्स्ट्रा बोनस अंक हासिल किया।

भारतीय गोलकीपर मोहित होनेनहल्ली शशिकुमा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया और उन्होंने कहा, च्ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शूटआउट में पहला मैच हारना बहुत मुश्किल था, लेकिन हमने वीडियो वगैरह देखे, और हम [आज रात] वापस आए। यहां हॉकी के लिए बहुत अच्छा माहौल है।

पारस डोगरा पर 50 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना

हुबली (वार्ता)। जम्मू और कश्मीर के कप्तान पारस डोगरा पर हुबली में चल रहे रणजी ट्रॉफी फाइनल के दूसरे दिन बुधवार को कर्नाटक के केवी अनीश को सिर मारने के लिए मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। आज यहां यह घटना दूसरे दिन के 101वें ओवर में हुई। पहले दिन रिटायर्ड हर्ट हुए डोगरा ने 99वें ओवर में अब्दुल समद का विकेट गिरने के बाद अपनी पारी फिर से शुरू की। इसके बाद उन्हें शॉर्ट पिच गेंदबाजी का सामना करना पड़ा, जिसके साथ कर्नाटक के फील्डर्स ने स्लेजिंग भी की। 101वें ओवर में तनाव चरम पर पहुंच गया जब डोगरा ने अजीब तरह से एक गेंद को बाउंड्री की ओर खेला।

टॉमलजानोविच ने वीनस विलियम्स को हराया

गैल्फी ने एंड्रीस्कू की वापसी रोकी

ऑस्टिन (वार्ता)। एटीएक्स ओपन में वाइल्ड कार्ड के तौर पर मुकाबला कर रहे दो पूर्व ग्रैंड स्लैम चैंपियन मंगलवार को अपने शुरुआती मैचों में हार गए। अजला टॉमलजानोविक ने पहले सेट में 3-1 से पिछड़ने के बाद वीनस विलियम्स को 6-4, 6-1 से हराया, जबकि डाल्मा गैल्फी ने बियांका एंड्रीस्कू के खिलाफ 2 घंटे 11 मिनट में 6-3, 5-7, 6-4 के उतार-चढ़ाव वाले मैच जीते। चार साल पहले, टॉमलजानोविच ने टेनिस इतिहास में अपना नाम दर्ज कराया था। वह 2022 में 23 बार की मेजर चैंपियन सेरेना विलियम्स के रिटायरमेंट से पहले उन्हें हराने वाली आखिरी खिलाड़ी बनीं, उन्होंने यूएस ओपन का तीसरा राउंड 7-5, 6-7(4), 6-1 से जीता।32 साल की ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी, जो पिछले साल ऑस्टिन में सेमीफ़ाइनलिस्ट थीं, ने पहले अपनी बड़ी बहन वीनस का सामना नहीं किया था, और उन्होंने एक ऐसी खिलाड़ी के खिलाफ़ मैच से पहले घबराहट होने की बात मानी, जिसे उन्होंने खेल में प्रेरणा बताया। वीनस के खिलाफ, टॉमलजानोविच ने 45 साल की वीनस की मजबूत शुरुआत का सामना करते हुए मुकाबला अपने पक्ष में कर लिया। वीनस ने तुरंत ब्रेक लिया, दो विंटेज विनर्स लगाए और टॉमलजानोविच के लगातार डबल फॉल्ट का फायदा उठाया, और मैच के अपने सबसे अच्छे शॉट - लाइन के नीचे एक शानदार बैकहैंड पास के साथ 2-0 से स्कोर मजबूत कर लिया। हालांकि, वीनस दो पॉइंट्स को जीतकर 4-2 से आगे नहीं बढ़ पाई, और वहीं से मैच का रुख बदलने लगा। सात बार की मेजर चैंपियन ने भी दो पॉइंट्स लेकर स्कोर 5-5 से बराबर कर लिया, लेकिन

टॉमलजानोविच की क्रिएटिविटी और किस्मत के मेल से वह हार गई - एक ज़ोरदार स्पिन स्लाइस्ड विनर जो टेप के टॉप पर लगा। हालांकि दूसरा सेट स्कोरलाइन से ज्यादा करीबी था, टॉमलजानोविच दो ज़रूरी मल्टी-ड्यूस गेम जीतकर कंट्रोल करने में कामयाब रहीं, उन्होंने दो ब्रेक पॉइंट बचाकर स्कोर 2-1 कर दिया और फिर अपने चौथे ब्रेक पॉइंट को बदलकर 5-1 की निर्णायक बढ़त बना ली।

अमेलिया केर का नाबाद शतक

हैमिल्टन (वार्ता)। कप्तान अमेलिया केर (नाबाद 101/ दो विकेट) के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत न्यूजीलैंड की महिला टीम ने बुधवार को पहले टी-20 मुकाबले में जिम्बाब्वे को 92 रनों से शिकस्त दी। 203 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की महिला टीम की शुरुआत खराब रही और उसने मात्र पांच रन के स्कोर पर अपने दो विकेट गंवा दिये। जिम्बाब्वे की दोनों बल्लेबाज अपना खाता भी नहीं खोल पायी। जिम्बाब्वे को ये पांचों रन अतिरिक्त के रूप में प्राप्त हुये। इसके बाद चिपो मुगेरी-तिरिपानो और बी बिजा की जोड़ी ने पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों ने तीसरे विकेट के लिये 38 रन जोड़े।

फ्लाई91 के बेड़े में शामिल हुए दो और विमान

दुबई (वार्ता)। क्षेत्रीय विमान सेवा कंपनी फ्लाई91 के बेड़े में दो नये एटीआर72-600 विमान शामिल हुए जिनका इस्तेमाल एयरलाइन अपने नेटवर्क विस्तार के लिए करेगी। एयरलाइन ने बुधवार को बताया कि उसने ये विमान संयुक्त अरब अमीरात की कंपनी दुबई एयरोस्पेस एंटरप्राइज से लिये हैं। औपचारिक तौर पर दोनों विमान यहां दुबई वर्ल्ड सेंट्रल में हुए एक समारोह में फ्लाई91 को सौंपे गये। कंपनी की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, अब उसके बेड़े में विमानों की संख्या बढ़कर छह हो गयी है। फ्लाई91 के नेटवर्क में वर्तमान में नौ शहर शामिल हैं। ये शहर हैं - मोपा (गोवा), अगाती (लक्षद्वीप) सोलापुर, जलगांव, सिंधुदुर्ग, पुणे, बेंगलुरु, हैदराबाद और कोच्चि। एयरलाइंस ने मार्च 2026 के अंत तक छह नये शहरों को अपने नेटवर्क में शामिल करने की घोषणा की है। नये गंतव्यों में आंध्र प्रदेश में राजमुंद्री और विजयवाड़ा, कर्नाटक में हुबली, महाराष्ट्र में नांदेड़, दक्षिणी गोवा में डाबोलिम और मध्य प्रदेश में इंदौर शामिल हैं।

चावल, गेहूं, चीनी, दालों के भाव टूटे,तेलों में घट-बढ़

नयी दिल्ली (वार्ता)। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बुधवार को चावल के औसत भाव घट गये। चावल के साथ ही गेहूं, चीनी और दालों की कीमतों में भी गिरावट देखी गयी। खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 17 रुपये गिरकर 3,841 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गेहूं का भाव पांच रुपये घटकर 2,844 रुपये प्रति क्विंटल रहा। आटा कमोबेश पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर ही रहा। दाल-दलहनों में तेजी रही। चना दाल की औसत कीमत 28 रुपये प्रति क्विंटल टूट गयी। मूंग दाल 21 रुपये और तुअर दाल 17 रुपये सस्ती हुई। उड़द दाल में आठ रुपये की गिरावट देखी गयी। मसूर दाल के दाम लगभग स्थिर रहे। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम

ऑयल का मई वायदा एक रिंगिट टूटकर 4,052 रिंगिट प्रति क्विंटल पर रहा। मई का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 0.51 प्रतिशत की गिरावट में 60.19 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजारों में मूंगफली तेल की औसत कीमत 58 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। सोया तेल 43 रुपये और सरसों तेल 27 रुपये महंगा हुआ। वनस्पति में टिकाव रहा। वहीं, सूरजमुखी तेल 26 रुपये और पाम ऑयल 16 रुपये प्रति क्विंटल फिसल गया।

मीठे के बाजार में आज गुड़ के औसत भाव 26 रुपये प्रति क्विंटल उतर गये। चीनी भी छह रुपये सस्ती हुई।दाल चना 7756.54 रुपये, मसूर काली 8086.78 रुपये, मूंग दाल 10119.22 रुपये, उड़द दाल 10709.71 रुपये, तुअर दाल 11146.04 रुपये प्रति क्विंटल रहे।

वायासैट और बीएसएनएल ने देश में पहला सैटेलाइट कौशल विकास पाठ्यक्रम शुरू किया

जबलपुर (वार्ता)। भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) और वायासैट इंडिया ने सैटेलाइट और सैटेलाइट तकनीक के अनुप्रयोग पर अपना पहला प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा की है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित भारत रत्न भीम राव अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ टेलीकॉम ट्रेनिंग में प्रस्तावित दूरसंचार नवाचार, अनुसंधान और प्रशिक्षण केंद्र (टीआईआरटीसी) के तत्वाधान में शुरू किया गया है। सैटेलाइट संचार के क्षेत्र में कौशल विकास एवं उद्योग की तैयारी को बढ़ावा देने के लिए बीएसएनएल और वायासैट इंडिया ने पिछले साल गठबंधन की घोषणा की थी। प्रशिक्षण के शुभारंभ समारोह की अध्यक्षता बीएसएनएल के सीएमडी रॉबर्ट रवि ने की। वायासैट के अध्यक्ष (कॉमर्शियल) बेन पामर, वायासैट इंडिया के प्रबंध निदेशक गौतम शर्मा, वायासैट के उपाध्यक्ष (एडवांस्ड एनटीएन सॉल्यूशंस) संदीप मूर्ति और दूरसंचार विभाग के अन्य अधिकारी भी संचार भवन में मौजूद थे। सैटेलाइट एवं सैटेलाइट प्रौद्योगिकी के उपयोग पर यह प्रारंभिक पाठ्यक्रम विद्यार्थियों और करियर के शुरुआती दौर में काम कर रहे पेशेवरों के लिए 22 घंटे का एक वर्चुअल प्रोग्राम है।

निजी क्षेत्र की गैर-वित्तीय कंपनियों की बिक्री बढ़ी

मुंबई (वार्ता)। निजी क्षेत्र की गैर-वित्तीय कंपनियों के लिए चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर 2025) बेहतरीन रही जहां बिक्री और शुद्ध मुनाफा दोनों में दहाई प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को बताया कि सूचीबद्ध गैर-वित्तीय निजी कंपनियों की बिक्री तीसरी तिमाही में 10.1 प्रतिशत बढ़ी। इसमें मुख्य योगदान विनिर्माण क्षेत्र का रहा। इससे पहले लगातार 11 तिमाहियों में बिक्री में एकल अंक की वृद्धि दर्ज की रही थी। इसी प्रकार, इन कंपनियों (कुल 2,924 कंपनियों) का संयुक्त शुद्ध मुनाफा 1,65,220 करोड़ रुपये रहा जो 11.8 प्रतिशत की वृद्धि दिखाता है। सूचीबद्ध 1,794 निजी विनिर्माण कंपनियों की बिक्री में तीसरी तिमाही में 11.4 प्रतिशत की वृद्धि देखी गयी। आरबीआई के अनुसार, इसमें मुख्य योगदान वाहन, बिजली की मशीनें और अलौह धातु उद्योगों का रहा। आईटी कंपनियों की बिक्री 8.8 प्रतिशत और गैर-आईटी सेवा कंपनियों की बिक्री 10.6 प्रतिशत बढ़ी है। आरबीआई ने जिन 2,924 कंपनियों के आंकड़े दिये हैं उनकी कुल बिक्री आठ प्रतिशत बढ़कर 16,69,114 करोड़ रुपये पर पहुंच गयी। वहीं, उत्पादों का कुल मूल्य 16,81,006 करोड़ रुपये रहा जो सालाना आधार पर 6.7 प्रतिशत अधिक है।

शेयर बाजारों में लौटी तेजी

एफएमसीजी कंपनियों पर दबाव

मुंबई (वार्ता)।

विदेशों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को तेजी रही और प्रमुख सूचकांक अंतिम समय में हुई मुनाफावसूली के बावजूद हरे निशान में बंद हुए। बीएसई का संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 50.15 अंक (0.06 प्रतिशत) ऊपर 82,276.07 अंक पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक 57.85 अंक यानी 0.23 प्रतिशत चढ़कर 25,482.50 अंक पर बंद हुआ। पिछले कारोबारी दिवस पर दोनों प्रमुख सूचकांक एक प्रतिशत से अधिक टूटे थे।

आईटी, ऑटो, फार्मा और धातु कंपनियों में मजबूत लिवाली देखी गयी जबकि एफएमसीजी, सार्वजनिक बैंकों, रियल्टी और तेल एवं गैस सेक्टरों की कंपनियों में बिकवाली का जोर रहा। अन्य एशियाई बाजारों में रही तेजी से शुरुआती कारोबार में घरेलू बाजारों में भी निवेश धारणा मजबूत रही। सेंसेक्स सुबह 732 अंक की बढ़त बनाता हुआ 82,957 अंक तक पहुंच गया था, लेकिन रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारतीय स्टेट बैंक और अडानी पोर्ट्स जैसी दिग्गज कंपनियों में गिरावट के कारण बाद में इसकी बढ़त सीमित रह गयी। बड़ी कंपनियों की तुलना में छोटी और मझौली कंपनियों में ज्यादा तेजी रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.66 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.94 प्रतिशत चढ़ गया। एनएसई में जिन 3,287 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 1,700 के शेयर ऊपर और 1,479 के नीचे बंद हुए। अन्य 108 कंपनियों के शेयर दिन भर के उतार-चढ़ाव के बाद अंततः अपरिवर्तित रहे। सेंसेक्स की कंपनियों में एचसीएल टेक्नोलॉजीज का शेयर 2.80 फीसदी चढ़ गया। टाटा स्टील में 2.63 फीसदी, टीसीएस में 2.14, इंडिगो में 2.01, सनफार्मा में 1.92, महिंद्रा एंड महिंद्रा में 1.80, टेक महिंद्रा में 1.13 और एक्सिस बैंक में 1.07 प्रतिशत की तेजी रही। बीईएल, एलएंडटी, मारुति सुजुकी, पावरग्रिड, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, हिंदुस्तान यूनीलीवर और एनटीपीसी के शेयर भी ऊपर रहे। रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर 2.23 प्रतिशत गिर गया। भारतीय स्टेट बैंक में 1.93 फीसदी, अडानी पोर्ट्स में 1.72, इटरनल में 1.46, भारती एयरटेल में 1.39 और आईटीसी में 1.22 प्रतिशत की गिरावट रही। कोटक महिंद्रा बैंक, एचडीएफसी बैंक और बजाज फाइनेंस के शेयर भी लाल निशान में बंद हुए। जापान का निक्केई 2.20 प्रतिशत, चीन का शंघाई कंपोजिट 0.72 प्रतिशत और हांगकांग का हैंगसेंग 0.66 प्रतिशत की बढ़त में बंद हुआ।

प्रदेश की अर्थव्यवस्था सशक्त कर रहीं आजीविका मिशन की दीदियां : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने आजीविका मिशन क्षमतावर्धन कार्यशाला का किया शुभारंभ

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आजीविका मिशन से जुड़ी दीदियाँ एकता की शक्ति का सजीव उदाहरण है। बहनों द्वारा एकजुटता से किए जा रहे प्रयास बंद मुट्ठी लाख की के भाव को चरितार्थ करते हुए देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान कर रहे हैं। बहनें आज ट्रैक्टर से लेकर ड्रोन तक चलाने के साथ गैस और पेट्रोल रिफिलिंग जैसे कार्य भी कर रही हैं। कैफे संचालन से लेकर मार्केट का टारगेट पूरा करने में अव्वल बहनें अचार, पापड़ निर्माण सहित कई छोटे उद्योगों से बेहतर कमाई कर रही हैं। भारतीय संस्कृति में मातृ सत्ता का विशेष महत्व है। राज्य सरकार के प्रयासों से प्रदेश की बहनें सशक्त हो रही हैं। प्रदेश के 5 लाख स्व-सहायता समूहों से 65 लाख से अधिक दीदियां जुड़कर सशक्त हुई हैं। इनमें से 12 लाख से अधिक दीदियां लखपति दीदी बन चुकी हैं। राज्य सरकार प्रदेश की बहनों के सशक्तिकरण के लिए संकल्पित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्व-सहायता समूहों ने एक वर्ष में विभिन्न कंपनी और मेलों के माध्यम से 310 करोड़ रुपए का व्यापार किया है। मध्यप्रदेश, देश का सर्वाधिक प्राकृतिक खेती वाला राज्य है। हमारे स्व-सहायता समूहों की 50 हजार बहनें प्राकृतिक खेती में जुटी हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने वर्ष 2026-27 के बजट में महिला बाल विकास विभाग में 26 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। साथ ही बजट का कुल 34 प्रतिशत हिस्सा ग्रामीण विकास पर खर्च किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में स्वसहायता समूहों की आजीविका मिशन क्षमतावर्धन कार्यशाला का शुभारंभ कर कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया। कार्यशाला में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, कौशल विकास मंत्री गौतम टेटवाल और पंचायत और ग्रामीण विकास राज्यमंत्री राधा सिंह उपस्थित थीं।

स्टालों का अवलोकन कर दीदियों से चर्चा की

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न जिलों के स्व सहायता समूहों की दीदियों द्वारा लगाए गए विभिन्न उत्पादों के स्टालों का अवलोकन कर दीदियों से चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदर्शनी स्थल पर ग्राम छावनी पठार के मिलेट्स कैफे पर स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ लिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस योजना के 7 वाहनों को झंडी दिखाकर रवाना किया। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की दीदीयों द्वारा तैयार स्पेशल होली हैम्पर को लाँच किया गया। इसमें प्राकृतिक रंग, देशी घी, मिष्ठान, गोकाष्ठ, पूजन सामग्री और टीशर्ट जैसे 10 उत्पाद शामिल हैं। उज्जैन, सागर, कटनी, सीहोर, रीवा जिले की दीदीयों द्वारा तैयार होली हैम्पर पर केंद्रित लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समुदाय प्रबंधित प्रशिक्षण केंद्र (सीएमटीसी) का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में प्रशिक्षण केन्द्र पर लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया।

होली मेलों का वर्चुअली शुभारंभ किया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आजीविका मार्ट ग्वालियर, जबलपुर एयरपोर्ट पर स्व-सहायता समूहों के रिटेल आउटलेट और संभागीय एवं जिला स्तर पर होली मेलों का वर्चुअली शुभारंभ किया। कार्यशाला में प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल का विमोचन भी किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के साथ इंडिया पोस्ट, अमेजन सहेली, एक्सेस डेवलपमेंट सर्विस, बुद्धा इंस्टीट्यूट, टीआरआईएफ और साइटसेवर संस्थान के साथ एमओयू का आदान-प्रदान हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उत्कृष्ट कार्य करने वालीं स्व-सहायता समूहों की 5 दीदियों को सम्मानित किया। कार्यशाला में विपणन क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली गुना जिले की श्रीमती मीनाक्षी फरागते ने अपनी सफलता की कहानी सभी के साथ साझा की।

व्यंजन ही त्यौहार की प्रसन्नता का आधार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था और महिला उद्यमिता के इतिहास का आज स्वर्णिम दिन है। पारिवारिक स्तर पर मां-बेटियों-बहनों के हाथों से बने व्यंजन पूरे परिवार में आनंद का संचार करते हैं और यह व्यंजन ही त्यौहार की प्रसन्नता का आधार बनते हैं। आजीविका मिशन द्वारा हमारी बहनों के हाथों से बनी सामग्री को वैश्विक बाजार से जोड़ने की पहल सराहनीय है। भारतीय संस्कृति में ऋतुओं से व्यंजनों तथा अन्य उपयोगी सामग्री बनाने का विशेष संबंध है। क्षमतावर्धन की आज की कार्यशाला हमारी बहनों के हुनर और कर्मठता को नई दिशा प्रदान करेगी। घर से निकलकर बैंकों और शासन के सहयोग से स्वयं को व्यापारिक गतिविधियों में सफलतापूर्वक स्थापित करने की बहनों की पहल ने ग्राम स्तर पर विकास को नई गति दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार बहनों को प्रशिक्षण के साथ आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध करा रही है। बहनें अपने समूह की शक्ति को बढ़ाएं और नई मंजिलें प्राप्त करें, राज्य सरकार सदैव उनके साथ है।

दीदियों ने सफलता का मुकाम हासिल किया

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री पटेल ने कहा कि स्वसहायता समूहों की दीदियों ने सफलता का मुकाम हासिल किया है। हमारी मातृ शक्ति अपनी क्षमता के बल पर आगे बढ़ रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के विकास में दीदियों की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में बहनों का महत्वपूर्ण योगदान होगा। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि स्वावलंबन की दिशा में अग्रसर महिलाओं की सफलता केवल शब्दों तक सीमित नहीं है, बल्कि उसके प्रमाण आँकड़ों और जमीनी स्तर पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने बहनों से बदलती तकनीक के साथ स्वयं को अपडेट रखते हुए आगे बढ़ने का आव्हान किया।

सामाजिक परिवर्तन के महान साधक थे स्व. नानाजी : मुख्यमंत्री

भोपाल (स्वतंत्र मत)

स्व. नानाजी देशमुख की पुण्यतिथि पर चित्रकूट में हो रहा 3 दिवसीय कार्यक्रम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख केवल एक राजनेता नहीं बल्कि सामाजिक परिवर्तन के महान साधक थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन ग्राम विकास-शिक्षा-स्वावलंबन के लिए समर्पित कर दिया और समाज सेवा के उद्देश्य को तप के साथ सिद्ध किया। स्व. नानाजी देशमुख का मानना था कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है। जब गांव मजबूत होंगे तभी राष्ट्र मजबूत बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख की 16वीं पुण्यतिथि के संदर्भ में चित्रकूट स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध संस्थान में आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम को विधानसभा भोपाल से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। स्व. नानाजी देशमुख की 16वीं पुण्यतिथि 27 फरवरी को है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चित्रकूट को भगवान श्री राम की तपोस्थली के साथ-साथ नानाजी देशमुख की कर्मस्थली होने का भी गौरव प्राप्त है। स्व. नानाजी देशमुख ने पं. दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद के सपने को मूर्त रूप देने के संकल्प को, चित्रकूट से ही साकार करने का प्रण किया। इस उद्देश्य से ही ग्रामीण विश्वविद्यालय की स्थापना 1991 में चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के रूप में की गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार स्व. नानाजी देशमुख की शिक्षाओं के अनुरूप समाज और देश के संवर्धन तथा सशक्तिकरण की दिशा में कार्य कर रही है। दीनदयाल शोध संस्थान, ग्रामीण विकास के साथ ही स्वास्थ्य, स्वच्छता, शिक्षा, कृषि, स्वावलंबन और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की दिशा में अनुकरणीय कार्य कर रहा है। राज्य सरकार विरासत के साथ विकास को ध्यान में रखते हुए गांवों को मजबूत कर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे रही है। चित्रकूट में स्थानीय सांसद गणेश सिंह, विश्वविद्यालय के कुलगुरू आलोक दुबे, दीनदयाल शोध संस्थान के संगठन सचिव अभय महाजन तथा विषय विशेषज्ञ और शोधार्थी उपस्थित थे।

कांग्रेस में गांधी के राम पर और मनरेगा पर बौद्धिक विमर्श

भोपाल (स्वतंत्र मत)

प्रदेश कांग्रेस के विचार विभाग के तत्वावधान में गुरूवार को बौद्धिक विमर्श आयोजित है। जिसमें प्रख्यात पत्रकार पंकज चतुर्वेदी गांधी के राम विषय पर अपना उद्बोधन देंगे। प्रदेश कार्यालय के राजीव गांधी सभागार में प्रत: 11.30से आयोजित कार्यक्रम मे नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार एवं अध्यक्ष जीतू पटवारी भी शामिल होंगे। कार्यक्रम में मनरेगा के स्वरूप को पलटने और नयी योजना से उत्पन्न बाधाओं पर भी चर्चा होगी। विचार विभाग के समस्त कार्यकर्ता और समन्वयक विमर्श के निष्कर्षों को नीचे तक ले जायेंगे। प्रदेश विचार विभाग के अध्यक्ष भूपेन्द्र गुप्ता ने सभी कांग्रेस जनों से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

हटा अधिवक्ता संघ चुनाव में 30 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू

हटा (स्वतंत्र मत)। अधिवक्ता संघ के आगामी निर्वाचन में 30 प्रतिशत महिला अधिवक्ताओं को प्रतिनिधित्व देने के लिए संघ की कार्यकारिणी में तीन नए पद सृजित कर उन्हें आरक्षित कर दिया गया है। सामान्य सभा में इस विषय पर सहमति न बनने के बाद निर्वाचन अधिकारी ने पद सृजन की घोषणा करते हुए सूचना जारी की है। बताया गया कि मप्र उच्च न्यायालय के निर्देश पर राज्य अधिवक्ता संघ के सदस्य शैलेन्द्र वर्मा की निगरानी में हटा अधिवक्ता संघ की चुनाव प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। उच्चतम न्यायालय में लंबित याचिका के निर्णय के अनुपालन में अधिवक्ता संघों में 30 प्रतिशत महिला आरक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

सुनार नदी पुल के पास रेलिंग से टकराए बाइक सवार की मौत

फ्रीजर में रखने के बजाय शव रात भर स्ट्रेचर पर ही रखा रहा

हटा (स्वतंत्र मत)

हटा थानांतर्गत बटियागढ़ मार्ग पर लालटेक और सुनार नदी हारट पुल के बीच मंगलवार रात हुए सड़क हादसे में एक बाइक चालक की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही भी सामने आई जहां शव को रातभर डेड बॉडी फ्रीजर में रखने के बजाय स्ट्रेचर पर ही गैलरी में छोड़ दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार पप्पू पिता गोपाल पटेल 40 निवासी हारट तहसील बटियागढ़ मंगलवार रात बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान सुनसान मार्ग पर उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगी सुरक्षा बॉल रेलिंग से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि पप्पू की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और एम्बुलेंस करीब रात 10 बजे मौके पर पहुंची और युवक को सिविल अस्पताल हटा लाया गया, जहां ड्यूटी डॉक्टर ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

अस्पताल में लापरवाही आई सामने- मृतक के शव को अस्पताल के जनरल वार्ड के बाहर गैलरी में स्ट्रेचर पर ही छोड़ दिया गया। आरोप है कि ड्यूटी कर्मचारियों ने शव को सुरक्षित रखने के लिए खाली रखे डेड बॉडी फ्रीजर में रखने की जहमत तक नहीं उठाई, जबकि शव फ्रीजर के सामने ही रखा रहा। शव रातभर बाहर पड़े रहने से अस्पताल परिसर में दुर्गंध फैलने की स्थिति बनी जिससे मरीजों और परिजनों को परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि परिजनों के इंतजार में कई बार शवों को ओपीडी या गैलरी में स्ट्रेचर पर ही छोड़ दिया जाता है जिससे शव के खराब होने का खतरा भी बना रहता है। बताया गया कि अस्पताल में पर्याप्त शव फ्रीजर उपलब्ध होने के बावजूद उनका उपयोग नहीं किया गया। बुधवार सुबह करीब 11 बजे पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जिम्मेदारी से बचता दिखा प्रबंधन- सिविल अस्पताल के प्रभारी बीएमओ डॉ. उमाशंकर पटेल ने मामले में कहा कि यदि शव 6 घंटे तक फ्रीजर में न भी रखा जाए तो खराब नहीं होता। उन्हें धतं ही नही था कि शव को ऐसी हालत में 12 घंटे से ज्यादा हो गए है उनके इस टालने बाले बयान के बाद अस्पताल प्रबंधन की कार्यप्रणाली और संवेदनशीलता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

जिले में एसआईआर प्रक्रिया पूर्ण

दमोह। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने बताया जिले में एसआईआर मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। इस प्रक्रिया से संबंधित समस्त डेटा सार्वजनिक कर दिया गया है तथा अंतिम मतदाता सूचियाँ भी जारी कर दी गई हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि एसआईआर एक विशेष अभियान थाए लेकिन मतदाता सूची में संशोधन की प्रक्रिया सतत निरंतर चलने वाली है। आगामी अप्रैल-मई माह में पुनः मतदाता सूचियों का नियमित पुनरीक्षण किया जाएगा।

बुरहानपुर जल प्रदाय परियोजना बिल्ड इंडिया इंफ्रा अवॉर्ड्स-2026 से अलंकृत

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश के नगरीय विकास और सुशासन के प्रयासों को आज राष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान मिल रही है। नई दिल्ली में आयोजित बिल्ड इंडिया इंफ्रा अवॉर्ड्स 2026 समारोह में मध्यप्रदेश नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम, मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी की बुरहानपुर जल प्रदाय परियोजना को सोशल इंपैक्ट एक्सीलेंस ऑफ द ईयर की प्रतिष्ठित श्रेणी में सम्मानित किया गया है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की गरिमामयी उपस्थिति में जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल द्वारा यह पुरस्कार प्रदान किया गया। मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी की ओर से मुख्य अभियंता शैलेन्द्र शुक्ला एवं तकनीकी अधिकारी कमलेश भटनागर द्वारा यह सम्मान प्राप्त किया गया।इस ऐतिहासिक अवसर पर केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपाद येसो नाईक सहित भारत सरकार के पूर्व सचिव डी.एस. मिश्रा और सेवानिवृत्त वरिष्ठ आईएएस राघव चंद्रा उपस्थित रहे। विश्व बैंक के वित्तीय एवं तकनीकी सहयोग से पल्लवित यह परियोजना बुरहानपुर के शहरी जनजीवन में आमूलचूल परिवर्तन का संवाहक बनी है। परियोजना की तकनीकी

सुदृढ़ता का अनुमान इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि यहाँ 50 एमएलडी क्षमता का एक अत्याधुनिक जलशोधन संयंत्र स्थापित किया गया है। इसमें जल को फिल्ट्रेशन, क्लोरीनेशन और परिष्कृत वैज्ञानिक प्रक्रियाओं के माध्यम से पूर्णतः निरापद और स्वास्थ्यवर्धक बनाया जाता है। जल की गुणवत्ता और निर्बाध आपूर्ति की चौबीस घंटे निगरानी के लिये अत्याधुनिक स्काडा प्रणाली और एक उच्च स्तरीय वॉटर टेस्टिंग लैब का भी समावेश किया गया है। वितरण व्यवस्था को नवीन स्वरूप देते हुए शहर में 8 नवीन ओवरहेड टैंकों और सुदृढ़ पाइप नेटवर्क का जाल बिछाया गया है, जिससे पुराने और जर्जर वितरण तंत्र से होने वाले जल के अपव्यय पर पूर्णतः अंकुश लगा है। सामाजिक सरोकारों और लोक-कल्याण के प्रति प्रतिबद्ध इस योजना के अंतर्गत लगभग 41 हजार परिवारों को मीटरयुक्त नल कनेक्शनों के माध्यम से जोड़ा गया है। वर्तमान में बुरहानपुर के प्रत्येक नागरिक को प्रतिदिन औसतन 135 लीटर शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है, जो समान और न्यायपूर्ण वितरण प्रणाली का उत्कृष्ट उदाहरण है। प्रबंध संचालक श्री संकेत भोंडवे और अतिरिक्त प्रबंध संचालक श्री दिव्यांक सिंह ने इस उपलब्धि को समूची टीम की कर्तव्यनिष्ठा और नवाचार के प्रति समर्पण का प्रतिफल बताया है। मुख्य अभियंता श्री शैलेन्द्र शुक्ला के अनुसार, यह पुरस्कार न केवल परियोजना के प्रभावी प्रबंधन की स्वीकारोक्ति है, अपितु मध्यप्रदेश में शहरी अधोसंरचना के क्षेत्र में अपनाए जा रहे आधुनिक प्रतिमानों और सतत विकास के संकल्प की विजय भी है।

41वां मध्यप्रदेश युवा वैज्ञानिक सम्मेलन 26 से 28 फरवरी तक भोपाल में

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (मैपकास्ट) द्वारा 41वें मध्यप्रदेश युवा वैज्ञानिक सम्मेलन का आयोजन 26 से 28 फरवरी तक भोपाल में किया जाएगा। इसका उद्देश्य प्रदेश के युवा वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में शोध एवं नवाचार के लिए प्रोत्साहित करना है। सम्मेलन में प्रदेश के 300 से अधिक युवा शोधार्थियों द्वारा विज्ञान और प्रौद्योगिकी के 18 विषयों पर शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे, जिनका मूल्यांकन 50 से अधिक विषय विशेषज्ञों एवं वैज्ञानिकों द्वारा किया जाएगा। उत्कृष्ट शोध पत्रों को युवा वैज्ञानिक पुरस्कार, प्रशस्ति पत्र एवं फैलोशिप प्रदान किए जाएंगे। प्रथम पुरस्कार के लिए 25 हजार रुपये,द्वितीय पुरस्कार के लिए 20 हजार रुपये एवं तृतीय पुरस्कार के लिए 15 हजार रुपये की राशि निर्धारित की गई है।सभी प्रतिभागियों को राष्ट्रीय स्तर के संस्थान एवं प्रयोगशाला में शोध कार्य एवं कौशल उन्नयन के लिए 3 से 6 माह तक फैलोशिप के लिए 20 हज़ार रूपये प्रतिमाह दिये जाएंगे। 41वाँ मध्यप्रदेश युवा वैज्ञानिक सम्मेलन 26 एवं 27 फरवरी को मेपकॉस्ट विज्ञान भवन में आयोजित होगा। इसके विजेताओं का पुरस्कार वितरण कार्यक्रम 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर रवीन्द्र भवन भोपाल में किया जाएगा। प्रदेश के युवा वैज्ञानिकों को शोध के क्षेत्र में प्रोत्साहन देने एवं उचित मंच प्रदान करने के लिए मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद प्रतिवर्ष युवा वैज्ञानिक कांग्रेस का आयोजन करती है।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र.11/2025-26
दिनांक 25/2/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री अभिनंदन पाठक पिता सुधीर कुमार पाठक ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक विला नं. 17 सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000382622 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल जिस पर निर्मित भूतल 1300 व.फु. प्रथम तल 1300 व.फु. द्वितीय तल 166 व.फु. पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री अशोक मक्कड़ का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र.11/2025-26
दिनांक 25/2/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री योगेन्द्र मणि त्रिपाठी पिता रमाकांत एवं मोहन, संतोष, गणेश, रमेश पिता योगेन्द्र मणि ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक खसरा नं 71 सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1004633553 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 1541 व.फु. जिस पर निर्मित निम्न दस्तावेज प्रपत्र खसरा, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्रीमती सुशीला त्रिपाठी पति योगेन्द्र मणि त्रिपाठी का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र.11/2025-26
दिनांक 25/2/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री संस्कार सूर्यवंशी पिता लखनलाल सूर्यवंशी ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक पी-269 सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1004518756 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 1648 व.फु. जिस पर निर्मित निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री रवि कपूर पिता ब्रिजमोहन कपूर मे. चैतन्य प्रमोटर्स एंड डेवलपर्स का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक 11 नगर निगम, जबलपुर

पत्र क्र. / सं.क्र.11/25-26
दिनांक 25.02.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री रामप्रसाद झारिया पिता स्व. सुखन (2) श्री अरविन्द झारिया पिता रामप्रसाद ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंतीबाई के भवन क्रमांक 1290 सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000381684 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल जिस पर निर्मित भूतल 500 वर्गफुट पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र दानपत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, विक्रयपत्र, वसीयत नामा, त्यागपत्र रिलीज डीड, बंटवारानामा के आधार पर निगम में दर्ज श्री सुखनंदी पिता मुरारी लाल का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

PUBLIC NOTICE

This is to inform that Ayushi Constructions is a registered partnership firm having Registration No. 04/14/01/0154/18 dated 10/09/2018, and pursuant to an amended Partnership Deed, the name of the firm has been changed to "M/s Ayushi Construction" with effect from 23/02/2026.

This public notice is being published for the purpose of registration of change of name of the firm with the office of the Registrar of Firms and Society.

FOR
AYUSHI CONSTRUCTION
(Partner)

न्यायालय पंजीयक लोक न्यास एवं अनुविभागीय अधिकारी शहपुरा भिटोनी जिला- जबलपुर

रा.प्र.क्र./ ..../ ब-113/ 2025-26
ग्राम- नटवारा प.ह.नं.34
रा.नि.मं. शहपुरा

आम-इश्तहार

आम जनता मौजा नटवारा प.ह.नं. 34 रा.नि.मं. शहपुरा तहसील शहपुरा जिला जबलपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक कृष्ण कुमार मालपाणी पिता स्व. श्री मधुसूदनदास मालपाणी, निवासी 397, राईट टाउन जबलपुर तहसील व जिला जबलपुर द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि ग्राम नटवारा, प.ह.नं. 34 रा.नि.मं. शहपुरा तहसील शहपुरा जिला जबलपुर में स्थित भूमि ख.नं. 63/4 रकबा 0.0200 हे, ख.नं. 64 रकबा 12.000 हे., ख.नं. 68/1, रकबा 2.6900 हे., ख.नं. 68/3, रकबा 0.5000 हे.. ख.नं. 70, रकबा 11.3600 हे., ख.नं. 73, रकबा 8.0800 हे., ख.नं. 77/1, रकबा 2.2200 हे., ख.नं. 77/3, रकबा 12.8700 हे., ख.नं. 77/5, रकबा 0.5000 हे., ख.नं. 78/1, रकबा 7.000 हे., ख.नं. 78/3 रकबा 0.9400 हे., ख.नं. 133 रकबा 1.2800 हे., ख.नं. 141, रकबा 0.4200 हे., ख.नं. 151, रकबा 10. 3200 हे., ख.नं. 152, रकबा 11.3600 हे. ख.नं. 324 रकबा 2.6200 हे, ख.नं. 334/1/1, रकबा 1.6900 हे., ख.नं. 401, रकबा 1.0100 हे., ख.नं. 403, रकबा 0.7500 हे., ख.नं. 464, रकबा 16.0200 हे., ख.नं. 468, रकबा 14.9200 हे., ख.नं. 512, रकबा 0.1100 हे., ख.नं. 513, रकबा 0.0500 हे., ख.नं. 520, रकबा 1.2900 हे., ख.नं. 547, रकबा 0.7500 हे., ख.नं. 558, रकबा 8.3100 हे., ख.नं. 559, रकबा 34.5800 हे., ख.नं. 604, रकबा 4.9200 हे., इस प्रकार सभी खसरों का कुल रकबा 168.5800 हे. भूमि पर भूमिस्वामी सेठ मन्नूलाल जगन्नाथदास हॉस्पिटल ट्रस्ट जबलपुर के नाम से राजस्व अभिलेखों में दर्ज है। उपरोक्त ट्रस्ट की भूमियों में से ग्राम नटवारा, पटवारी हल्का नटवारा, तहसील शहपुरा, जिला जबलपुर में स्थित उपरोक्त भूमि खसरा नंबर 70 रकबा 11.3600 हे. भूमि को विक्रय किये जाने की अनुमति चाही गई है। अतः उक्त भूमि उखसरा नंबर 70 रकबा 11.3600 हे. भूमि को विक्रय किये जाने में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह नियत दिनांक 06/03/2026 को न्यायालय में स्वंय या अधिकृत व्यक्ति/ अधिवक्ता के माध्यम से अपनी दावा आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनांक के उपरान्त किसी भी प्रकार की दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 16/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी।

पेशी दिनांक-06/03/2026

पंजीयक लोक न्यास
एवं अनुविभागीय अधिकारी
शहपुरा भिटोनी

10 मार्च तक जेल रिमांड में रहेंगे अफगानी घुसपैठिए

राज उगलवाएगी एटीएस

कोर्ट में पेश किए गए सभी आरोपी, कोलकाता से हुई थी गिरफ्तारी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

फर्जी पासपोर्ट मामले में एटीएस की गिरफ्त में आए पांच अफगानिस्तान घुसपैठियों को बुधवार को एटीएस कोर्ट में पेश किया गया। जहां से सभी को 10 मार्च तक के लिए जेल रिमांड में भेज दिया गया है। आपको बतां दें कि एटीएस इन्हें तीन दिन पहले कोलकाता से गिरफ्तार कर जबलपुर लेकर आई थी। पूछताछ के लिए दो दिन की रिमांड ली थी। 25 फरवरी को सभी आरोपियों को अभिषेक सोनी की कोर्ट में पेश किया गया था। कोर्ट के सामने एटीएस ने दलील दी थी कि देश के लिए यह बहुत ही चिंता का विषय है कि विदेशी नागरिक अवैध रूप से भारत में आकर रहना और पासपोर्ट बनवाना खतरे का संकेत हो सकता है। कोर्ट को यह भी बताया गया कि पूछताछ के दौरान यह जानने की कोशिश की गई है, कि फर्जी दस्तावेज कहां-कहां से और किनके सहयोग से बनवाए गए हैं, उनको भी तलाश करते हुए कार्यवाही की जाएगी।

सामने आएंगे फर्जी पासपोर्ट बनाने वाले अधिकारियों के नाम

एटीएस की जांच के दायरे में पासपोर्ट विभाग के वो अधिकारी भी आ रहे हैं, जिन्होंने फर्जी पासपोर्ट बनाने में इनकी मदद की है। एटीएस की जांच में वो अफगानी नागरिक जो कि अवैध रूप से भारत में रह रहे है, उनकी संख्या और बढ़ सकती है। शासकीय अधिवक्ता केजी तिवारी ने बताया कि 10 मार्च तक के लिए सभी को जेल रिमांड में भेजा गया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान जिया उल रहमान, सुल्तान मोहम्मद, रजा खान, सैयद मोहम्मद और जफर खान के रूप में हुई है। एटीएस की जांच में सामने आया कि ये सभी 2018-19 में काबुल (अफगानिस्तान) से दिल्ली होते हुए कोलकाता पहुंचे थे।

सोशल मीडिया पर पोस्ट की थी एके-47 के साथ तस्वीर

जांच के दौरान पता चला कि सुल्तान मोहम्मद मेडिकल वीजा पर आया था, जबकि बाकी चार अवैध तरीके से भारत में दाखिल हुए थे। पूछताछ में यह भी खुलासा हुआ है कि अफगान नागरिकों ने भारतीय पासपोर्ट हासिल करने के लिए जबलपुर में रह रहे मास्टरमाइंड सोहबत खान से प्रति व्यक्ति करीब ढाई लाख रुपए में डील की थी। जांच में बचने और किसी की नजर में ना आने के लिए इन लोगों ने दमोह के डाकघर में फर्जी दस्तावेज जमा किए और उसमें गलत पते लिखे, जो जबलपुर शहर के थे। ये पासपोर्ट भोपाल से जारी किए गए थे। पूरे गिरोह का भंडाफोड़ तब शुरू हुआ, जब मुख्य आरोपी सोहबत खान ने सोशल मीडिया पर ऐके-47 राइफल के साथ अपनी फोटो पोस्ट की थी।

अगस्त 2025 में उसकी गिरफ्तारी के बाद एटीएस ने कड़ियां जोड़ना शुरू किया। सोहबत 2015 में पश्चिम बंगाल के रास्ते भारत आया था। भोपाल होते हुए जबलपुर पहुंचा। यहां छोटी ओमती क्षेत्र में रहने वाली एक महिला से निकाह कर बस गया। वह 10 साल से जबलपुर में रहकर काम कर रहा है।

आजाद चौक विवाद, उपद्रवियों की जमानत हुई निरस्त

सिहोरा के आजाद चौक में हुए उपद्रव के बाद पुलिस ने दो पक्षों के 60 लोगों को गिरफ्तार किया था। इस मामले में एक पक्ष के 49 लोगों को बुधवार को सिहोरा कोर्ट में पेश किया गया, जहां सभी का जमानत आवेदन निरस्त करते हुए जेल भेज दिया। दूसरे पक्ष की सुनवाई गुरुवार को होगी। सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी अजय दुबे ने बताया कि 19 फरवरी की रात्रि करीब 10 बजे जय ज्योति समिति आजाद चौक सिहोरा में माताजी की आरती हो रही थी। आरती में फरियादी अंकेश गुप्ता के साथ आदर्श गुप्ता, रामजी गुप्ता, स्वयं गुप्ता, ऋतु वर्मन, बनवारी गुप्ता, अंकित गुप्ता, सक्षम गुप्ता, राहुल गुप्ता और अन्य लोग शामिल थे। तभी मदीना मस्जिद आजाद चौक सिहोरा के भीड़ आ गई। भीड में से साकिर मकरानी, ताहिर मकरानी, आबिद राईन सहित अन्य लोग आए। उन्होंने सभी लोगों को गालियां देते हुए हाथ मुक्कों से मारपीट की। उन्हें आरती कर रहे अन्य लोगों ने समझाया। कुछ देर तक विवाद शांत रहा, फिर इसके बाद वहीं पर मोहम्मद तौसीर, सोहेल शाह, अकरम शाह, मोहम्मद शिंदबाज एवं अन्य लोग ईट-पत्थर लेकर आए। वे पहले से मौजूद भीड़ में शामिल हो गए। इसके बाद पुन: सभी लोग एक राय होकर मंदिर की तरफ सभी लोगों के पर ईंट-पत्थर मारने लगे। उन्होंने मंदिर के सामने लगी स्टील की रेलिंग तोड़ दी। देवी-देवताओं का अपमान करने लगे। जिससे सभी लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं।

खेलो एमपी यूथ गेम्स में हितकारिणी लॉ कॉलेज की छात्रा का दबदबा

बॉक्सिंग प्रतियोगिता में जीता पदक, बढ़ाया कॉलेज का मान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

हितकारिणी लॉ कॉलेज की बीए एलएलबी प्रथम वर्ष की छात्रा ताजवर अंजुम ने खेलो एमपी यूथ गेम्स-2026 के अंतर्गत भोपाल मे आयोजित बॉक्सिंग प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक प्राप्त कर महाविद्यालय एवं शहर का नाम गौरवान्वित किया है। प्रतियोगिता में प्रदेश भर से आए प्रतिभागियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा रही, जिसमें महाविद्यालय की छात्रा ने अपने साहसए अनुशासन एवं उत्कृष्ट खेल कौशल का परिचय देते हुए बॉक्सिंग स्पर्धा में तृतीय स्थान अर्जित किया।

अन्य विद्यार्थियों को भी मिलती है प्रेरणा

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ विकाश सिंह, उप प्राचार्य डॉ भावना वर्मा एवं समस्त प्राध्यापकगणों ने छात्रा की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उसे बधाई दी तथा उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि खेल गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और इस प्रकार की उपलब्धियां अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरित करती हैं। महाविद्यालय परिवार ने छात्रा के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन पर गर्व व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार की सफलताओं की अपेक्षा की है।

एनीमिया से ग्रसित लोगों को बांटी गई पोषण आहार किट

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सेठ गोविंद जिला चिकित्सालय प्रांगण में बुधवार को तोप गाड़ी निर्माणी के सौजन्य से क्षय रोगियों एवं एनीमिया से ग्रसित महिलाओं को पोषण आहार किट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया है । यह कायक्रम एडवांस्ड वेपन्स एण्ड इक्विपमेंट इंडिया लिमिटेड की इकाई तोप गाड़ी निर्माणीद्वारा गैर सरकारी संस्था विज़न जबलपुर के सहयोग से तथा स्वास्थ्य विभाग के समन्वय के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक जीसीएफ राजीव गुप्ता की उपस्थिति में तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजय मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया । कार्यक्रम में जनजागरुकता, प्रशिक्षण में सहयोग व सहभागिता में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों का प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में रिटायर्ड सहायक निदेशक व अध्यक्ष विजन जबलपुर राजेंद्र सिंह, जिला क्षय नियंत्रण अधिकारी डॉ संतोष सिंह ठाकुर, जिला मीडिया अधिकारी अजय कुरील आदि उपस्थित रहे।

आवारा श्वानों पर नियंत्रण पाने नगर निगम ने कसी कमर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

आवारा श्वानों की बढ़ती संख्या पर प्रभावी नियंत्रण पाने के लिए नगर निगम ने तैयारी कर ली है। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने इस दिशा में व्यापक तैयारियों का खाका खींचते हुए आमजन की सुविधा के लिए एक विशेष हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। शहर के किसी भी क्षेत्र में आवारा श्वानों से संबंधित समस्या होने पर नागरिक सीधे नगर निगम से संपर्क कर सकते हैं। निगमायुक्त ने डॉ. पीजी नाजपांडे एवं विभिन्न स्वयं सेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य श्वानों के प्रबंधन को और अधिक मानवीय और प्रभावी बनाना था।

बैठक में निम्नलिखित प्रमुख बिंदुओं पर चर्चा हुई निगम द्वारा नियुक्त एजेंसी अब तक एक साल में 7,072 श्वानों का सफल बधियाकरण करा चुकी है। हॉट स्पॉट की पहचान डॉ. पीजी नाजपांडे ने विशेष रूप से गढ़ा क्षेत्र को 'हॉट स्पॉट' के रूप में चिन्हित करते हुए वहां सघन अभियान चलाने का सुझाव दिया। व्यवस्थित फीडिंग निगमायुक्त ने निर्देश दिए कि आवारा श्वानों को केवल निर्धारित 'फीडिंग जोन' पर ही भोजन कराया जाए, ताकि सार्वजनिक स्थानों पर असुरक्षा का वातावरण न बने।

खेत में मिली वृद्ध की लाश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पनागर थाना क्षेत्र के ग्राम बामनोदा बाइपास के पास एक खेत से वृद्ध की लाश मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लिया और पंचनामा की कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस मामले को लेकर पुलिस का कहना है कि मृतक की शिनाख्त के लिए आसपास के गांवों में पूछताछ की जा रही है।पुलिस को घटनास्थल पर गेहूं की कुछ बालियां दबी हुई मिली हैं जो किसी संघर्ष की ओर इशारा कर सकती हैं। पुलिस के मुताबिक मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो पाएगा।

फील्ड पर खाद्य विभाग : होली से पहले प्रतिष्ठानों पर ताबड़तोड़ निरीक्षण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा होली त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुये नमकीन, मिठाई, मावा, पनीर विक्रय प्रतिष्ठानों का आज बुधवार को भी निरीक्षण किया गया तथा परीक्षण हेतु नमूने लिये गये। निरीक्षण के दौरान रांझी स्थित रजवाड़ी स्वीट्स से गुझिया एवं मावा कतली, नर्मदा डेयरी से मावा एवं पनीर, रामपुर स्थित राजस्थान मिष्ठान्न भण्डार से नमकीन, बेस्ट बंगाल स्वीट्स से खोवा बर्फी एवं बेसन के लड्डू सत्यनारायण गुजराती नमकीन से नमकीन, कटंगी रोड स्थित ओम बीकानेर मिष्ठान्न भण्डार से खोवा एवं पतीशा, सदर बाजार स्थित बालाजी स्वीट्स से खोवा बर्फी एवं कलाकंद, तिलवारा स्थित कृष्णा स्वीट्स एण्ड नमकीन से मावा बर्फी एवं नारियल बर्फी तथा केक टेडर्स से नमकीन एवं केक के नमूने लिये गये। खाद्य सुरक्षा अधिकारी के अनुसार निरीक्षण में मौके पर ही दुग्ध उत्पादों मावा, घी, पनीर आदि का प्राथमिक परीक्षण भी किया गया। प्राथमिक परीक्षण में यूरिया, डिटर्जेंट तथा स्टार्च एवं शक्कर की उपस्थिति नहीं पायी गई। निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा मिठाई तथा नमकीन आदि के निर्माण तथा संग्रहण की प्रक्रिया में खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के स्वच्छता एवं सुरक्षा प्रावधानों का पालन करने के निर्देश खाद्य पदार्थों के कारोबारियों को दिये गये हैं।

गौरीघाट में मिला मृत मगरमच्छ

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। बुधवार को नर्मदा नदी के गौरीघाट में एक मगरमच्छ मृत अवस्था में मिलने से हड़कंप मच गया। प्रथम दृष्टया मगरमच्छ का करंट लगाकर शिकार किए जाने की आशंका जताई जा रही है। मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने मगरमच्छ का शव पोस्टमार्टम के लिए वेटरनरी कॉलेज स्थित फोरेंसिक सेंटर भेजा है। नर्मदा नदी में मगरमच्छ के शिकार के जाने की खबर से लोगों की धार्मिक भावनाएं भी आहत हुई हैं। बताया जा रहा है कि करीब तीन-चार फुट लंबा मगरमच्छ का शव बुधवार की सुबह घाट किनारे मिला है। शव को देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा था कि मगरमच्छ को करंट लगाकर मारा गया है।

जबलपुर-सोगरिया के बीच चलेगी होली स्पेशल ट्रेन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रेल प्रशासन द्वारा आगामी होली त्यौहार में अतिरिक्त यात्री यातायात को क्लीयर हुए यात्रियों को सुगम, संरक्षित एवं आरामदायक यात्रा सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से भारतीय रेलवे पर देश के सभी महत्वपूर्ण स्थानों के लिए बड़ी संख्या में होली स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। इसी कड़ी में पश्चिम मध्य रेल से गाड़ी संख्या 01707 जबलपुर-सोगरिया (कोटा) के मध्य एक तरफ़ा 01 ट्रिप के लिए होली स्पेशल ट्रेन चलाई जा रही है। इस गाड़ी का ठहराव सिहोरा रोड, कटनी मुड़वारा, दमोह, सागर, बीना मालखेड़ी जंक्शन, गुना एवं बारां स्टेशनों पर रहेगा। गाड़ी संख्या 01707 जबलपुर से सोगरिया (कोटा) होली स्पेशल ट्रेन का संचालन रविवार 01 मार्च को एक रतफा जबलपुर स्टेशन से सुबह 09.05 बजे प्रस्थान कर सिहोरा रोड 09.35 बजे, कटनी मुड़वारा 10.45 बजे, दमोह दोपहर 12.30 बजे, सागर 14.00 बजे, बीना मालखेड़ी जंक्शन 15.00 बजे, गुना सायं 17.50 बजे, बारां 19.53 बजे पहुंचकर और रात 21.05 बजे सोगरिया पहुंचेगी।

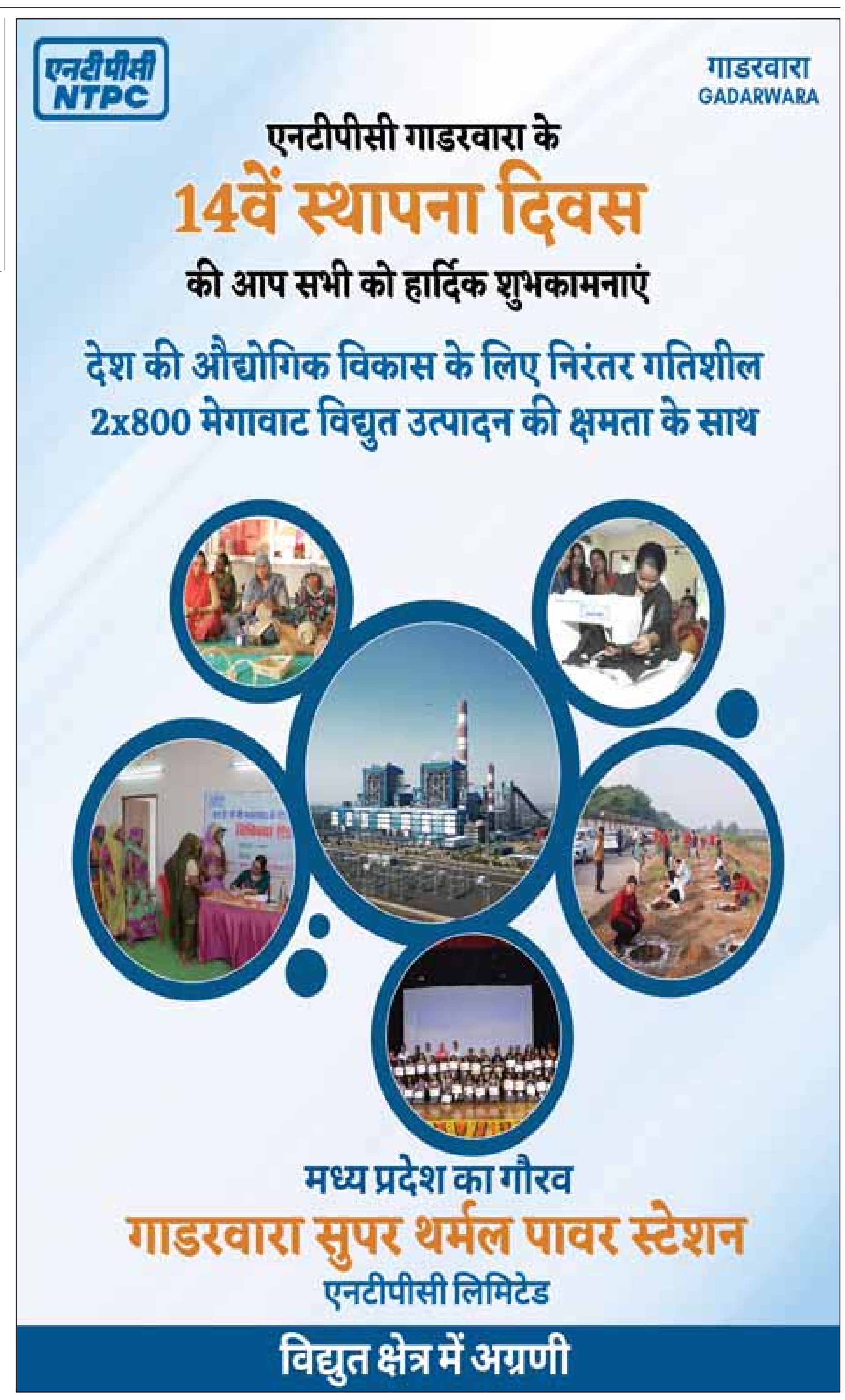

भालुओं की दहशत में जी रहे कछार के ग्रामीण, वन विभाग ने डाला डेरा

लगातार दिख रहा मूवमेंट, बाहर निकलने से डर रहे लोग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार जंगली जानवरों का आंतक बढ़ते जा रहा है। तेंदुए के बाद अब भालुओं ने डेरा डाल रखा है। शहर से करीब 40 किलोमीटर दूर बेलखेड़ा शहपुरा के कछार गांव में 2 भालूओं ने आंतक मचा रखा है। हालात ऐसे हो गए है कि ग्रामीणों ने खेत जाना बंद कर दिया है। लगातार पिछले 3 दिनों से गांव के बाहर भालू देखे जाने से लोगों में डर बना हुआ है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन सहित वन विभाग से मांग की है, कि जल्द से जल्द भालूओं का रेस्क्यू किया जाए, नहीं तो कोई बड़ी घटना घट सकती है।

पहले तेंदुआ ने मचा रखा था दहशत

ग्रामीणों का कहना है कि इससे पहले ग्रामीण क्षेत्रों में तेंदुए की दहशत पहले से ही थी, और अब इसके बाद भालुओं ने परेशान कर रखा है। सोमवार की दोपहर को दोनों भालू काफी देर तक गांव की बाहरी सड़क और खेतों के पास देखे गए, रिहायशी इलाके के इतने करीब वन्य जीवों को देखकर ग्रामीण डर गए, और अपने घरों में दुबक गए। दो भालू के गांव में आ जाने के बाद खेती किसानी के काम पर जाने वाले लोग भी अब सुरक्षित नहीं मान रहे हैं। इधर ग्रामीणों की शिकायत और स्थिति को गंभीरता को देखते हुए वन विभाग की टीम बुधवार को गांव पहुंची और दिन भर जंगल में भालुओं की तलाश करती रही, हालांकि काफी सर्चिंग के बाद भालू नहीं दिखे। वन विभाग ने रात्रि कल पेट्रोलिंग भी बढ़ा दी है। वन विभाग ने सभी ग्रामीणों से अपील की है, कि सावधानी बरतें और खेतों में अकेले ना जाएं, इतना ही नहीं रात के समय भी ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

पारगमन प्रवास पर डुमना पहुंचेंगे सीएम मोहन यादव

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का पारगमन प्रवास पर आज गुरुवार 26 फरवरी को दोपहर 3.25 बजे भोपाल से वायुयान द्वारा डुमना एयरपोर्ट जबलपुर आगमन होगा। मुख्यमंत्री दोपहर 3.30 बजे डुमना एयरपोर्ट से हेलीकॉप्टर द्वारा सागर जिले के गढ़ाकोटा प्रस्थान करेंगे। गढ़ाकोटा में स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होने के बाद मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव शाम 5.45 बजे हेलीकॉप्टर से वापस डुमना एयरपोर्ट जबलपुर आयेंगे तथा शाम 5.50 बजे डुमना एयरपोर्ट से वायुयान द्वारा रायपुर (छत्तीसगढ़) रवाना होंगे।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-smatjbp1@ gmail.com, फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, RNI No. 64561/96.